जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 26 अप्रैल, 2026

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

ये प्राइस नहीं... सरप्राइज है !

₹4000/Sq Ft में फ्लैट!
₹5000/Sq Ft में कोठी!

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

5 दिन में 5 लाख रेट बढ़ेगी

NO MIDDLE MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

FIXED PRICE

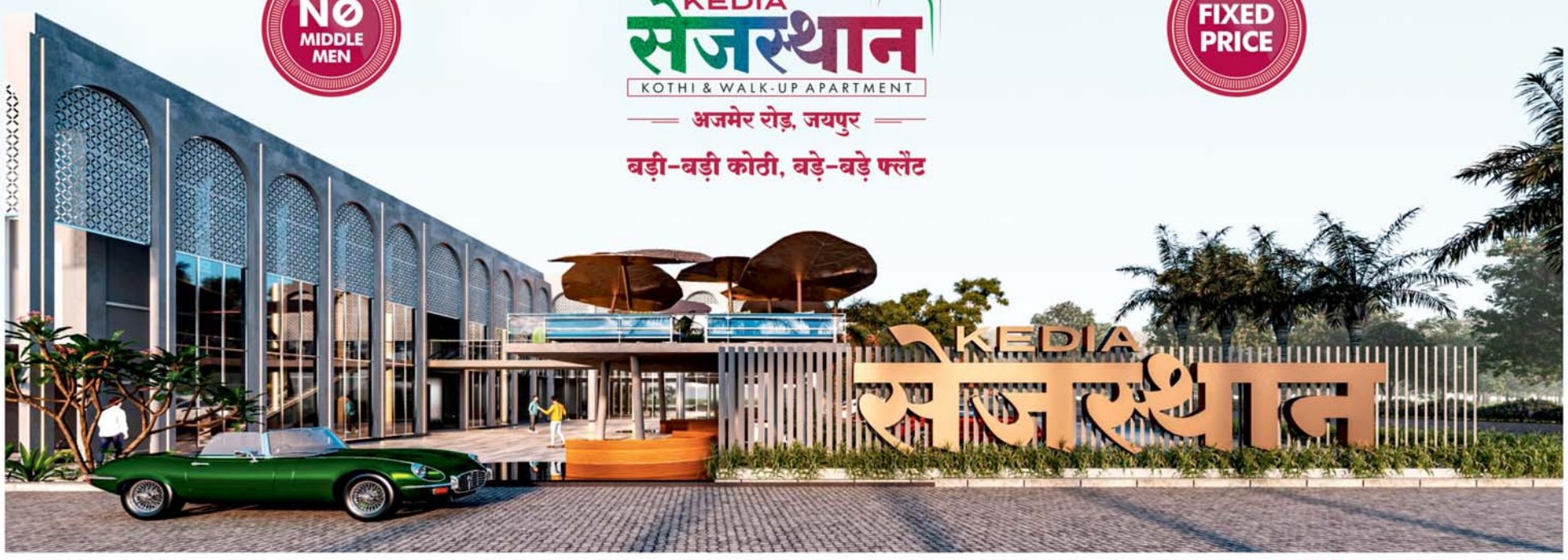

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

रिटेलर्स फ्री सैम्पलिंग के लिए

40+ Warehouses
54000+ Registered Retailers

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

180+ Delivery Van
400+ Delivery Man

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | ZEPTO
WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

सभी जिला मुख्यालयों पर Market Development Officer (MDO) हेतु आवेदन करें।
Email ID : hr@kedia.com | Call : +91 76888 44466

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

महापुरुष वे ही होते हैं जो विभिन्न परिस्थितियों के रंगों में रंगे जाने के बाद भी अपने व्यक्तित्व की पहचान को खोने नहीं देते। –मुक्ता

रामचरितमानस में समकालीन दर्शन

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं–किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा–प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों–जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि–के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी, वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है–जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है–और संभवत: पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ–स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी, तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गई रामचरितमानस की यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन, नैतिक भ्रम, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है–तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक–सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्यासम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह–अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है–जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर–जहाँ युद्ध, उग्रवाद और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं–रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिस धरम नहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंत: शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति–निर्माण और संघर्ष–परिवर्तन के लिए एक नैतिक–दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों–मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था–के समाधान का एक जीवंत स्त्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है–जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष, भारत और विश्व–एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों–युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप–दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद–जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी–संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है–जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन–दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत–तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यिवन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य–कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक–स्पष्ट होते हैं।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग–जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक–का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म–दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म–सम्मान और आत्म–स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण, और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन–संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति–सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक–भावनात्मक आरोपण का सूत्र है–जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंधबुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण–क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं–जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूति जैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमा और सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुन:प्रगट हो रही हैं–जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ–रचनाकी भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका–विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन,और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा–आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं–उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन–व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय–तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन–पद्धति बन जाएगा–जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति–तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता–दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व,विवेक और करुणा की पुन:स्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती–चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक–उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है–कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

क्या सुप्रीम कोर्ट विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण का निर्देश दे सकता है?

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक पेश किया गया था, जिसका उद्देश्य एक विस्तारित लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करना था। इसे संविधान संशोधन 131वां विधेयक, 2026 के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस संशोधन विधेयक के समर्थन में वोटों की संख्या कम रह गई, जिसके कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका; फलस्वरूप, सत्ताधारी दल के प्रयासों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए। मीडिया और अदालतों के गलियारों में अब यह चर्चा ज़ोरों पर है कि जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से, माननीय सुप्रीम कोर्ट के परमादेश (Writ of Mandamus) द्वारा अब इस आरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, बार काउंसिल में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण (20 प्रतिशत चुनाव के ज़रिए + 10 प्रतिशत मनोनीत सदस्य) का आदेश अब एक मिसाल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत के लोगों के सामने यह सवाल उठता है कि क्या इसी व्यवस्था को दूसरी जगहों पर भी लागू किया जा सकता है या नहीं। इन दोनों उदाहरणों में क्या फ़र्क है–एक तरफ़ बार काउंसिल में सीटों का आरक्षण, और दूसरी तरफ़ विधायिका (जिसमें राज्य विधानसभाएँ और संसद शामिल हैं) में सीटों का आरक्षण? इन दोनों को ही महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक कार्रवाई (affirmative action) माना जाता है।

उपर्युक्त संदर्भ हमें भारत के संविधान के पहले संशोधन की याद दिलाता है, जब आरक्षण नीति को चंपाकम दोराईराजन नामक एक महिला ने चुनौती दी थी। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की उस विवादित नीति को इस आधार पर रद्द कर दिया था कि भारत के संविधान में महिलाओं के लिए सकारात्मक कार्रवाई हेतु कोई स्पष्ट प्रावधान या सक्षम खंड (enabling clause) मौजूद नहीं था। संविधान में पहले संशोधन के ज़रिए, अनुच्छेद 15(4)को जोड़ा गया, ताकि सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके; इस कदम ने महिलाओं पर केंद्रित आरक्षण या सकारात्मक कार्रवाई को आगे बढ़ाने में मदद की।

बार काउंसिल में महिलाओं के लिए आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का असर, एडवोकेट्स एक्ट 1961 में संशोधन के बराबर है। विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या न्यायिक समीक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए ऐसे निर्देश जारी किए जा सकते हैं? क्या यह संसद की विधायी शक्तियों पर अतिक्रमण नहीं है? इसे शक्तियों के पृथक्करण (separation of powers) के सिद्धांत का घोर उल्लंघन माना जाता है। यहाँ सुप्रीम कोर्ट की तीन–न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिए गए देवकी नंदन अठावाल मामले (AIR 1992 SC 96) का उल्लेख करना उचित होगा, जो एक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में, न्यायिक संयम (judicial restraint) का पालन करते हुए अदालतों की भूमिका को समझने में सहायक है। इसमें यह टिप्पणी की गई थी:–

जब किसी प्रावधान की भाषा स्पष्ट और असंदिग्ध हो, तो कानून के दायरे या विधायिका के आशय का विस्तार करना अदालत का कर्तव्य नहीं है। अदालत कानून को फिर से नहीं लिख सकती, उसका स्वरूप नहीं बदल सकती या उसे नए सिरे से नहीं गढ़ सकती; इसका सीधा सा कारण यह है कि उसके पास कानून बनाने की शक्ति नहीं है। कानून बनाने की शक्ति अदालतों को प्रदान नहीं की गई है। अदालत किसी कानून में ऐसे शब्द न तो जोड़ सकती है और न ही ऐसे शब्दों का अर्थ निकाल सकती है, जो उसमें मौजूद ही न हों। यदि यह मान भी लिया जाए कि विधायिका द्वारा प्रयुक्त शब्दों में कोई दोष या चूक रह गई है, तो भी अदालत उस कमी को सुधारने या उसकी भरपाई करने के लिए अपनी ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालतों का कार्य यह तय करना है कि कानून क्या है, न कि यह तय करना कि कानून कैसा होना चाहिए। नि:संदेह, अदालत कानून की ऐसी व्याख्या अपनाती है जो विधायिका के स्पष्ट आशय को पूरा करती हो, परंतु वह स्वयं कानून नहीं बना सकती। किंतु, विधायिका के निर्णय को निष्प्रभावी करने के लिए न्यायिक सक्रियता (judicial activism) का सहारा लेना, संवैधानिक सामंजस्य और विभिन्न संस्थाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए अत्यंत हानिकारक है।

बार काउंसिल में महिलाओं के लिए आरक्षण का यह आदेश कोई बाध्यकारी मिसाल नहीं है। इसे सब साइलेंशियो (sub silentio) कहा जाता है। इसका मतलब है कि यह एक ऐसा निर्णय या नियम है जिसे बिना किसी औपचारिक चर्चा के, मौन रूप से स्वीकार कर लिया गया हो। यह हमें जीत एस. बिष्ट मामले (2007 6 एण्ण 586) की याद दिलाता है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी की थी कि ऑल इंडिया जजेस एसोसिएशन मामले (1993 4 SCC 288) में दिया गया निर्णय सब साइलेंशियो था। इसमें यह टिप्पणी की गई थी:

16. हमने उपरोक्त निर्णय का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। हम इस निर्णय में की गई उन टिप्पणियों से पूरी तरह सहमत हैं कि न्यायाधीशों को पर्याप्त वेतन और भत्ते मिलने चाहिए, ताकि वे निष्पक्ष होकर और स्वतंत्र मन से कार्य कर सकें; परंतु हम इस बात से सहमत नहीं हैं कि उस निर्णय ने कानून का ऐसा कोई सिद्धांत स्थापित किया है, जिसके अनुसार न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते और सेवा की अन्य शर्तें न्यायपालिका द्वारा ही निर्धारित की जानी चाहिए।

17. न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते और सेवा की अन्य शर्तें या तो संविधान द्वारा निर्धारित की जाती हैं (उदाहरण के लिए, सेवानिवृत्ति की आयु और सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन), अथवा विधायिका या कार्यपालिका द्वारा। वास्तव में, पूरे विश्व में यही स्थिति प्रचलित है।

18. इसमें कोई संदेह नहीं कि उपरोक्त निर्णय में इस न्यायालय द्वारा विभिन्न निर्देश दिए गए थे; परंतु हमारी राय में, ऐसा बिना किसी चर्चा के किया गया था–अर्थात् इस बात पर कोई चर्चा नहीं हुई थी कि क्या न्यायालय द्वारा ऐसे निर्देश वैध रूप से दिए भी जा सकते हैं या नहीं। अत:, वह निर्णय सब साइलेंशियो के रूप में पारित हुआ था।

बार काउंसिल में महिलाओं के लिए आरक्षण के आदेश में कोई रेशियो डिसीडेंडी (निर्णय का आधार) नहीं है, सिवाय संवैधानिक भावना और महिला सशक्तिकरण के नेक उद्देश्य के एक सरसरी ज़िक्र के। सुप्रीम कोर्ट भारत का सर्वोच्च संवैधानिक न्यायालय है। लेकिन कानून के शासन का सिद्धांत यह दर्शाता है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। यहाँ तक कि सुप्रीम कोर्ट भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

अब, मुख्य प्रश्न यह है कि क्या यह निर्णय–जो चुपके से (sub silentio) पूर्व–निर्णय के सिद्धांत (doctrine of precedent) का उल्लंघन करता है–भारत में महिला सशक्तिकरण के आंदोलन के लिए एक अच्छा उदाहरण पेश करेगा? ईमानदारी से आत्म–निरीक्षण की आवश्यकता है कि लक्ष्य और साधन दोनों ही नेक और वैध होने चाहिए, और साथ ही संवैधानिक नैतिकता को भी बनाए रखने वाले होने चाहिए। क्या न्यायपालिका का हिस्सा होने से कोई ऐसी विशेष स्थिति मिल जाती है कि सकारात्मक कार्रवाई (affirmative action) हासिल करने के लिए बुनियादी न्यायशास्त्र को ही ताक पर रख दिया जाए? इसने न्यायिक अनुशासन, न्यायिक औचित्य और न्यायिक संयम के लिए किस तरह का उदाहरण पेश किया है? इसकी सीमाएँ कहाँ हैं? इसने सकारात्मक कार्रवाई के नाम पर न्यायिक सक्रियता का एक बुरा उदाहरण पेश किया है।

चंपकम दोराइराजन (1951) के उस दौर से, जब आरक्षण नीति को संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप न होने के आधार पर चुनौती दी गई थी, लेकर आज के उन निर्देशों तक–जो अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन के समान हैं–आखिर क्या बदलाव आया है? इसका जवाब उत्साहजनक नहीं है। इसका परिणाम यह हुआ है कि न्यायिक संयम, न्यायिक अनुशासन और न्यायिक औचित्य का ह्रास, क्षरण और कमज़ोरी हुई है। उन लोगों के सामने एक वाजिब सवाल है जो महिलाओं के उत्थान के पक्षधर हैं और महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं: क्या सर्वोच्च न्यायालय संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने और महिला सशक्तिकरण के उस महान उद्देश्य–जिसे अक्सर सकारात्मक कार्रवाई (Affirmative Action) कहा जाता है–के नाम पर, विधायिका में आरक्षण के निर्देश जारी करने का साहस करेगा?

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्चन्यायालय, जयपुर

शाहपुरा : सामूहिक विवाह सम्मेलन में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया

शाहपुरा, (निसं)। त्रिवेणीधाम में शनिवार को श्रीयादे प्रजापति सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में खोजीद्वाराचार्य रामरिछपालदास महाराज के सान्निध्य में 13वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। विवाह सम्मेलन में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर जीवनसाथी बने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मनीष यादव, भाजपा नेता उपेन यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सिमरन बाई किन्नर, पूर्व विकास अधिकारी महावीर प्रसाद, पूर्व चेयरमैन सुनीता प्रजापत, डॉ. भोमराज कुमावत व विहिप के मुकेश कुमावत मौजूद रहे। अध्यक्षता भामाशाह धर्मपाल ठेकेदार ने की।

- **कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री कुमावत ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आव्हान किया**
- **वर-वधु को अलमारी, बेड, एलईडी, सिलाई मशीन, आभूषण, आदि सामान भेंट किया गया**

कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण, साफा शॉल व रामलला की तस्वीर भेंटकर अभिनंदन किया।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह गुर्जर धर्मशाला से दूल्हों को घोड़ी पर बैठाकर बारात निकाली गई, जो यादव धर्मशाला पहुंची। यहां तोरण व फेरों की रस्में संपन्न करवाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कुमावत ने कहा कि बड़े आयोजनों में खर्च कम कर बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईटी और एआई के इस दौर में शिक्षा का महत्व और बढ़ गया है। साथ ही कैबिनेट मंत्री कुमावत ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आव्हान किया। विधायक मनीष यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज की एकजुटता और सद्भाव का प्रतीक हैं, जो कमजोर वर्ग को भी सहारा देते हैं। भाजपा नेता उपेन यादव ने समाज के लोगों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। महामंडलेश्वर बनारसीदास महाराज ने भी वर–वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। समिति अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण खेजरोली, शंकरलाल, गोपाल, सूबेसिंह, मूलचंद, रघुनाथ, श्यामसुंदर, प्रभुदयाल, लीलाराम, बाबूलाल, प्रहलाद सहाय, बनवारी, जमनलाल, मक्खन लाल, पूरणमल, महिपाल, मंगलचंद, गणपत, नाथूराम, मुकेश प्रजापत आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण व साफा शॉल व रामलला की तस्वीर भेंटकर अभिनंदन किया। समारोह में वर–वधु को अलमारी, बेड, एलईडी, सिलाई मशीन, सोने–चांदी के आभूषण, पंखे सहित विभिन्न प्रकार का सामान समिति व भामाशाहों की ओर से भेंट किया गया।

नोखा, देशनोक में बूंदाबांदी से तापमान गिरा

नोखा, (निसं)। तहसील क्षेत्र में शनिवार को मौसम का मिजाज बदल गया। शाम करीब 4 बजे आसमान में घने बादल छा गए और कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया।

शनिवार सुबह से ही क्षेत्र में तेज गर्म हवाएं (लू) चल रही थी, जिससे बाजारों और सड़कों पर चहल–पहल कम रही। दोपहर तक गर्मी अपने चरम पर थी और लोग घरों में रहने को मजबूर थे। हालांकि, दोपहर बाद मौसम बदलने और बादलों के छाने से लोगों ने राहत की सांस ली।

ग्रामीण इलाकों में भी इस मौसम परिवर्तन का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। किसानों और पशुपालकों ने इसे राहत भरा बताया। हल्की बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं ने वातावरण को संतुलित करने में मदद की। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी आंशिक बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है, जिससे गर्मी से और राहत मिल सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने और बदलते मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

देशनोक क्षेत्र में कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद मौसम ने करवट ली है। शुक्रवार रात और शनिवार को हुई बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार रात को हल्की बारिश हुई थी, जिसके बाद शनिवार को भी दिन में बूंदाबांदी देखने को मिली। सुबह जहां तेज गर्मी का असर था, वहीं दोपहर बाद अचानक आसमान में बादल छा गए और हल्की बारिश शुरू हो गई।

राशिफल रविवार 26 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र रात्रि 8:27 तक, वृद्धि योग रात्रि 10:28 तक, तैतिल करण प्रात: 6:17 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 8:27 तक है। रवियोग रात्रि 8:27 तक रहेगा। आज श्री महावीर स्वामी कैवल्य ज्ञान (जैन)।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:34 से 9:11 तक, लाभ–अमृत 9:11 से 12:25 तक, शुभ 2:02 से 3:39 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 6:52

मेष

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु

धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं।

मकर

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आज महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मीन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 262 प्रभात जयपुर, रविवार 26 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

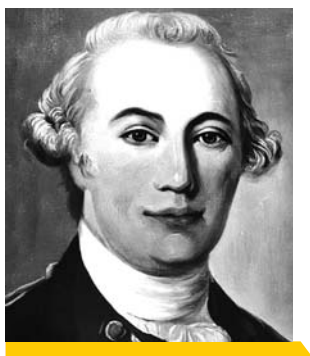

How Fort Duquesne Fell

Forbes captured Fort Duquesne without a fight on November 25, renaming it Pittsburgh in honour of British statesman William Pitt

Peacocks and Snakes

The unexpected Predator-Prey Relationship of Peacocks with Cobras

अमेरिका व ईरान दोनों युद्ध से निजात चाहते हैं, पर, अमेरिका ज्यादा तत्पर है

यह खबर फैलते ही कि ईरान के विदेश मंत्री इस्लामाबाद यात्रा पर निकल पड़े हैं, ट्रंप ने आनन-फानन में अपनी टीम को इस्लामाबाद भेजने की पूरी तैयारी कर ली

- अमेरिका की टीम में अमेरिका के विशेष राजदूत स्टीव विटकोफ व ट्रंप के दामाद जैरेड कुश्नर शामिल किये गए, पर, घटनाक्रम के इस दौर में अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल को इस्लामाबाद आने का न्यौता न तो पाकिस्तान ने और न ही ईरान ने दिया था। अमेरिका की टीम ''मान न मान, हम तेरे मेहमान'' की मुद्रा में इस्लामाबाद पहुंच गई।
- दूसरी ओर, ईरान लगातार कहता रहा कि उसके विदेश मंत्री इस्लामाबाद वार्ता जारी करने के लिए नहीं गए हैं, बल्कि विदेश मंत्री इस्लामाबाद से ओमान व रूस जाने के लिए गए थे।
- यूएस व ईरान वार्ता का कोई एजेण्डा भी तैयार नहीं था। अमेरिका जरूर जेसीपीओए का पुराना एग्रीमैंट पुनः लागू करना चाहता है, क्योंकि ट्रंप ने सत्ता में आते ही इस एग्रीमैंट को रद्द कर दिया था और इसके बाद ईरान पर न्यूक्लियर यूरेनियम परिष्कृत करने के बारे में सारी शर्तें भी खत्म हो गई थी और ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम बिना रूकावट के आगे बढ़ा रहा था

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। अमेरिका और ईरान दोनों युद्ध से थके हुए दिखाई दे रहे हैं और किसी तरह गतिरोध से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन दोनों में से, अमेरिकी तत्काल परिणाम पाने के लिए अधिक उत्सुक लग रहे हैं, जबकि ईरान अधिक धैर्य से काम ले रहा है।

जब यह सार्वजनिक हुआ कि ईरानी विदेश मंत्री इस्लामाबाद जा रहे हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जल्दी से अपने मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकोफ और दामाद जैरेड कुश्नर की यात्रा आयोजित कर दी। इस समय न तो ईरानियों ने और न ही संभवतः पाकिस्तानी अधिकारियों ने अमेरिकी टीम को आमंत्रित किया था।

फिर भी, अमेरिकी समय से पहले हस्तक्षेप कर रहे हैं और वार्ता में तेजी से शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण है कि इस बार उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस को वार्ता टीम से बाहर रखा गया है। इसका कारण यह हो सकता है कि पहली बार वार्ता में वैंस परिणाम नहीं ला पाए थे। यह भी संभव है कि वैंस युद्ध के पक्ष में नहीं थे और वार्ता को लेकर उनके कुछ रिजर्वेशन्स थे।

ईरान ने दृढ़ता से इनकार किया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान की टीम अमेरिका से बात किए बिना लौटी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रेल। ईरान ने अमेरिका के साथ सीधे वार्ता करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है, जबकि संघर्ष अपने नौवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने संघर्ष विराम बढ़ाया है, लेकिन ईरानी सूत्रों ने

- ईरान के विदेश मंत्री सय्यद अब्बास अराघची शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़, जनरल आसिम मुनीर से वार्ता के बाद पाकिस्तान से रवाना हो गए।

दोहराया है कि तेहरान युद्ध समाप्त करने की खातिर, अमेरिका की ''अत्यधिक मांगों'' को स्वीकार नहीं करेगा।

वॉशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता शनिवार को उस समय और बढ़ गई, जब ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनका प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचा और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद वापस चला गया।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने अब आप की पंजाब सरकार गिराने का प्लान तैयार किया

हालांकि, पंजाब में आप की सरकार के पास विधायकों का संख्या बल पर्याप्त है, पर, राघव चड्ढा के भाजपा जॉइन करने से स्थिति काफी बदल गई है

- राघव चड्ढा, जो गत चुनाव में पंजाब के प्रभारी थे, आप के कार्यकर्ताओं से उनका संबंध व्यक्तिगत व गहरा था। अतः राघव चड्ढा व भाजपा से जुड़ने वाले सांसद आप के कार्यकर्ताओं को भाजपा उन्मुख आसानी से बना सकते हैं।
- दूसरी ओर भाजपा अरविंद केजरीवाल पर उनको आवंटित 95, लोदी एस्टेट, बंगले को दूसरा शीश महल बनाने का आरोप लगा रही है, दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को दिल्ली का रहमान डकैत बताया, जो साधारण आदमी होने का दावा करता है, पर, वाकई में बड़े शानो-शौकत की जिंदगी जीता है।
- प्रवेश वर्मा ने यह भी कहा कि एक लंबी लिस्ट है, उन वरिष्ठ आप नेताओं की जिसमें आशुतोष, शाजिया इमती, किरण बेदी, कुमार विश्वास आदि शामिल है, जो आप की सदस्यता त्याग चुके हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आप के भीतर हुए विभाजन ने भाजपा को प्रेरित किया है कि वह पंजाब में आप विधायक दल में भी इसी तरह का विभाजन लाने की कोशिश करे, या 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले के महीनों में भगवंत सिंह मान सरकार को गिराने तक की योजना बनाए।

संख्या के लिहाज से, पंजाब विधानसभा में आप की स्थिति मजबूत है, लेकिन राघव चड्ढा, जो पिछली चुनावों में पंजाब के लिए आप के प्रभारी थे, का राज्य में आप के कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत नेटवर्क है। सूत्रों के अनुसार, वे और अन्य निष्कासित सांसद अपने कार्यकर्ता संपर्कों का इस्तेमाल मान सरकार को अस्थिर करने और भाजपा को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री मान चिंतित हैं और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपॉइंटमेंट माँगा है, ताकि वे आप के निष्कासित सांसदों को अयोग्य घोषित करने का प्रकरण उनके समक्ष रख सकें।

भाजपा ने अपनी ओर से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर फिर से हमला तेज कर दिया है। भाजपा ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल के चुनाव ने दिल्ली में भारी घरेलू संकट पैदा किया

घरेलू सहायिकाएं वोट डालने अपने गृह राज्य बंगाल गई हैं और घरों की व्यवस्था बिगड़ गई है

- घरेलू सहायिका (हाउस मेड) झाड़ू-पोंछा, बर्तन की सफाई, कपड़े धोना जैसे कई घरेलू काम करती हैं, इससे महिलाओं, खासकर कामकाजी महिलाओं को बड़ा आराम रहता है, पर, अब उन्हें ऑफिस के साथ-साथ घर का काम भी करना पड़ रहा है।
- सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने उन्हें रेल टिकट दिया था और कहा था कि अगर वोट नहीं डाला तो वोटर लिस्ट से नाम कट जाएगा, इसलिए और मुफ्त यात्रा का लुत्फ लेने लगभग सभी हाउस मेड बंगाल चली गई।
- स्थानीय लोगों को उम्मीद है, चुनाव खत्म होने के बाद हाउस मेड्स लैट आएंगी और उनकी गृहस्थी सुचारू रूप से चलने लगेगी।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। बंगाल के निर्णायक चुनाव के बीच, दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के घरों में घरेलू संकट गहरा गया है। उच्च-महंगे आवासीय परिसर में काम करने वाली घरेलू सहायिकाएँ मतदान के लिए अपने घर लौट गई हैं, जिससे घर के काम रुक गए हैं। अधिकांश सहायिकाएँ पहले चरण के मतदान (23 अप्रैल) के लिए चली गई थीं और अभी तक वापस नहीं आई हैं।

शहर में बड़ी संख्या में घरेलू सहायिकाएँ बंगाल की पंजीकृत मतदाता हैं। अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए वे घर गई हैं, जिससे आवासीय परिसरों में कामगारों की कमी हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने उन्हें रेल टिकट दिलाई और चेतावनी दी कि यदि वे मतदान नहीं करेंगी, तो उनका नाम वोटर लिस्ट से कट जाएगा। ऐसी स्थिति में मुफ्त यात्रा किसे पसंद नहीं होती।

अब निवासियों को झाड़ू-पोंछा, बर्तन धोना और कपड़े धुलाई जैसे काम स्वयं करने पड़ रहे हैं, जो उनके पहले से ही व्यस्त कार्यालय समय को और चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

मोनिका यादव, होम अपार्टमेंट्स,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में डिजिटल आपातकाल, 57 दिन से इंटरनेट बंद

तेहरान, 25 अप्रैल। ईरान इस समय एक अभूतपूर्व डिजिटल आपातकाल से गुजर रहा है। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था नेटब्लॉक्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में पिछले 57 दिनों से इंटरनेट पूरी तरह से बंद है। यह किसी

- यह किसी भी देश में लगाया गया दुनिया का सबसे लंबा इंटरनेट ब्लैक आउट है।

भी देश में लगाया गया दुनिया का सबसे लंबा राष्ट्रव्यापी इंटरनेट ब्लैकआउट बन गया है। ठीक आठ हफ्ते पहले शुरू हुए इस प्रतिबंध ने न केवल ईरान के 9 करोड़ से अधिक नागरिकों को दुनिया से अलग-थलग कर दिया है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी चोट पहुंचाई है।

अमेरिका-इज़रायल की ओर से किए गए हमले के बाद 28 फरवरी को इंटरनेट सेवाएं अचानक बंद कर दी गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक ही दिन में दस लाख इंस्टाग्राम यूज़र्स ने राघव को अनफॉलो किया

सूत्रों का कहना है कि राघव चड्ढा का अचानक आप छोड़कर भाजपा में चले जाना ''ज़ैन जैड'' को पसंद नहीं आया

- राघव युवा पीढ़ी में काफी लोकप्रिय नेता थे, पर, शुक्रवार को उनके भाजपा में जाने के बाद से शनिवार एक बजे तक इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की तादाद 14.6 मिलियन से घटकर 13.5 मिलियन रह गई थी, यही नहीं उन्हें युवा पीढ़ी के भारी आक्रोश का सामना भी करना पड़ रहा है।
- आप की तरफ से राज्यसभा के लिए निर्वाचित राघव अपने साथ 6 राज्यसभा सांसदों को भी भाजपा में ले गए हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। राघव चड्ढा का आप छोड़कर भाजपा में शामिल होना युवाओं, खासकर जैन ज़ैड के बीच कुछ खास प्रभाव नहीं डाल पाया। लोकप्रिय राज्यसभा सांसद, जिन्हें युवा वर्ग में काफी लोकप्रियता हासिल थी, ने 24 घंटे से भी कम समय में एक मिलियन फॉलोअर्स खो दिए।

राघव चड्ढा ने आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक हलचल मचा दी, साथ ही वे छह आप राज्यसभा सांसदों को भी अपने साथ भाजपा में ले गए, जिससे अरविंद केजरीवाल नेतृत्व वाली पार्टी अपने सदस्यों को एकजुट रखने में लग गई।

चड्ढा का भाजपा में जाना, जो कि कुछ हफ्ते पहले उन्हें आप के राज्यसभा में उप नेता पद से हटाए जाने के बाद अपेक्षित था, जैन ज़ैड को प्रभावित नहीं कर पाया।

आज के डिजिटल युग में, सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या को अक्सर लोकप्रियता का मापक माना जाता है। डेटा के अनुसार, चड्ढा के अचानक भाजपा में शामिल होने के बाद उनके इंस्टाग्राम पर 24 घंटे से भी कम समय में लगभग एक मिलियन फॉलोअर्स कम हो गए। शुक्रवार को 37 वर्षीय सांसद के पास 14.6 मिलियन फॉलोअर्स थे, जो शनिवार 1 बजे तक घटकर 13.5 मिलियन रह गए।

राजनीतिक टिप्पणीकारों का कहना है कि युवा, खासकर जैन ज़ैड, चड्ढा के खिलाफ प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सवाल यह है कि क्या डेटा -संचालित सांसद इस डेटा को समझकर अपनी स्थिति सुधार पाएंगे।

चड्ढा ने युवाओं के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई थी, क्योंकि उन्होंने लगातार उन मुद्दों को उठाया, जिनमें से अधिकांश राजनैतिक चर्चाओं का हिस्सा नहीं बन पाते, जबकि वे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को सर्वाधिक प्रभावित करते थे, जैसे पितृत्व अवकाश, ट्रैफिक संकट, टेलीकॉम कंपनियों की दैनिक डेटा लिमिट, और ''सॉफ्ट मुद्दे'', जैसे एयरपोर्ट पर महंगे समोसे और गिग वर्कर्स का 10 मिनट डिलीवरी मॉडल के माध्यम से शोषण। उन्होंने एक दिन के लिए ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर के रूप में काम किया, ताकि गिग वर्कर्स की चुनौतियों को समझ सकें।

इसके परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार ने डिलीवरी कंपनियों को 10 मिनट में डिलीवरी की अनिवार्य समय सीमा हटाने का आदेश दिया। इन प्रयासों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार दिन में 1.24 लाख लोगों ने केदारनाथ के दर्शन किये

रुद्रप्रयाग, 25 अप्रैल। केदारनाथ धाम में इस वर्ष यात्रा की शुरुआत के साथ ही अभूतपूर्व श्रद्धालु संख्या दर्ज की जा रही है। मात्र चार दिनों में ही

- जिला प्रशासन पूरी यात्रा की निगरानी कंट्रोल रुम के माध्यम से कर रहा है।

1,24,782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो देशभर में धार्मिक आस्था के बढ़ ते रुझान को दर्शाता है। बाबा केदार के 22 अप्रैल से कपाट खुले हैं।

जिला प्रशासन ने यात्रा को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। हेलिपैड, ट्रैक मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस व प्रशासनिक बल तैनात किया गया है। पूरी यात्रा की निगरानी कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही है, जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के मुख्य न्यायाधीश व मुख्यमंत्री ने ''द बैंच बियॉन्ड रिटायरमैंट'' सेमीनार को संबोधित किया

दोनों ने रिटायर्ड न्यायाधीशों की विद्वता व अनुभव के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया

- सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह हैं, जिससे युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ नया सीखना चाहिए।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायाधीश केवल मुकदमा नहीं सुनते, बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरुरत होती है।

जयपुर, 25अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज में एक बावड़ी की तरह कार्य करते हैं, जो समय आने पर अपने अनुभव से किसी भी समस्या का सही समाधान बता सकते हैं। इसी कड़ी में, सेवानिवृत्त न्यायाधीश लोक अदालत में मध्यस्थता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश हमेशा न्यायाधीश होता है और सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए।

जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज़ एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ''द बैंच बियोन्ड रिटायरमेंट : वैकल्पिक विवाद समाधान'' के संवर्धन और आम जनता में कानून के प्रति जागरूकता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा कोर्ट में वाद से पहले लोक अदालत का रुख करने की अपील की प्रशंसा करते हुए कहा कि मध्यस्थता किसी भी विवाद का त्वरित समाधान दिला सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज न्यायाधीशों द्वारा कहे गए शब्दों का अनुसरण करता है और इसी से सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने आमजन से कोर्ट में वाद से पहले एक बार मध्यस्थता केन्द्र या लोक अदालत जाने की अपील की। साथ ही, युवाओं से आह्वान किया कि अनुभवी लोगों से प्राप्त अनुभव का समाज एवं राष्ट्र हित में उपयोग करें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कहा कि न्यायाधीश केवल मुकदमे ही नहीं सुनते हैं, बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी न्यायाधीशों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव, विद्वत्ता और न्याय-दृष्टि देश की अमूल्य धरोहर हैं, जिनसे विधिक जागरूकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में केसीआर की बेटी ने नई पार्टी बनाई

- पूर्व मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव की पुत्री कविता का लंबे समय से पार्टी नेतृत्व से मतभेद चल रहा था।

हैदराबाद, 25 अप्रैल। प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी। इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था। आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

विशाल गौ सम्मान अभियान कल

निवाई। गौ संरक्षण के लिए सरकार को प्रार्थना पत्र सौंपने के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत राधा दामोदर जी कुंडों पर 27 अप्रैल को सुबह 8 बजे विशाल गौ सम्मान अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। गौभक्तों ने बताया कि गौ सम्मान आ ान अभियान का उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाना, भारत में पूर्ण रूप से गौ हत्या बंद करवाना व एक सशक्त गौ रक्षा कानून या आयोग का गठन करवाना है। इसको लेकर सुबह 10 बजे विशाल रैली निकाली जाएगी। रैली जो राधा दामोदर जी कुंडों से रवाना होते हुए मुख्य बाजार से अहिंसा सर्किल पहुंचेगी।

लुहारा में सीसी रोड का निर्माण

निवाई। ग्राम पंचायत लुहारा के राजपूत दरवाजा चौक में सीसी रोड़ का निर्माण होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि राजपूत समाज विगत 50 वर्षो से सीसी रोड़ के निर्माण कार्य की मांग कर रहे थे। लुहारा प्रशासक बिन्दू कंवर ने ग्रमीणों व राजपूत समाज के लोगों के साथ उक्त समस्या को लेकर कई बार उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था। लेकिन सीसी रोड़ का निर्माण कार्य नहीं हो सका। जिस पर प्रशासक बिन्दू कंवर ने ग्रामीणों की उक्त मांग को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखा एवं ग्राम पंचायत में सर्वसम्मति से कोरम में प्रस्ताव लेकर सरकार से प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति ली और दरवाजा चौक पर सीसी रोड निर्माण कार्य पूर्ण करवाया। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणें ने प्रशासक बिन्दू कंवर का आभार जताया।

मूर्ति स्थापना का आयोजन आज

शाहपुरा। अमरपुरा स्थित राजश्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग में रविवार को सरस्वती माता मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज के निदेशक दिलीप पारीक व अध्यक्ष सूरजमल जाट ने बताया कि कार्यक्रम के तहत प्रात: 08:15 बजे मूर्ति पूजा एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। इसके पश्चात प्रात: 09:15 बजे रामायण पाठ का आयोजन होगा, जिसमें भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 27 अप्रैल 2026 (सोमवार) को दोपहर 12:15 बजे प्रीतिभोज का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है।

किसान महापंचायत की बैठक कल

निवाई। किसान जल यात्रा को लेकर सोमवार को सुबह 11 बजे कृषि उपज मंडी के भगवान लक्ष्मी नारायण जी के मंदिर में ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह पलेई की अध्यक्षता में किसान महापंचायत की तहसील स्तरीय बैठक आयोजित होगी। जिसमें जल यात्रा को लेकर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। ब्लॉक उपाध्यक्ष शंकरलाल मीणा ने बताया कि ईसरदा बांध का पानी नहरों द्वारा सिंचाई के लिए निवाई क्षेत्र को मिले। इस मांग को लेकर जल यात्रा निकाली जाएगी। जिसके लिए गांवों-गांवों में किसानों को पीले चांवल वितरित करके आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में स्टीकर, बैनर, होल्डिंग, रूट चार्ट, सदस्यता अभियान, रात्रि विश्राम, चैपाल व प्रचार प्रसार आदि की जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। बैठक में सभी ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी भाग लेंगे।

आप नेताओं का भाजपा पर हमला

भरतपुर। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों को प्रलोभन देकर भाजपा में शामिल करके भाजपा ने विपक्ष को कमजोर करने का काम किया है। भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने में लगी हुई है। भाजपा एजेन्सियों के जरिये भी विपक्ष को कमजोर कर रही है जोकि निन्दनीय है। राघव चड्ढा व अन्य सांसदों को आम आदमी पार्टी ने बहुत कुछ दिया लेकिन उन्होंने निजी स्वार्थ सिद्धि के लिए पार्टी से गद्दारी की है जोकि इनके स्तर को उजागर करती है।

भजनों की प्रस्तुति दी

शाहपुरा । ग्राम कुकडेला बोलवाडी में स्थित काली माता मंदिर में सत्संग भजन प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें जिसमें नवरंग म्युजिक एण्ड फिल्म्स से लेखक व गायक लालचंद नवरंग ने काली मां और जीण माता की तत्काल महिमा गाकर सम्पूर्ण रात्रि श्रोताओं को जमकर नचाया एवं तालियां बटोरी।

'पशुओं को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना हमारा लक्ष्य'

जयपुर। राजुवास (जोबनेर) जयपुर द्वारा स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जयपुर में शनिवार को विश्व पशुचिकित्सा दिवस-2026 का आयोजन किया गया। संस्थान के अधिष्ठाता एवं फेकल्टी चेयरमेन प्रो. (डॉ.) धर्म सिंह मीना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व विश्व पशुचिकित्सा दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जोराराम कुमावत, केबिनेट मंत्री, पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार ने इस अवसर पर सभी को विश्व पशुचिकित्सा दिवस की बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित करते हुए कहा कि आज का दिन पशुचिकित्सकों के योगदान को याद करने का दिन है। विश्व पशुचिकित्सा दिवस मनाने का उद्देश्य सभी को जागरुक व पशुधन के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं संरक्षण के बारे में सोचना है। उन्होंने कहा कि हमें पशुचिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार करके पशुपालन एवं पशुओं की चिकित्सा बेहतर करना है। पशुओं को बीमारियों से बचा कर हम अपने आप को भी स्वस्थ रख सकते है।

उन्होनें बताया की पशु टीकाकरण कार्यक्रम भी प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है जिससे पशुओं में होने वाली बीमारियों की रोकथाम की जा सके। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) त्रिभुवन शर्मा, कुलपति रूवास (जोबनेर) जयपुर ने सभी को पशुचिकित्सा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था व पोषण सुरक्षा में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है। पशुपालन विभाग के निदेषक डॉ. सुरेश चन्द मीना ने कहा कि पशुचिकित्सक न सिर्फ पशुओं का ईलाज करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण आदि में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) धर्म सिंह मीना ने अपने उदबोधन में पशुचिकित्सा के इतिहास व वर्तमान स्थिति के बारे में अपने विचार रखे।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गाय को तिलक लगाकर पूजा की।

■ जयपुर में विश्व पशुचिकित्सा दिवस-2026 का आयोजन किया

1620 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

फुलेरा। जयपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एंटी वेनम अभियान के तहत फुलेरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ सफलता हासिल की है। पुलिस ने कुल 1620 ग्राम अवैध गीली अफीम के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद के निर्देशन में जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 24 अप्रैल की रात को फुलेरा क्षेत्र में गश्त के दौरान गांधी चौक पर दो संदिग्ध युवकों को रोका गया। पूछताछ में शक होने पर उनकी तलाशी लेने पर एक आरोपी के पास से 883 ग्राम तथा दूसरे के पास से 737 ग्राम अवैध गीली अफीम बरामद हुई। इस प्रकार कुल 1620 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया।

शिविर में धार्मिक प्रशिक्षण देने वाले विद्वानों सम्मानित

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज तत्वावधान में आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज संघ के सानिध्य में जिला स्तरीय श्रमण संस्कृति शिविर का समारोह पूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में पंडित सुरेश के शास्त्री के नेतृत्व में शिविर में धार्मिक प्रशिक्षण देने वाले करीब 40 विद्वानों का दुपट्टा व स्मृति-चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं धार्मिक मीडिया प्रभारी हितेश छाबड़ा ने बताया कि सात दिवसीय शिविर में करीब 40 विद्वान पंड़ितों द्वारा बच्चों को बाल बोध भाग, द्रव्य संग्रह, मोक्ष शास्त्र, छहढाला, भक्ताम्बर पाठ की शिक्षा दी गई। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में प्रात:काल शान्ति नाथ भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा की गई । प्रवक्ता विमल जौला ने बताया कि जैन नसियां मंदिर में आचार्य बाहुबली महाराज की शिष्या गणिनी आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। मुनि उत्कृष्ट नन्दी एवं मुनि नाभिनन्दी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए बताया कि जैन धर्म में दान का महत्वपूर्ण और पुण्यदायक कार्य माना गया है। यह केवल वस्तु देने का कार्य नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा और त्याग की भावना का प्रतीक है।

धर्म सभा में महावीरप्रसाद पराणा, महेंद्र चंवरिया, सुशील आरामशीन, दिनेश गिंदोडीं, रामपाल चंवरिया, विमल झिलाय, बंटी बड़ागांव, चेतन शिवाड़, विष्णु बोहरा, ओमप्रकाश चंवरिया, सुशील जैन, गोपाल कठमाणा, हुकमचंद जैन, धनराज चंवरिया, सुरेश भाणजा, धर्मचंद नेहरू, दिनेश चंवरिया, नवरत्न टोंग्या, मुकेश बनेठा, गोपाल कठमाणा, सुभाष चंवरिया व विमल भाणजा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे। इसके बाद आचार्यश्री की आहारचर्या सम्पन्न हुई। दोपहर के बाद आचार्य इंद्रनंदी महाराज संघ का श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर से महावीर जी के लिए विहार हुआ।

जिला स्तरीय श्रमण संस्कृति शिविर का समारोह पूर्वक समापन हुआ।

■ 'संसार में जो कुछ भी हमारे पास है, वह स्थायी नहीं है'

'भाजपा के लिए नारी शक्ति राष्ट्र निर्माता तो विपक्ष के लिए केवल वोट बैंक'

अलवर। भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर दक्षिण द्वारा अंबेडकर नगर स्थित जिला कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता का मुख्य विषय केंद्र सरकार द्वारा पारित ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम और कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्षी गठबंधन द्वारा इसके विरोध में अपनाए गए नकारात्मक रुख पर प्रहार करना रहा।

प्रेस वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक अनिता गुर्जर उपस्थित रही । अनीता गुर्जर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने के लिए जो क्रांतिकारी कदम उठाया गया है जो देश की आधी आबादी के लिए एक बड़ा उपहार है कांग्रेस और उसके सहयोगी दल उसे पचा नहीं पा रहे हैं। अनिता गुर्जर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि सदियों से वंचित रही मातृशक्ति को उनका संवैधानिक अधिकार एवं सम्मान देने की दिशा मे संकल्प है। कांग्रेस ने दशकों तक इस बिल को लटकाए रखा और अब जब यह वास्तविकता बन गया है, तो वे अनर्गल बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं।

अनिता गुर्जर ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल केवल वोटों की राजनीति के लिए महिला सशक्तिकरण का ढोंग करते हैं। संसद में इस बिल के पारित होने के समय और उसके बाद विपक्ष द्वारा किया गया विरोध उनकी महिला विरोधी सोच को उजागर करता है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता, प्रदेश प्रशिक्षण सहसंयोजक रुबिया उपाध्याय जिला सयोजक मीना सैनी, सह सयोजक शीला जांगिड़, सुमन चौधरी, अंजू शर्मा, प्रीति शर्मा, रिंकी वर्मा,शकुंतला सोनी, लक्ष्मी कवर,मधु आर्य, वर्षा सक्सैना, सुनील यादव,लक्ष्मी जाटव, पूनमगुर्जर उपस्थित रहे यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

जिला कार्यालय पर प्रेस वार्ता का आयोजन किया।

■ अनिता गुर्जर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि सदियों से वंचित रही मातृशक्ति को उनका संवैधानिक अधिकार एवं सम्मान देने की दिशा मे संकल्प है

पावटा के गोपाल भैया मंदिर में 108 चौकी सुंदरकांड पाठ संपन्न

पावटा। कस्बे के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य में चल रही संगीतमयी रामकथा के पांचवे दिन घाटीधाम से आये कथावाचक बाबूराम महाराज ने राक्षसों का संहार (ताड़का वध) और प्रभु श्री राम के विवाह (सीता स्वयंवर) के प्रसंगों का वर्णन किया व कहा कि यह दिन भक्ति और उत्सव का अद्भुत संगम होता है। भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह की मनोहारी कथा का वर्णन सुनाकर श्रद्धालुओ को भाव-विभोर कर दिया।

कथा स्थल पर जय श्रीराम के उद्घोष, भजनों और तालियों की गूंज से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बन गया। नौ दिवसीय श्री राम कथा के पंचम दिन श्रोतागण श्री सीताराम विवाह महोत्सव के साक्षी बने। कथावाचक बाबूराम महाराज ने राम विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण, रोचक एवं प्रेरक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ऋषि विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण वन में जाते हैं। वहाँ भयानक राक्षसी ताड़का का सामना होता है, जिसका वध करके राम उसे शाप से मुक्ति दिलाते हैं। वही ताड़का के वध के बाद, यज्ञ में बाधा डालने वाले उसके पुत्र सुबाहु को राम मार देते हैं और मारीच को बाण से मारकर समुद्र के पार फेंक देते हैं, जिससे ऋषियों का आश्रम निर्भय हो जाता है। वही कथा के अगले चरण में, प्रभु राम का जनकपुरी आगमन और सीता स्वयंवर का वर्णन किया। राम जी के द्वारा शिव धनुष तोड़ने पर माता सीता उन्हें वरमाला पहनाती हैं।राम-सीता विवाह के प्रसंग में पंडाल में जयकारों, भजनों और झांकियों के साथ उत्सव मनाया जाता है। कथावाचक बाबूराम महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि मर्यादा, त्याग, प्रेम एवं आदर्श जीवन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है।

राम द्वारा शिव धनुष भंग किये जाने का प्रसंग सुनते ही पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ प्रभु श्री राम की महिमा का गुणगान किया। कथा के दौरान प्रस्तुत भजनों पर महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते नजर आये। पूरा पंडाल भक्तिरस से सराबोर हो गया। अपने प्रवचन में कथावाचक बाबूराम महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में राम विवाह से आपसी सम्मान, पारिवारिक मूल्यों एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से भगवान श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आव्हान किया।

शादी की 50 वीं वर्षगांठ पर रामहेत यादव देंगे क्षेत्र को सोलर प्लांट की सौगात

किशनगढ़ बास। किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक व भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रामहेत सिंह यादव अपनी शादी की 50 वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर वे 26 अप्रैल को बानसूर क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सोलर प्लांट का शुभारंभ करेंगे।

"राम शारदा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड" के नाम से स्थापित इस सोलर प्लांट का उद्घाटन हाजीपुर, बानसूर में सुबह 10 बजे किया जाएगा। पूर्व विधायक रामहेत यादव ने बताया कि स्वर्ण जयंती वर्षगांठ को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए यह पहल की गई है। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सभी क्षेत्रवासियों को आमंत्रित किया गया है।

प्लांट से उत्पादित बिजली को राज्य ग्रिड में जोड़ा जाएगा, जिससे बानसूर, किशनगढ़ बास और आसपास के गांवों को निर्बाध बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोलर प्लांट शुरू होने से बिजली संकट से राहत मिलेगी।

किशनगढ़ बास को जिला मुख्यालय बनाने की मांग

किशनगढ़ बास। संयुक्त व्यापार महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश से शिष्टाचार भेंट की। पदाधिकारियों ने खैरथल-तिजारा जिले का पदभार संभालने पर कलेक्टर को बधाई देते हुए माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर महासंघ ने कलेक्टर को शहर में व्याप्त अतिक्रमण, जलभराव और सफाई व्यवस्था की समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र निदान कराने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने किशनगढ़ बास के ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्रशासनिक महत्व का हवाला देते हुए इसे जिला मुख्यालय बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा।

अध्यक्ष परमानंद लखयाणी ने कहा कि किशनगढ़ बास अलवर-तिजारा-खैरथल के मध्य में स्थित है और पुराने समय से ही न्यायिक व प्रशासनिक केंद्र रहा है। मुख्यालय बनने से पूरे क्षेत्र की जनता को सुविधा होगी। साथ ही बाजार क्षेत्र में नालों पर अतिक्रमण, बरसात में जलभराव और नियमित सफाई न होने से व्यापार प्रभावित होता है।

कलेक्टर अतुल प्रकाश ने प्रतिनिधिमंडल को समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया और कहा कि जनहित के मुद्दों पर प्राथमिकता से काम किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने और सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा।

इस दौरान किराना मंडल अध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल, लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना, टेलर संगठन अध्यक्ष प्रभु दयाल, बिल्डिंग मटेरियल एसोसिएशन अध्यक्ष संतोष अग्रवाल सहित व्यापारी मौजूद रहे।

व्यापार महासंघ के पदाधिकारी ने कलेक्टर अतुल प्रकाश शिष्टाचार भेंट कर सम्मान किया।

शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

पावटा। कस्बे के प्रसिद्ध बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले रुद्र महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर परिसर में पंडाल, मंडप, साफ-सफाई, रंग-रोगन और विद्युत व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन को भव्य बनाने के लिए समिति द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन महंत जयरामदास महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। शिव महापुराण कथा का वाचन प्रख्यात कथावाचक डॉ. राम महाराज पाठक द्वारा किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत 2 मई 2026 को सुबह 9 बजे केशव सागर धर्मशाला से बाबा भूतनाथ मंदिर तक निकाली जाने वाली विशाल कलश यात्रा से होगी। इस दौरान संत-महात्माओं, गणमान्य नागरिकों और सैकड़ों महिलाओं की सहभागिता रहेगी। महिलाओं के लिए 100 रूपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से पंजीयन शुरू कर दिया गया है। कलश यात्रा के साथ ही दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। 3 मई 2026 से यज्ञाचार्य पंडित द्वारकेश मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक यज्ञ में आहुतियां दी जाएंगी।

सार-समाचार

छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर की अध्यक्षता में साइबर सुरक्षा व साइबर अपराध के प्रति छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वार्ता विशेषज्ञ साइबर पुलिस थाना टोंक के अनिल कुमार चौधरी एवं इंद्र कुमार ताखर ने साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में इंटरनेट का उपयोग करना जितना आसान है, उतनी ही सावधानी बरतने की भी आवश्यकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलिंग व सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा नहीं करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य गुर्जर ने आज के समय में तकनीक का ज्ञान होना जितना आवश्यक है, उसकी सुरक्षा के प्रति सजग रहना भी उतना ही जरूरी है। विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा का ज्ञान उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विद्यार्थियों व शिक्षकों का आ ान किया कि शिविर में दी गई जानकारियों को अपने परिवार और आस-पडोस के लोगों तक भी पहुँचाएं, ताकि समाज को साइबर अपराधों से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया व बैंकिंग खातों के लिए जटिल पासवर्ड का उपयोग करें, साइबर धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जायजा लिया

टोंक। आगामी 27 अप्रेल सोमवार को टोक में आ रहे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के दौरे को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर सभा स्थल, हेलीपेड आदि व्यवस्थाओं को लेकर दिशा निर्देश दिए। प्रभारी नागर ने बताया कि वह जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे तथा बाद में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन भी आयोजित होगा। केंद्रीय बीजेपी टीम से राजस्थान बीजेपी प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने टोंक के दौरे किए हैं तथा प्रदेशाध्यक्ष मदन लाल राठौड़ भी इसकी तैयारी में जुटे हैं। इस कड़ी में प्रदेश महामंत्री मिथलेश गौतम भी पीछे नहीं है, वे भी तीन चार दिन से लगे हुए है, रोजाना पदाधिकारियों से संपर्क में है। व्यवस्थाओं को अमली जामा पहना रहे है, इनके अलावा जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी भी पीछे नहीं है। स्थानीय नेतृत्व में जहां जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान तो अन्य नेताओं में पूर्व टोंक विधायक अजित सिंह मेहता, राजेंद्र पराना, नरेश बंसल, लक्ष्मी जैन आदि नेता घर घर पहुंचकर पीले चावल बांट रहे है। जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने शुक्रवार को कार्यकर्ता सम्मेलन व हेलीपैड स्थल का अवलोकन किया, इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, उन्होंने कार्यकर्ताओं को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नागर ने कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को कलेक्टर, एसपी समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक लेकर से बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष के दौरे को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

भीषण गर्मी को लेकर विद्यालय समय बदलने की मांग

फुलेरा। प्रदेश में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालयों के समय में परिवर्तन की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में फुलेरा के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शक्ति सिंह ने राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पत्र भेजकर स्कूलों का समय सुबह करने की मांग उठाई है। ज्ञापन में बताया गया कि पूरे राजस्थान में इन दिनों तेज गर्मी का असर देखने को मिल रहा है और आगामी दिनों में तापमान और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसे में विद्यालय जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा व स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भीषण गर्मी के चलते बच्चों में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। दोपहर के समय तेज धूप में विद्यालय आना-जाना बच्चों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। सामाजिक कार्यकर्ता शक्ति सिंह ने शिक्षा मंत्री से मांग की है कि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के विद्यालयों का समय प्रात: 7 बजे से 11 बजे तक निर्धारित किया जाए, ताकि बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके। इस मांग को लेकर अभिभावकों और आमजन में भी समर्थन देखने को मिल रहा है।

कल गूंजेगी ''गौ सम्मान'' की आवाज

टोंक। शहर में 27 अप्रैल सोमवार को ''गो सम्मान आह्वान अभियान'' के अंतर्गत एक व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है, जो सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि यह रैली गांधी खेल मैदान से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार मार्गों से गुजरते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचेगी, जहां गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस आयोजन को लेकर पूरे शहर में विशेष उत्साह और ऊर्जा का माहौल है, विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इस रैली में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। रैली के दौरान गौ संरक्षण, संवर्धन और भारतीय संस्कृति में गौ माता के महत्व को लेकर जागरूकता संदेश दिए जाएंगे। 27 अप्रैल को ''गौ सम्मान दिवस'' के रूप में मनाते हुए समाज के सभी वर्गों से इस आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

ऑनलाइन ठगी कर खाते से 1.73 लाख रुपए उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर । थाना सेवर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी छगनलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़ित के खाते से 1 लाख 73 हजार 746 रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए निकाल लिए थे। पुलिस के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गांव चितोकरी थाना सेवर निवासी अमरसिंह पुत्र तुलाराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैंक खाते से 1,73,746 रुपए निकाल लिए। इस पर थाना सेवर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थानाधिकारी सतीश शर्मा के नेतृत्व में जांच के दौरान आरोपी छगनलाल पुत्र ओटाराम माली (35) निवासी जालौर, हाल निवासी मैसूर कर्नाटक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

2 दिवसीय शिविर आज से

मनोहरपूर। **कमला बेनीवाल की पुण्यतिथि पर कमला बेनीवाल ट्रस्ट और** श्री महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अग्रवाल समाज समिति शाहपुरा एवं श्याम मित्र मंडल के सहयोग से दिव्यांगजन चिन्हीकरण हेतु 2 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पंचायत समिति शाहपुरा के सदस्य मेम्बर ओ पी हरितवाल ने बताया कि शिविर दिनांक 26 व 27 को प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक अग्रवाल धर्मशाला, पुलिस थाने के पीछे, शाहपुरा में आयोजित होगा।

सोलर प्लांट के नाम पर लाखों रु. ठगने वाला बदमाश गिरफ्तार

आरोपी 3 साल से फरार था, गिरफ्तारी से बचने के लिए जोधपुर में छिपा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पुलिस थाना बस्सी ने सोलर प्लांट लगाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल शर्मा उर्फ शंकर (35) पिछले करीब तीन वर्षों से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 1 जून 2023 को ज्ञान विहार महाविद्यालय के निदेशक शिव कुमार पंचौली ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी संस्था में सोलर प्लांट लगाने के लिए 'धूप ऊर्जा' कंपनी के संचालक राहुल शर्मा से 5 लाख रुपए का अनुबंध किया था। आरोपी ने एडवांस के रूप में 4 लाख रुपए ऑनलाइन ले लिए, लेकिन तय समय सीमा 20 जून 2023 तक न तो प्लांट लगाया और न ही राशि लौटाई।

आरोपी राहुल शर्मा उर्फ शंकर

- पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने वर्ष 2022 में 8 से 10 स्थानों पर सोलर प्लांट लगाने के नाम पर एग्रीमेंट कर लोगों से लाखों रुपए की अग्रिम राशि ठगी थी।
- आरोपी के खिलाफ जयपुर के आदर्श नगर, बस्सी और मालवीय नगर पुलिस थानों में भी मामले दर्ज

इसी क्रम में थानाधिकारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता, सीडीआर विश्लेषण और लोकेशन ट्रेसिंग के आधार पर आरोपी को अलवर से दबोच लिया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने वर्ष 2022 में 8 से 10 स्थानों पर सोलर प्लांट लगाने के नाम पर एग्रीमेंट कर लोगों से लाखों रुपए की अग्रिम राशि ठगी थी।

आरोपी के खिलाफ जयपुर के आदर्श नगर, मालवीय नगर और बस्सी थानों में भी मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह जयपुर छोड़कर जोधपुर में छिपकर रह रहा था। आरोपी मूल रूप से गुर्जर की थड़ी, महेश नगर का निवासी है। उसके खिलाफ मालवीय नगर थाने में भी धोखाधड़ी का मामला दर्ज है।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक तोताराम, कांस्टेबल राजेंद्र कुमार और रामराज की विशेष भूमिका रही। फिलहाल पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

वैशाली नगर में ओवरस्पीड कार की टक्कर से तीन वाहन क्षतिग्रस्त

जयपुर। वैशाली नगर क्षेत्र में शनिवार दोपहर ओवरस्पीड कार ने सड़क पर कहर बरपाते हुए तीन कारों को टक्कर मार दी। तेज रफ्तार कार एक वाहन को करीब 15 फीट तक घसीटते हुए ले गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना दोपहर करीब 2:45 बजे वैशाली नगर थाने से कुछ दूरी पर हुई। तेज गति से आ रही कार ने सड़क किनारे खड़ी एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार को अपने साथ करीब 15 फीट तक घसीट लिया। इसके बाद अनियंत्रित वाहन ने दो अन्य कारों को भी टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कार के ब्रेक फेल होने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

होटल के रूफटॉप पर चल रहे हुक्का बार पर छापा

एम.आई. रोड स्थित होटल लेजर इन ग्राण्ड चाणक्य की तीसरी मंजिल पर संचालित था ''क्लब नाइट जार रिलोडेड''

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए शहर के पॉश इलाके एमआई रोड पर शनिवार को होटल की छत पर चल रहे अवैध हुक्का बार का पर्दाफाश किया। सीएसटी की टीम ने जालूपुरा थाना पुलिस के साथ मिलकर होटल ग्राण्ड चाणक्य की रूफटॉप पर संचालित 'क्लब नाइट जार रिलोडेड' में दबिश दी और मौके से भारी मात्रा में हुक्का सामग्री जब्त की।

डीसीपी (क्राइम) संजीव नैन के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि होटल लेजर इन ग्राण्ड चाणक्य की तीसरी मंजिल पर अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है। इस पर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन और विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में टीम गठित की और फिर टीम ने छापा मारकर नियमों की अवहेलना करते हुए हुक्का बार संचालित पाया। वहीं इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 17 हुक्के मय चिलम, 5 पाइप तथा विभिन्न फ्लेवर युक्त तंबाकू सामग्री बरामद की। वहीं हुक्का पीते हुए मिले 5 व्यक्तियों के खिलाफ कोटप्पा एक्ट के तहत चालान किए गए।

पुलिस ने बार मैनेजर ब्रिजेश निवासी चमोली (उत्तराखंड) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ जालूपुरा थाने में राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद (राजस्थान संशोधन) अधिनियम 2019 की धाराओं 4 व 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

मुहाना क्षेत्र के अपार्टमेंट में भीषण आग

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में स्थित एक अपार्टमेंट में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसकी लपटों ने पास के दो अन्य फ्लैट्स को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल की टीम ने तत्परता दिखाते हुए करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। थानाधिकारी गुरु भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मुहाना मंडी के पास स्थित 'घर आंगन' अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर दोपहर करीब 2:15 बजे एक फ्लैट में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के दो फ्लैट्स में भी फैल गई। धुआं पूरे अपार्टमेंट में भर गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पुलिस और दमकल कर्मियों ने तत्परता से रेस्क्यू अभियान चलाते हुए दूसरी से छठी मंजिल तक फंसे लोगों को बाहर निकाला। करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। रेस्क्यू के दौरान हेड कांस्टेबल कान सिंह ने बहादुरी दिखाते हुए सीढ़ियों में बेहोश पड़े एक युवक को कंधे पर उठाकर बाहर निकाला और उसे तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया।

तंबाकू से दूर रहें युवा : उपराष्ट्रपति

जयपुर (कासं)। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कैंसर के खिलाफ लडाई में जनजागरूकता को सबसे प्रभावी हथियार बताते हुए युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू से दूर रहने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर से जीतने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहना बेहद आवश्यक है और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में जागरूक किया जाना चाहिए। कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि बदलती जीवनशैली और पर्यावरणीय कारणों से कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में समय रहते रोकथाम और जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को भी कैंसर से बचाव का महत्वपूर्ण आधार बताया। उपराष्ट्रपति ने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कैंसर मरीजों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। गंभीर मरीजों के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी कैंसर रोकथाम और उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर को देश में तेजी से बढ़ती गंभीर समस्या बताते हुए वैक्सीनेशन और समय पर जांच जरूरी बताया।

15 समाजों के 47 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

नव दंपत्तियों को साधू-संतों ने दिया सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद

जयपुर। जानकी नवमी के अबूझ सावे पर सेवा भारती समिति, जयपुर का 15वां श्रीराम-जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन अंबावाडी स्थित उच्च माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित किया गया। ब्राह्मण, कोली, नायक, राजपूत, वाल्मीकि, रैगर, माली, जाटव सहित 15 समाजों के 47 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। इनमें सात अंतरजातीय जोड़े भी शामिल थे।

सेवा भारती समिति की ओर से शनिवार को 15वां श्रीराम-जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया।

- नवदंपत्तियों को उपहार में दिया गृहस्थी का सामान

श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष विष्णु दत्त पुजारी के मार्गदर्शन में घर जैसे माहौल में सभी रीति रिवाज और लोकाचार से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन किया गया। समिति संयोजक नवल बगडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरधारी लाल, डॉ.ओमप्रकाश भारती, कोषाध्यक्ष हरिकृष्ण गोयल, मंत्री हनुमान सिंह भाटी, सेवा भारती की प्रांत अध्यक्ष सुमन बंसल, सेवा भारती के रामबाबू अग्रवाल, संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद एवं एसपी शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रारंभ में पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पीतांबरा पीठ के पं. सत्यनारायण शर्मा और पं. प्यारे मोहन शर्मा के आचार्यत्व में 61 पंडितों ने मंडप पूजन और थाम पूजन के बाद वैदिक विधि विधान से पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। हर वर-वधु के लिए अलग-अलग वेदी बनाई गई। विदाई समारोह के दौरान दुल्हनों के साथ माता-पिता की पलके भीग गई। इससे पूर्व ढहर के बालाजी स्थित सियारामदास बाबा की बगीची से गाजेबाजे के साथ बारात रवाना हुई। अलग-अलग घोड़ी पर सजे-धजे दूल्हे राजा के समक्ष बाराती नाचते हुए स्थल पहुंचे। यहां बारातियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बारात पहुंचने के बाद तोरण और वरमाला की रस्म हुई। लोगों ने वर-वधु पर पुष्प वर्षा की।

त्रिवेणी धाम के रामरिछपालदास महाराज, सालासर बालाजी धाम के विष्णु दत्त पुजारी, महंत हरिशंकर दास वेदांती महाराज, गायत्री परिवार के मनु महाराज, महंत चमन गिरी महाराज, महामंडलेश्वर मनोहरदास महाराज, अकिंचन महाराज, महामंडलेश्वर राम बालक दास महाराज, धन्ना पीठाधीश्वर बजरंग देवाचार्य महाराज सहित अन्य संतों-महंतों ने वर-वधु को सुखद दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिव लहरी, विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भी नव दम्पति को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भी नव दम्पति को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। आर्थिक अभावों से जूझ रहे जरुरतमंद परिवारों के युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह कराने के लिए अभिभावकों ने मुक्त कंठ से सेवा भारती के प्रयासों की सराहना की। लगभग 500 कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं को निभाया। अब तक जयपुर सहित पूरे राजस्थान में 33 स्थानों पर 2691 जोड़ों का विवाह सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है।

नवविवाहित जोड़ों को पायजेब, बिछिया, नाक का कांटा, कानों की बाली, मंगलसूत्र, डबल बेड, बिस्तर, चौकी, एक दर्जन से अधिक बर्तन, पंखा, सिलाई मशीन, प्रेस, घड़ी, दुल्हन का बेस, श्रृंगार का सामान, साडिय़ां, कूलर, आलमारी, धार्मिक साहित्य सहित अन्य उपहार प्रदान किए गए। विवाह प्रमाण पत्र मौके पर ही वितरित किए। सम्मेलन में नवदंपत्तियों समेत सभी लोगों को भोजन झूठा नहीं छोड़ने और भ्रूण हत्या नहीं करने जैसे संकल्प दिलाए गए।

मुख्यमंत्री ने की राज्यपाल से मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल बागडे और मुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया।

लिव-इन पार्टनर पर प्रेमिका ने किया चाकू से हमला

- इस हमले में युवक के पेट और सीने पर गंभीर चोटें आई, उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
- घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

जयपुर (कासं)। खोराबीसल थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक पर उसकी प्रेमिका द्वारा चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। इस हमले में युवक के पेट और सीने पर गंभीर चोटें आई हैं। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल के अनुसार खोराबीसल निवासी 40 वर्षीय युवक ने पर्चा बयान में बताया कि वह एक निजी कंपनी में कार्यरत है और करीब पांच वर्ष पूर्व उसकी एक युवती से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच प्रेम संबंध बने और वे आपसी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे।

पीडित के अनुसार 18 अप्रैल की रात वह अपने कमरे में सो रहा था। तभी उसकी प्रेमिका ने अचानक चाकू से उस पर हमला कर दिया। युवक के पेट और सीने पर कई वार किए गए। घायल अवस्था में उसने परिचित की मदद से निजी अस्पताल पहुंचकर उपचार लिया, जहां पुलिस को दिए बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

वहीं दूसरी ओर युवती ने भी खोराबीसल थाने में युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। युवती का आरोप है कि युवक शराब के नशे में आए दिन उसके साथ मारपीट करता था और उसे लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा था। इसी से आक्रोशित होकर उसने हमला किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

लोकार्पण आज

जयपुर। माधव सिंह पालावत शोध प्रतिष्ठान, हरमाड़ा की ओर से रविवार को 4 पुस्तकों का लोकार्पण समारोह जवाहर कला केंद्र में प्रात: 11 बजे शुरू होगा। समारोह में माधव सिंह पालावत की पुस्तक 'आवड कथा अनन्त' तथा 'बरवडी अन्नपूर्णा एवं शीशोपहारी बारू', डॉ. शेफालिका पालावत की 'बारहठ ईसरदास : हरिरस एवं गुण निंदा स्तुति' और डॉ. सीमंतिनी पालावत की भारतीय भाषाओं का नारी रचित प्रथम महाकाव्य 'मेहाई करणी' का लोकार्पण होगा।

सार-समाचार

एडवोकेट डॉ. रंजनी बाला शर्मा सम्मानित

जयपुर। भगवान परशुराम पखवाड़े में राजस्थान ब्राह्मण महासभा के विद्याधर नगर मुख्यालय की ओर से आयोजित समारोह में कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ एडवोकेट डॉ. रंजनी बाला शर्मा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व भगवान परशुराम की हाथी-घोड़ों के लवाजमे से सजी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, बालमुकांदाचार्य और प्रशांत शर्मा ने शिरकत की। कार्यवाहक अध्यक्ष दीक्षांत शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रमुख महामंत्री,उपस्थित बंधुजन एवं मातृ शक्ति ने मंत्रोच्चार के साथ महाआरती की।

तालकटोरा स्टेडियम में स्यात योग सम्मेलन

जयपुर। श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट (स्यात) द्वारा और 'अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव' की सहभागिता से तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित स्यात योग सम्मेलन उत्साह, ऊर्जा और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्वामी अमित देव के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 2500 से अधिक लोग उपस्थिति रहे, जिसने इस सम्मेलन को एक बड़े जनआंदोलन का रूप दिया। एमआरवी समूह के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में का मुख्य विषय अपनी ऊर्जा को संतुलित करें, अपने जीवन को रूपांतरित करें रहा, जिसने योग के व्यापक स्वरूप को सामने रखा। इस अवसर पर स्वामी अमित देव ने कहा, योग मतलब जोड़ना है, और यही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैकृयोग, आयुर्वेद, वास्तु और ज्योतिष का संगम। उनके इस संदेश ने सम्मेलन की मूल भावना को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया।

सड़क, पानी-बिजली की समस्याएं सुनीं

जयपुर। जिला परिषद जयपुर की साधारण सभा की बैठक शनिवार को जिला प्रमुख रमादेवी चौपड़ा की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों की मरम्मत, आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए गए। वित्तीय विषयों पर विचार करते हुए वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत समितियों को आवंटित बजट एवं नवीन योजनाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में सदस्यों द्वारा पेयजल, सडकों एवं विद्युत से संबंधित विभिन्न जनसमस्याएं उठाई गईं, जिनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को 15 दिवस की समयसीमा निर्धारित की गई। बैठक के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला प्रमुख द्वारा सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

राज्य सरकार नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सामाजिक संगठनों के साथ कदम मिलाकर चलने को तैयार : राजेश यादव

रिटायर्ड आईएएस डॉ. भाणावत ने कहा कि ''नई शिक्षा नीति में अनेक उच्च आदर्शों और महान प्रतिमानों को निरुपित किया है, लेकिन इनका अवतरण यथार्थ धरातल पर होने तक हम सब की बड़ी जिम्मेदारी बनी रहेगी''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने कहा कि ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्वयन के लिए अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां स्वैच्छिक संगठनों की सक्रिय भूमिका हो सकती है। सरकार इन क्षेत्रों में उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। राजेश यादव ने यह बात शनिवार को ''संधान'' द्वारा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति झालाना डूंगरी में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-चुनौतियां और अवसर विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्वैच्छिक संगठनों और सिविल सोसायटी के आमन्त्रित लगभग 110 पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वैच्छिक संस्थाओं से आग्रह किया कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों के भाषाई उन्नयन और गणितीय कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण निभाएं।

इससे पहले कार्यक्रम का आगाज करते हुए संधान के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजेन्द्र भाणावत ने अतिथियों का स्वागत किया। भाणावत ने कहा कि राजस्थान में सक्रिय और सकारात्मक काम करने वाली स्वैच्छिक संस्थाओं और सिविल सोसायटी के शिक्षा में योगदान की लम्बी परम्परा रही है। आज हम राजस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में उन सभी पक्षों पर बात करने के लिए जुटे हैं, जो चुनौतियों के साथ साथ अवसर के रूप में हमारे सामने उपस्थित हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन में सहभागिता निर्वासित करने के लिए मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास और अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा राजेश यादव का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। भाणावत ने सांकेतिक रूप से कहा कि नई शिक्षा नीति में अनेक उच्च आदर्शों और महान प्रतिमानों को निरुपित किया है, लेकिन जब तब इनका अवतरण यथार्थ के धरातल पर नहीं होता, तब तक हम सब की बड़ी जिम्मेदारी बनी रहेगी। उन्होंने कहा सरकार को नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार को अधिक बजट और अधिक स्वायत्तता देनी चाहिए।

''संधान'' द्वारा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति झालाना डूंगरी में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-चुनौतियां और अवसर'' विषय पर आयोजित कार्यशाला को अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश यादव ने संबोधित किया। इस मौके पर पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. राजेन्द्र भाणावत व अभिमन्यु सिंह भी मौजूद थे।

- रिटायर्ड आईएएस अभिमन्यु सिंह ने कहा कि ''सरकार को हर हाल में शिक्षा पर बजट का न्यूनतम 10 प्रतिशत तो निर्धारित करना ही चाहिए।'' उन्होंने शिक्षा संस्थाओं के समानांतर कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के खड़े होने और उसको सरकार की सहमति स्वीकृति मिलने पर चिंता जताई।

पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अभिमन्यु सिंह ने कहा कि भारत में सबसे पहले 1910 में सार्वजनिक शिक्षा का आव्हान गोपाल कृष्ण गोखले ने किया और विडम्बना देखिए हमें इसे समग्र और वैधानिक स्वरूप देने में पूरे 100 वर्ष लग गए तब, जाकर हमने शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया। उन्होंने महात्मा गांधी की 1937 की नई तालीम की मुहीम का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के आन्दोलन में भी शिक्षा एक प्रमुख बिन्दु बना रहा लेकिन हमने आजादी के 21 वर्षों बाद 1968 में जाकर शिक्षा को लेकर पहली बार व्यवस्थित और संस्थागत क़दम उठाए। जाहिर है हम लम्बे समय तक जो जैसा हमें विरासत में मिला उसी को चलाते रहे।

उन्होंने कहा यह अच्छा है कि नई शिक्षा नीति पर जागरूकता के लिए ऐसी पहल की गई है लेकिन यह अधिक उपयोगी तब होगी जब राजस्थान के हर गांव और शहर में इस पर मंथन हो और इसमें से मक्खन निकाला जाए।

इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद् और लेखक डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति में काफी लचीलापन है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने, परिवर्तन करने और स्किल डवलपमेंट के अवसर दिए हैं। उन्होंने इन्फ्रास्ट्रक्चर का अभाव, शिक्षकों और संसाधनों के लम्बे गैप की ओर इशारा करते हुए कहा कि भरपूर संसाधनों और वित्तीय अभावों के परिवेश में बड़ी से बड़ी आदर्शवादी और उम्मीदों भरी नीतियां भी भरभरा कर नष्ट हो जाती हैं। सरकार को हर हाल में शिक्षा पर बजट का न्यूनतम 10 प्रतिशत तो निर्धारित करना ही चाहिए। उन्होंने शिक्षा संस्थाओं के समानांतर कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के खड़े होने और उसको सरकार की सहमति स्वीकृति मिलने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा शिक्षा रोजगार मूलक होने से पहले अच्छा नागरिक बनाने पर फ़ोकस करे तभी राष्ट्र का उत्थान हो सकता है। बाद में तीन अन्य सत्रों में विभिन्न विषयों पर व्यापक विमर्श हुआ। कार्यशाला का व्यापक प्रतिवेदन राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

ARBiT it happens here...

World Pinhole Photography Day: Celebrating The Magic Of Simple Cameras

Observed on the last Sunday of April, World Pinhole Photography Day honours the art of capturing images using the simplest form of a camera, one without a lens. Photographers across the globe create and share images taken with handmade pinhole cameras, celebrating creativity, patience and experimentation. The day encourages people to slow down and rediscover photography's roots, where light, time and imagination shape every frame. By embracing this minimalist technique, enthusiasts celebrate the beauty of analogue processes and the timeless joy of storytelling through images.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
26 April 2026
A-B

#STRANGE

Peacocks and Snakes

The unexpected Predator-Prey Relationship of Peacocks with Cobras

Peacocks, with their dazzling, iridescent plumage and elegant courtship displays, are often admired as symbols of beauty, grace, and fertility. But behind their stunning feathers and regal appearance lies a surprising, and somewhat unexpected, side to these birds: their ability to prey on dangerous reptiles, including venomous cobras.

This fascinating and little-known behaviour showcases the peacock's adaptability and the complex dynamics of the natural world. Let's explore how peacocks interact with snakes, especially cobras, and what makes them such skilled and unlikely snake predators.

Peacocks

The Indian peacock (Pavo cristatus) is one of the most iconic birds in the world, known for its elaborate tail feathers that it fans out during courtship rituals. Native to the Indian subcontinent, peafowls are often found in forests, grasslands, and even urban areas. These birds are omnivorous, feeding on a wide range of foods such as seeds, fruits, insects, small animals, and even reptiles.

Peacocks Eating Snakes: A Predatory Side

Though primarily herbivorous and insectivorous, peacocks are known to exhibit a predatory streak, especially when it comes to small reptiles. The most remarkable aspect of this behaviour is that peacocks are capable of hunting and consuming venomous snakes, including the king cobra (Ophiophagus hannah), one of the deadliest snakes in the world.

How Peacocks Hunt Cobras

The encounter between a peacock and a snake, particularly a cobra, is a highly dramatic and dangerous affair. Here's how peacocks typically engage with snakes:

- **Vigilance and Observation:** Peacocks are incredibly alert and watchful birds. They are known for their sharp eyesight, which helps them detect danger from a distance. Their ability to spot movement in the undergrowth gives them the upper hand when tracking or avoiding potential threats, such as snakes. If a snake, especially a cobra, is nearby, the peacock may first cautiously observe it.
- **Aggressive Behaviour:** When faced with a snake, especially one that threatens its territory or young, a peacock will display aggressive behaviour. The peacock may approach the snake and, using its powerful legs, deliver swift kicks. Peacocks have strong, muscular legs, and their sharp claws are capable of inflicting serious damage to snakes.
- **Killing Strike:** Peacocks often deliver lethal blows to the head or body of the snake, using their sharp beaks and powerful legs to incapacitate the snake. They are agile enough to avoid the snake's strikes and, through careful maneuvering, can overpower the reptile. The key to the peacock's success is its ability to distract the snake with rapid movements, while positioning itself to strike.
- **Eating the Snake:** After the snake is subdued or killed, the peacock may begin to eat it, starting with the head or soft tissues. The bird will often devour the snake in pieces, swallowing it in large chunks. The peacock's digestive system can handle such an unusual diet, breaking down the venomous creature's tissue.

The peacock's ability to eat snakes, especially cobras, is one of nature's most fascinating predator-prey dynamics. While peacocks are primarily known for their beauty and grace, their impressive predatory skills highlight their adaptability in the wild. These birds have evolved to be more than just ornamental creatures; they are also skilled hunters, capable of overcoming some of the most dangerous animals in their environment.

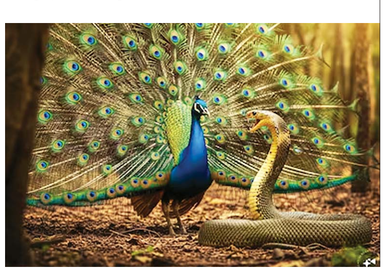

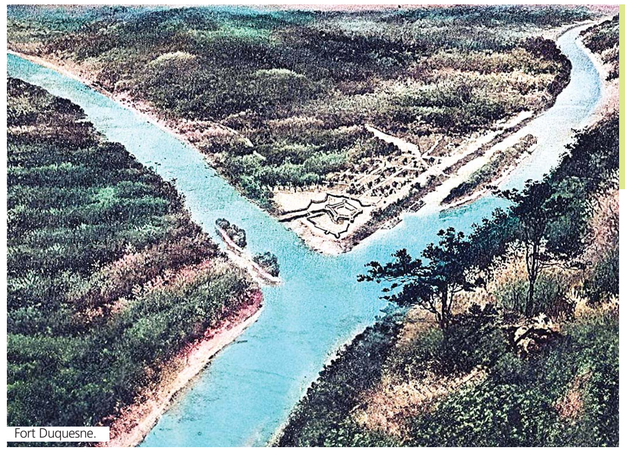

Fort Duquesne.

The Whitehall Evening Post in London reported that the relief unit began shooting "on seeing our people with Indians amongst them about the fire." The roar of musketry erupted once again as lead balls thudded into trees, rocks and human flesh. Washington quickly realized the mistake and began running between the two sides (presumably on foot), ordering his men to cease firing and knocking their muskets up with his sword. Officers began to restore order, a difficult task, as many soldiers were likely scattered among the trees rather than in dense ranks.

How Fort Duquesne Fell

PART:2

Fort Duquesne.

Verna Mohon

For the French, the friendly fire incident was a turning point in the struggle for the Ohio Valley. The commanding officer at Fort Duquesne, Captain François-Marie Le Marchand de Lignery, had been tasked with repairing the crumbling edifice of French power in the Ohio Valley, both literally and figuratively. Years of floods had rendered Fort Duquesne indefensible. Yet, through most of 1758, the French and their Native allies had bested the British in battle. In September, they had destroyed a large British reconnaissance force led by Major James Grant, a battle that became known as Grant's Defeat. The French followed that victory in October with a spoiling attack on Loyalhanna, designed to destroy supplies and capture livestock so that the British advance would grind to a halt.

But by mid-October, Lignery no longer had enough rations to sustain his garrison beyond 18 days, let alone provide gifts and supplies to his Native allies. Most of his troops left Fort Duquesne, and discouraged Native allies drifted away. But the officer was determined to keep pressure on the British, as he informed his superiors: "I have not ceased for a month to have scouting done in the neighbourhood at Loyalhanna." As Lignery sent out another party in early November, he hoped his men could prevent the British from attacking Fort Duquesne for the rest of the year.

According to Vaudreuil's letter, a party of 30 French Canadians, along with 140 Shawnee, Delaware and Haudenosaunee (Iroquois) warriors, set out for Loyalhanna on November 9. Their leader, Lieutenant Claude-Louis de Corbière, was a master of woodland warfare with Native allies. By 1758, he had destroyed several British forces in battle. Yet, by the time his group approached Loyalhanna, it had dwindled to around 50 Canadians and Indians.

The gateway to Fort Ligonier (reconstructed). The British troops built the post in the summer of 1758 as they gained on the French.

Without knowing that Corbière's party was on its way, Forbes met with his principal officers at Loyalhanna on November 11. They acknowledged a hard truth: The cold weather was causing supply shortages and turning the roads into soupy rivers of mud. The campaign would have to be suspended, and the army would winter at Loyalhanna, as the Ohio Valley would remain in French hands. Washington had been pessimistic about the campaign from the start, and he observed that "nothing but a miracle can procure success."

The next day, the British learned from their own scouts, or guards tending nearby cattle that the French were approaching with a party of around 200. The first group Forbes sent out was more than a match: around 500 Virginians, led by Lieutenant Colonel George Mercer of the Second Virginia Regiment.

Mercer was a close confidant of Washington's, having served under him since 1754. He had fought by Washington's side in many battles and been his principal aide. Mercer and his men likely marched out of Loyalhanna with high confidence. Many of these Virginians had fought alongside their own Native allies, and some were outfitted "after the Indian fashion," according to one Virginia officer, sporting match-coats, blankets, leggings, moccasins and tomahawks. Sure enough, the archaeological dig has unearthed a wide variety of buttons and other clothing elements at the site. This motley assortment of Virginia uniforms would have contributed to the confusion of the battle.

The November sky was beginning to darken as the Virginians headed westward, gaining a high ridge and descending into a valley where they made initial contact with the French and Indian patrol. As Washington waited back at the camp, he later recalled that the sounds of "severe conflict and hot firing" seemed to be getting closer, as though Mercer's men were being pushed back. Forbes wanted to surround the French and Native patrol, and he authorized Washington to call for volunteers. The relief force presumably took a different route than Mercer's men had taken, since Washington planned to envelop the enemy.

The Virginians advanced towards the sound of gunshots. But when the firing ceased, Washington sent scouts ahead to let Mercer know that they were approaching.

Extra fortification, including a moat, wooden walls and four bastions, surrounded the 200 square foot inner fort, which contained the soldiers' bunks, storehouse and officers' quarters.

#HISTORY

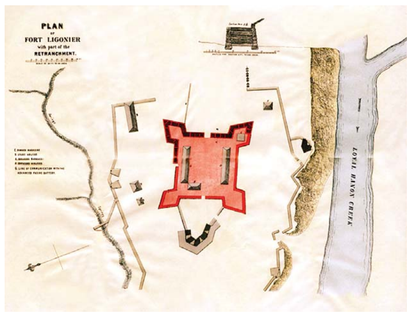

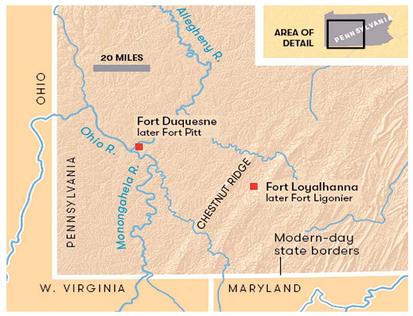

Fort Ligonier from the 1896 book *The Frontier Forts of Western Pennsylvania.*

The message did not reach all of Mercer's men, perhaps because they'd dispersed very widely as they fought the French. By the time the sun disappeared behind the mountains, Mercer's men had been fighting the French and Native force for about an hour. Mercer's initial attack was apparently successful. The Virginians had pushed Corbière's force up an elevated shelf of ground. The French and Indians had taken position behind trees and rocks, intending to withdraw under cover of darkness. Archaeologists have found a pattern of bullets concentrated on that very shelf, including the three unspent musket balls, which were perhaps dropped by a wounded or retreating French or Native fighter.

Corbière and his allies were savvy veterans of wilderness warfare. Though heavily outnumbered, they had preserved their line of retreat. As they broke off contact and headed west towards Fort Duquesne, Mercer's Virginians managed to capture three prisoners, including a Native man and woman. (There is no discussion in the sources about the Native woman, who she was or what she was doing in the party.)

That was when Washington's relief force burst onto the scene, "approaching in another direction," as Washington later recalled. Fearing that the French and Natives had circled back for a counterattack, Mercer's men opened fire. Darkness, as well as clouds of smoke from the musketry, obscured visibility in the valley. Washington's men saw Mercer's group and assumed they had surrounded the enemy. The presence of Native prisoners might have added to the confusion. The Whitehall Evening Post in London reported that the relief unit began shooting "on seeing our people with Indians amongst them about the fire."

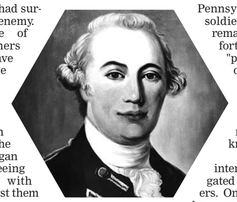

Scottish-born General John Forbes traveled from England in 1757 to lead the attack on French-controlled Fort Duquesne.

The roar of musketry erupted once again as lead balls thudded into trees, rocks and human flesh. Washington quickly realized the mistake and began running between the two sides (presumably on foot), ordering his men to cease firing and knocking their muskets up with his sword. Officers began to restore order, a difficult task, as many soldiers were likely scattered among the trees rather than in dense ranks.

A round tore through the arm and chest of Henry Townsend, a soldier in Washington's Virginia Regiment. One of Mercer's men, Sergeant Thomas Branan, suffered a severe wound in the neck that left him with impaired eyesight. Two officers were killed, including a volunteer who had gone out with Washington, Lieutenant John Evans of the 60th Regiment. John Michael Lindenmuth, a Pennsylvania German soldier who had remained back at the fort, described the "pitiful condition" of the men who stumbled back.

But the names of the casualties were not recorded in any known document. Officers and interpreters interrogated the three prisoners. One turned out to be an Englishman named Richard Johnson. Originally a farmer living in Paxton Township in Pennsylvania, he may have lived and traded among the Ohio Indians before the war. But the Indians had taken him captive in 1757. Now, the British officers informed Johnson that as he had been "found in arms against his king and country," he had thereby "forfeited his life," unless he was willing to reveal what he knew of the enemy situation.

If the British found any redemption from the fratricide near Loyalhanna, it came from Johnson's intelligence. He told his interrogators that Fort Duquesne was desperately weak and undermanned. There is no record of whether Johnson was executed or pardoned, but his crucial information proved to be the miracle that Washington thought was needed to bring success. Forbes ordered his army to resume its march on Fort Duquesne, a bold decision that allowed his soldiers to redeem tragedy with forward progress. Before the group could move on, though, Lindenmuth recorded in his journal that "we buried our dead with sorrowful hearts."

Forbes captured Fort Duquesne without a fight on November 25, renaming it Pittsburgh in honour of British statesman William Pitt. France's Delaware, Shawnee and Ohio Iroquois allies were forced to accept a new British presence, along with an uncertain future. Meanwhile, the colony of New France was collapsing under relentless British attacks. Lignery was mortally wounded in 1759 near Fort Niagara, and Corbière died from his wounds after the 1760 Battle of Sainte-Foy outside of Quebec.

On the British side, Forbes, who had been ill throughout the campaign, died shortly after returning to Philadelphia in early 1759. Branan and Townsend of the Virginia provincials suffered from their wounds long after the war. Unable to make a living, they both petitioned the Virginia House of Burgesses for relief. Poignantly, both former commanders, Washington and Mercer, were on the legislative committee that reviewed and approved the petitions. As compensation for their injuries, Branan appeared to receive a one-time payment of £10, while Townsend received £10 per year. Mercer was a legislator and land agent for the colonies after the war, but when the American Revolution broke out, he remained a loyalist and died in London in 1784. Still, when Washington looked back on the incident after the Revolutionary War, he referred warmly to his "friend Colo. Mercer."

Inside a reconstruction of a storehouse at Fort Ligonier, where British troops planned their final push into the Ohio Valley.

After four seasons of sifting through dirt and evidence, Burns and the Fort Ligonier leadership announced in July 2025 that they had discovered the exact location of the friendly fire incident. By that time, they'd found nearly 400 artifacts, in what Burns regarded as "a significant victory for battlefield archaeology." The concentration and spatial distribution of both fired and unfired musket balls allowed them to pinpoint the battle site, as well as the general locations of the British and French and Indian forces. Written records reveal no other skirmishes in the area that could have produced such a volume of gunfire along such an extended front. Archaeological investigations continue, especially the search for the Virginians' mass grave. The team has used specially trained archaeology dogs that can detect even the smallest human remains.

This past spring, Burns and his colleague Ryan Mathur at Juniata College tested the musket balls for their chemical isotopes, specific variations of molecules that reveal their geological origin. The lead in the musket balls clearly came from either Europe or from French sources in Canada and the far west. This last finding lined up with French documents, which reported that Fort Duquesne increasingly relied on men, supplies and munitions coming from Illinois, down the Ohio River.

The calibers of British and French ammunition uncovered at the site also revealed the weaponry used by the combatants, ranging from French Tulle, Saint-Étienne and British Long Land Pattern (Brown Bess) muskets to trade muskets that Native warriors would have carried. The British musket balls matched 18th-century descriptions of the Virginia provincials' weaponry, a motley mix of firearms, with some dating back to the 1720s.

Ongoing excavations, as well as private property concerns, prevent me from revealing the exact location of the site. But after years of watching the team's progress, I shared in the satisfaction of discovery. I knew how profoundly the events of November 1758 shaped the man who would become the commander of the Continental Army. They included both the heights and the depths of Washington's military career in the French and Indian War. During the final march on Fort Duquesne, Forbes honoured him with the temporary title of brigadier, as he commanded the advanced brigade. When Washington posed for Charles Willson Peale's 1772 portrait of himself as a Virginia officer in the Ohio Valley, he had his 1758 "order of march" proudly sticking out of his waistcoat pocket.

Washington stopped fighting for the British after the capture of Fort Duquesne. He turned his gaze back east, towards marriage to the widow Martha Custis and a new political career in the Virginia legislature that became the crucible of his growing resistance to British policies.

The friendly fire incident was not simply a tragic footnote in the life of the man and prehistory of the nation. It was a pivotal moment in the Forbes campaign and in Washington's development. The first time Washington heard bullets whistling past him in 1754, he wrote that he found "something charming in the sound." But his last combat experience before the American Revolution was a sobering reminder of all that could go wrong in the fog of war. The French and Indian War had presented the young officer with catastrophic defeats, grinding attrition, personal frustration and tragedy, even as he became a heroic figure in British America and, in the end, triumphed over the French.

When the Revolutionary War began in 1775, Washington was under no illusions. He braced himself for a long and protracted war that would leave America "drenched with blood.' By contrast, the British generals opposing him blithely assumed the American rabble would be quickly defeated after one campaign. Perhaps, the greatest lessons that Washington absorbed from the French and Indian War and the friendly fire incident concerned the chaos, unpredictability and human cost of war.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

The quartermaster's storehouse, piled high with bags of flour. The barrels of salted provisions were crucial in sustaining the British Army's advance over the Appalachian Mountains.

THE WALL

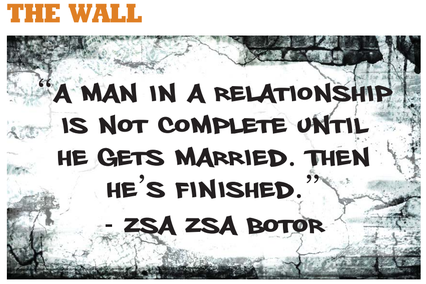

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

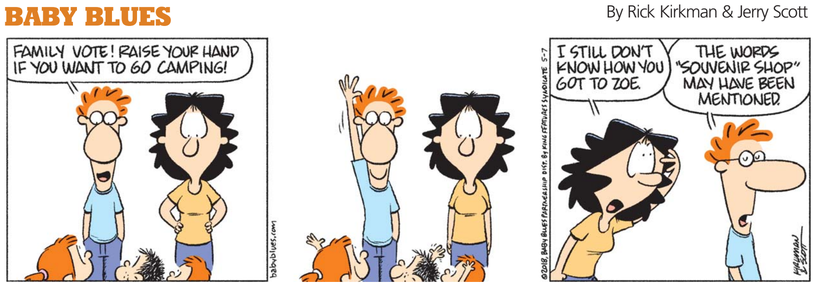

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

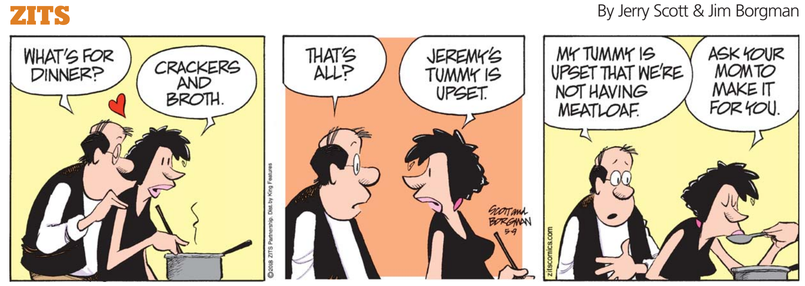

सीकर में ई-मित्र चलाने वाले युवक के खाते में 1.04 करोड़ रुपए आए

इस अकाउंट के खिलाफ महाराष्ट्र सहित 13 राज्यों में 36 शिकायत दर्ज हैं

सीकर, (निसं)। सीकर के नवलगढ़ रोड पर ई-मित्र की दुकान चलाने वाले युवक के बैंक अकाउंट में 1.04 करोड़ रुपए आए। इस अकाउंट के खिलाफ महाराष्ट्र सहित 13 राज्यों में 36 शिकायत दर्ज हैं। पुलिस ने अब ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत युवक पर मुकदमा दर्ज किया है। आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामले को इन्वेस्टिगेट किया जा रहा है।

- **पुलिस ने ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत युवक पर मुकदमा दर्ज किया है**
- **युवक के दोस्त ने 3 प्रतिशत कमीशन का लालच देकर अकाउंट किराए पर लिया था**

एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि ई-मित्र संचालक ताराचंद सिहाग पुत्र फूलचंद निवासी केरपुरा खंडेला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सायबर पोर्टल से मिले इनपुट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बैंक अकाउंट में फ्रॉड के 1 करोड़ 4 लाख 68 हजार रुपए आए हैं।

अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपी का एक दोस्त सतीश खंडेला इलाके का रहने वाला है। उसने 3 प्रतिशत कमीशन का लालच देकर अकाउंट किराए पर लिया था। इसके बाद बैंक अकाउंट में फ्रॉड की राशि आई। फिलहाल युवक का दोस्त फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

इन राज्यों में दर्ज हैं केस :- आरोपी के अकाउंट के खिलाफ महाराष्ट्र में 12, गुजरात में 4, राजस्थान में 3, पश्चिम बंगाल में 3, कर्नाटक में 3, उत्तर प्रदेश में 1, केरल में 1, दिल्ली में 1, झारखंड में 1, तमिलनाडु में 1 और उड़ीसा में 1 शिकायत सहित कुल 36 कंप्लेंट दर्ज है। एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि किसी के बैंक अकाउंट में फ्रॉड का केवल 1 रुपया भी आया तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। आगे कार्रवाई की जाएगी।

लावारिस कार से 17 लाख का डोडा-चूरा बरामद

पुलिस को देख आरोपी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डीएसटी टीम और काछोला थाना पुलिस ने शनिवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक हुंडई क्रेटा कार से भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थ का वजन 113.060 किलोग्राम बताया जा रहा है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 17 लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल को डीएसटी के एएसआई अशोक कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि राजगढ़ के जंगल में एक संदिग्ध कार खड़ी है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ हो सकता है। सूचना पर अति. पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य शाहपुरा के निर्देशन एवं सीओ सुरेश कुमार डाबरिया कोटड़ी के सुपरविजन में काछोला पुलिस और डीएसटी की टीम मौके पर पहुँची। राजगढ़ के जंगल में घेराबंदी के दौरान एक क्रेटा कार लावारिस हालत में मिली। पुलिस को देख आरोपी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो उसमें 6 प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। कट्टों को खोलने पर उनमें डोडा-चूरा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। काछोला थाने में मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

हिंडौन सिटी : पति-पत्नी ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की

कथित रूप से भूमाफिया व फर्जीवाड़े के आरोपों से परेशान थे पति-पत्नी

हिंडौन सिटी / श्री महावीर जी, (निसं)। तहसील श्री महावीर जी क्षेत्र के ग्राम गांवड़ी मीणा में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक दंपती ने कथित रूप से भूमाफियाओं और फर्जीवाड़े से परेशान होकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **घटना से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है, जिसमें कई लोगों के नाम का उल्लेख कर मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांवड़ी मीणा निवासी एक दंपती ने स्थानीय निवासी जमनी लाल जाटव सहित अन्य लोगों पर जमीन हड़पने और धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवादियों का कहना है कि आरोपियों ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर और तहसील के कर्मचारियों व डीड राइटर से मिलीभगत कर उनकी जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री करवा ली। परिवादियों ने यह भी आरोप लगाया है कि जमनी लाल जाटव द्वारा लोगों से बड़ी रकम लेकर रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा दिया जाता था। साथ ही उनके खिलाफ फर्जी तरीके से रेलवे में भर्ती होने की शिकायत भी संबंधित विभाग में की गई थी। इस शिकायत के बाद आरोप है कि दंपत्ति को लगातार धमकाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि परेशान होकर पति-पत्नी ने यह कदम उठाया। दंपती के तीन छोटे बच्चे भी हैं। घटना से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है, जिसमें कई लोगों के नाम का उल्लेख कर मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना श्री महावीर जी की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है तथा पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

मासूम से कुकर्म के मुख्य आरोपी को 20 साल का कारावास

दूसरे आरोपी को तीन साल जेल और अर्थदंड की सज़ा सुनाई

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले में 13 वर्षीय नाबालिग बालक के साथ कुकर्म करने और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में विशिष्ट न्यायालय पॉक्सो संख्या 2 के न्यायाधीश सचिन गुप्ता ने फैसला सुनते हुए मुख्य आरोपी राहुल को 20 साल के कठोर कारावास की सज़ा और 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही, दूसरे आरोपी प्रदीप को आईटी एक्ट के तहत 3 साल की सज़ा और 50 हजार रुपये का अर्थदंड की सज़ा सुनाई है।

लोक अभियोजक एडवोकेट चंद्र किशोर भारद्वाज ने बताया कि यह घटना 27 जुलाई 2025 को भरतपुर के नदबई थाना क्षेत्र में हुई थी। पीड़ित बालक के पिता द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, जब उनका 13 वर्षीय बेटा घर पर अकेला था, तब आरोपी राहुल, प्रदीप और नितिन उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान मकान में ले गए। वहां मुख्य आरोपी ने बालक के साथ कुकर्म किया और इस घिनौनी करतूत का वीडियो भी बना लिया। आरोपियों ने बालक को धमकी दी थी कि यदि उसने किसी को बताया तो वे वीडियो वायरल कर देंगे और उसे जान से मार देंगे। शारीरिक कष्ट होने पर जब बालक ने अपने परिजनों को आपबीती सुनाई, तब थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहुल और प्रदीप को गिरफ्तार किया। हालांकि, जांच के दौरान नितिन को निर्दोष पाया गया और उसका नाम मामले से हटा दिया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 15 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए और 34 महत्वपूर्ण दस्तावेज साक्ष्य के रूप में पेश किए गए। न्यायाधीश सचिन गुप्ता ने साक्ष्यों के आधार पर दोनों को दोषी करार दिया। आरोपी राहुल को कुकर्म का दोषी मानते हुए 20 साल की सज़ा और जुर्माना लगाया है। और आरोपी प्रदीप को आईटी एक्ट में संलिप्तता के लिए तीन साल की सज़ा और अर्थदंड की सज़ा सुनाई है।

भीलवाड़ा : तस्कर की 50 लाख की सम्पत्ति फ्रीज

भीलवाड़ा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ भीलवाड़ा पुलिस अब आर्थिक प्रहार के मोड में आ गई है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशों पर पुलिस ने नशे की काली कमाई से अर्जित संपत्तियों को फ्रीज (जब्त) करने का अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुलाबपुरा पुलिस ने कुख्यात तस्कर लाभचंद उर्फ लाभू की करीब 50 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज करने की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

वृत्ताधिकारी जितेंद्र सिंह के सुपरविजन एवं गुलाबपुरा थानाधिकारी संजय गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस ने अपराधी लाभचंद उर्फ लाभू पुत्र कन्हैया लाल धाकड़ निवासी उमर, थाना बेंगू, चित्तौड़गढ़ की वित्तीय जांच की।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने तस्करी के जरिए करोड़ों रुपये का कारोबार किया और उस काली कमाई से अपने पैतृक गांव उमर में जमीन खरीदी और एक ट्रैक्टर लिया। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 50 लाख रुपये है। अभियुक्त लाभचंद एक शातिर नशा तस्कर है, जिसके खिलाफ बड़ी खेप की तस्करी के गंभीर मामले दर्ज हैं पुलिस ने आरोपी की संपत्तियों को फ्रीज करने की कार्रवाई की है। इस संबंध में तमाम दस्तावेज नई दिल्ली स्थित संबंधित प्राधिकारी को भेज दिए गए हैं। अपराधी को नोटिस जारी कर दिया गया है, जिसके बाद अब वह इस संपत्ति को न तो बेच पाएगा और न ही कहीं ट्रांसफर कर सकेगा।

खाली प्लॉट में आग लगी

अजमेर, (निसं)। शहर के रामगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत चंद्रवरदाई नगर स्थित सियाराम कॉलोनी में एक खाली प्लॉट में अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय निवासी सरोज कंवर ने बताया कि लोगों के अनुसार, प्लॉट में लंबे समय से सूखी झाड़ियां और कचरा जमा था। इसी कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान है कि सूखी घास और गर्म मौसम इसकी वजह हो सकते हैं। घटना के समय आसपास के क्षेत्रवासियों ने तत्परता दिखाते हुए अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो आसपास के मकानों को भी नुकसान पहुंच सकता था।

जोधपुर में पांच जगह से बाइक चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में नकबजनी और वाहन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। शहर में रोजाना आधा दर्जन मामलें वाहन चोरी के दर्ज हो रहे हैं, मगर वाहन चोर पुलिस के हाथ नहीं लग पा रहे। पिछले 24 घंटे में वाहन चोरी के पांच मामले पुलिस में दर्ज हुए हैं।

सदर बाजार पुलिस ने बताया कि शांतिपुरा हाथीराम को ओडा निवासी राकेश पुत्र सत्यनारायण सोनी की तरफ से केस दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि वह अपनी बाइक लेकर कबूतरों का चौक गायत्री मंदिर के पास किसी काम से आया था, जहां से अज्ञात शख्स उसकी बाइक को चुरा ले गया।

इसी तरह एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार रूपनगर डिगाड़ीकलां निवासी आकाश पुत्र चैनाराम अपनी बाइक लेकर शिकारगढ़ स्थित कन्हैयानगर में आया था, जहां से कोई उसकी बाइक चुरा ले गया। इधर श्रीराम नगर चौहाबो निवासी महेश पुत्र भीमसेन आसवानी ने पुलिस को बताया कि उसकी बाइक सुबह के समय घर के सामने से चोरी हो गई। सीएचबी थाने में इसकी रिपोर्ट दी। जबकि नई रकासनी सूरसागर निवासी राकेश पुत्र संपतराज दाधिच बाइक लेकर आईटीआई चौराहा के पास में आया था। यहां एक शोरूम के निकट से उसकी बाइक चोरी हो गई। घटना को लेकर शास्त्रीनगर पुलिस में रिपोर्ट दी। वहीं कापरड़ा के हरियाडा निवासी हुकमाराम पुत्र देवाराम जाट ने भगत की कोठी पुलिस को बताया कि वह बाइक लेकर मधुबन स्थित सरस्वती नगर शॉपिंग सेंटर की तरफ आया। जहां से उसकी बाइक कोई चुरा ले गया।

डूंगरपुर में लग्जरी कार से पांच लाख की अवैध शराब जब्त

कार ड्राइवर को गिरफ्तार किया, जो शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में था

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर के पास एक लग्जरी कार से करीब 5 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है, जो शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में था।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक लग्जरी कार में अवैध शराब भरकर गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत राजस्थान-गुजरात सीमा पर रतनपुर बॉर्डर के पास नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान एक किया सेल्टोस कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन ड्राइवर ने पुलिस को चकमा देकर कार भगाने की कोशिश की। इस पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और कुछ दूरी पर कार को रुकवा लिया। कार रुकवाने के बाद ड्राइवर से पूछताछ की गई, जिसमें वह घबरा गया। शक के आधार पर पुलिस ने कार की तलाशी लीए तो उसमें राजस्थान निर्मित विभिन्न ब्रांड की 60 कार्टन शराब भरी मिली। इसकी बाजार कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। जांच के दौरान ड्राइवर शराब परिवहन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। इसके बाद पुलिस ने शराब से भरी कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने अहमदाबाद (गुजरात) निवासी राजेश कुमार उर्फ राजू को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी शराब को गुजरात ले जा रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

कपासन के राजेश्वर तालाब में डूबने से जीजा-साले की मौत

कपासन, (निसं)। राजेश्वर तालाब कपासन में नहाने गए जीजा और साले की पानी में डूबने से मौत हो गई। मौके पर मौजूद साले की पत्नी ने दोनों को डूबता देख शोर मचाया, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। सिविल डिफेंस की टीम ने दोनों मृतक को तालाब से निकाला।

जानकारी के अनुसार कपासन राजेश्वर तालाब में लगभग 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच दो युवक डूबने की सूचना प्रशासन को मिलने पर एसडीएम राजेश सुवालका, तहसीलदार नासिर बैग मिर्जा, डीएसपी हरजी यादव, पुलिस जाब्ता टीम के साथ घटनास्थल मौके पर पहुंचे और सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर बुलाया और स्थानीय लोगों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरु किया गया। डूबने वाले युवकों की पहचान कपासन के मियाचंद खेड़ा निवासी राकेश (24) और उसके जीजा भदेसर के भेरूखेड़ा निवासी प्रकाश (21) के रूप में हुई है।

- **बारात में जाने से पहले नहाने गए थे, किनारे बैठी महिला ने डूबता देख शोर मचाया**

प्रकाश की पत्नी सीता ने बताया कि वह अपने पति के साथ भाई राकेश के यहां एक चचेरे भाई की शादी समारोह में शामिल होने आई थी। शनिवार को बारात 20 किलोमीटर दूर पावली गांव राशमी, चित्तौड़गढ़ जाने वाली थी। इससे पहले गर्मी ज्यादा होने की वजह से राकेश (साला) और प्रकाश (जीजा) ने तालाब पर नहाने का प्लान बनाया। शाम चार बजे राकेश, प्रकाश और सीता राजेश्वर तालाब पहुंचे, जहां दोनों युवक नहाने के लिए नीचे उतर गए। इस दौरान सीता किनारे पर ही बैठी थी। नहाते समय दोनों गहने पानी में चले गए। दोनों को डूबता देखकर सीता ने शोर मचाया। इस पर आसपास भीड़ जमा हो गई। शाम को सिविल डिफेंस की टीम राजेश्वर तालाब पहुंची। 15 मिनट के बाद राकेश के शव को बाहर निकाल लिया। इसके बाद शाम प्रकाश का शव भी बाहर निकाल लिया। दोनों शवों को उपजिला चिकित्सा कपासन पहुंचाया गया। जहां मोर्चरी में रखा गया। जिनका पोस्टमार्टम रविवार को किया जाएगा। मौके पर मौजूद प्रकाश की कॉलोनी के लोगों ने बताया किराकेश ट्रैक्टर चलाने का काम करता है। चार साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसका बेटा है, जबकि प्रकाश और सीता की एक महीने पहले शादी हुई थी। प्रकाश कॉलेज में पढ़ाई करता है।

युवक के सिर में फंसी दस किलो वजनी दूध की कैन

अलवर, (निसं)। अलवर में गर्मी से बचने के प्रयास में एक युवक की जान पर बन आई। धूप से बचने के लिए उसने दूध की खाली कैन सिर पर रख ली थी। करीब दो घंटे तक वो कैन को निकालने की कोशिश करता रहा, लेकिन कैन और ज्यादा फंस गई। इसके बाद ग्राइंडर मशीन से काटकर को कैन को सिर से अलग किया गया। घटना शहर से 20 किलोमीटर दूर अकबरपुर थाना क्षेत्र के माधोगढ़ की है। शुक्रवार शाम को हुए इस हादसे का वीडियो शनिवार को सामने आया है।

माधोगढ़ के सरपंच प्रतिनिधि पेमाराम ने बताया कि गांव का रहने वाला युवक कालूराम रैबारी बटाई के गेहूं बांटने जा रहा था। उसके हाथ में 15 लीटर दूध वाला बड़ा कैन था। धूप से बचने के लिए कालूराम ने उसे सिर पर रख लिया। करीब 10 किलो वजनी कैन उसके सिर में फंस गया।

टोंक में फर्जी दस्तावजों से जमीन हड़पने की साजिश, मुख्य आरोपी को पकड़ा

टोंक, (निसं)। देवली क्षेत्र में प्रवासी भारतीय परिवार की बेशकीमती कृषि भूमि को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़पने की साजिश का खुलासा हुआ है। मामले में देवली पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

- **प्रवासी भारतीय परिवार की बेशकीमती कृषि भूमि को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़पने की साजिश का खुलासा हुआ**

मामला देवली तहसील के खेड़ागांवड़ी गांव स्थित कृषि भूमि से जुड़ा हुआ है। इसमें जमीन मूल खातेदारों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज थी, जो लंबे समय से अमेरिका में रह रहे हैं। खाली पड़ी इस जमीन को भूमाफिया गिरोह ने निशाना बनाकर अवैध तरीके से कब्जा करने की योजना बनाई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहले जमीन पर अवैध कब्जा किया और फिर मालिकाना हक हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। कथित तौर पर जगदीश प्रसाद शर्मा के नाम से फर्जी इकरारनामा बनाया गया। इसके बाद असली व्यक्ति की जगह देवलाल मीणा को खड़ा कर फर्जी पहचान के जरिए दस्तावेजों को वैध दिखाने की कोशिश की गई। इस संगठित साजिश के तहत फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री करवाई गई और राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण भी करवा लिया गया था। इस तरह पूरा सिस्टम प्रभावित कर जमीन पर अवैध रूप से मालिकाना हक दर्ज कराने की कोशिश की गई।

मामले में देवली पुलिस ने मुख्य आरोपी मनीष चौधरी पुत्र भंवरलाल निवासी गांव कासीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मनीष चौधरी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उस पर पहले भी एससी/एसटी एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। इस जमीन धोखाधड़ी मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनकी भूमिका भी इस फर्जीवाड़े में सामने आई थी।

घर पर युवक का शव फंदे पर लटका मिला

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में शनिवार सुबह एक युवक का शव उसके घर में फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। युवक की पत्नी ने पति की मौत पर जांच की मांग की है। कोतवाली पुलिस सूत्रों के अनुसार वीरपुर निवासी बबली माल ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार उसके पति दिनेश माल को शराब पीने की लत थी। बबली ने बताया कि दिनेश शनिवार सुबह शराब पीकर घर आया और घर में एक लकड़ी के पाट तख्ते और साड़ी से फंदा लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बच्चों ने शव को फंदे पर लटका देखा और आवाज लगाई, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव कोडूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

वृद्धा ने अपने दोहिते पर घर में ही चोरी का आरोप लगाया

जोधपुर, (कासं)।कमिश्नरेट में पुलिस गश्त के बावजूद रोजाना चोरी की घटनाएं हो रही है। बनाड़ और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में तीन जगहों पर चोरी की घटनाएं हुई। एक में वृद्ध महिला ने अपने दोहिते पर घर में ही चोरी का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि बोम्बे क्वार्टर योजना वस्त्र मंत्रालय के सामने रहने वाली मथुरा पत्नी गोरूराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह 12 अप्रैल को अपने पीहर गई थी। बाद में उसकी बेटी ने सूचना दी कि घर में चोरी हो गई है। अज्ञात शख्स लोहे के संदूक का ताला तोड़कर वहां से दो सौ ग्राम चांदी के छड़ा जोड़ी और 3 सौ ग्राम का कंदोरा चोरी कर ले गया। महिला ने वारदात में अपने एक दोहिते पर चोरी की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी है।

कोटा में हनीट्रैप के जरिये ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पुलिस ने दो महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। हनीट्रैप के जरिये ब्लैकमेल कर रूपये वसूली करने के दर्ज मामले में उद्योग नगर पुलिस टीम ने मामले का पर्दाफाश करते हुए दो महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में पकड़े गये आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त कार व 49500 नकद राशि बरामद की है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 23 अप्रैल को परिवादी ने उद्योग नगर थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि 14 अप्रैल को एक अज्ञात महिला ने फोन कर उसे बातों में उलझाया और मिलने के लिये कंसुआ रोड स्थित अपनी एक महिला मित्र के घर बुलाया। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि दो महिलाओं ने साजिश के तहत उसके कपड़े उतरवा दिये, जिसके बाद पीछे से आये एक युवक ने उसका वीडियो बना लिया। परिवादी ने कहा कि आरोपियों ने वीडियो वायरल करने और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर नकद व ऑनलाइन के माध्यम से 90 हजार वसूल लिये एवं आरोपियों द्वारा और रूपये देने की मांग की जा रही है। शहर एसपी ने बताया कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में उद्योग नगर थानाधिकारी मांगेलाल यादव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मामले में अनुसंधान किया। टीम ने मुखबीर की सूचना पर एनएच-27 के नीचे डाढ़ देवी रोड़ पर नाकाबंदी की एवं एक कार को घेरा देकर रोका तो कार में सवार लोगों ने भागने का प्रयास किया।

शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर मुस्तैदी दिखाते हुए गिरोह के सभी सदस्यो को धर दबोचा। पुलिस टीम ने बारां हाल कोटा निवासी कोमल शर्मा, बारां हाल महावीर नगर निवासी कृष्णा मीणा सहित कंसुआ निवासी नरेन्द्र सिंह सोलंकी उर्फ तंवर, कंसुआ निवासी शाहरूख, बापू नगर कुन्हाड़ी निवासी योगेन्द्र प्रताप सिंह राणावत, कंसुआ निवासी मोहम्मद आसिफ को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से एक कार को जप्त किया है साथ ही आरोपियों के पास से 49500 रूपये नकद बरामद किये हैं। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य सुनियोजित तरीके से लोगों को प्रेम जाल में फंसाकर अशलील वीडियो बनाकर मोटी रकम वसूलता था, पकड़े गये आरोपियों के पास से छह मोबाइल जब्त किये हैं, उन मोबाइलों में कई लोगों के अश्लील विडियो मिले हैं। पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

35 साल पुरानी रंजिश में की थी वृद्ध की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण के नाथडाउ गांव में तीन दिन पहले वृद्ध व्यक्ति की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह 35 साल पुरानी रंजिश होना बताया गया है। अभियुक्त से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पीडी नित्या ने बताया कि चामू के ग्राम नाथड़ाउ में 22 अप्रैल को दिनदहाड़े वृद्ध की हत्या की घटना हुई थी। मामला सुल्तानसिंह की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसमें बताया कि 22 अप्रैल की शाम को मग सिंह राजपुरोहित निवासी नाथड़ाउ अपने सगे भतीजे सुल्तान सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर कनोडिया पुरोहितान से अपने घर नाथडाउ जा रहे तब रास्ते में खेतसिंह पुत्र चैनसिंह निवासी कनोडिया पुरोहितान व अन्य द्वारा अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बोलेरो गाड़ी से टक्कर मारकर सुल्तान सिंह व उसके चाचा मग सिंह को नीचे गिराकर तलवार से ताबड़तोड़ वार कर मगसिंह की हत्या कर दी थी।

मामले में खुलासे के लिए एएसपी भोपालसिंह लखावत के सुपरविजन एवं बालेसर वृताधिकारी राजेन्द्रसिह के निर्देशन में थानाधिकारी हनुमानराम एवं डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन कर एफएसएल व एमओबी टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए थे। पुलिस की टीम ने अब मुख्य आरोपी नाथडाउ निवासी खेतसिंह पुत्र चैनसिंह राजपुरोहित को गिरफ्तार किया है। उसने 35 साल पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए यह हमला किया था। अन्य आरोपियों के संबंध में अभियुक्त से पूछताछ जारी है।

अजमेर : झोंपड़ी में सो रहे डेढ़ माह के बालक पर आवारा श्वानों का हमला

करीब पांच मिनट तक कुत्ते मासूम को घायल करते रहे, जिससे आंतें तक बाहर आ गई

अजमेर, (निसं)। जिले के पीसांगन क्षेत्र स्थित कालेसरा गांव में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां झोपड़ी में सो रहे डेढ़ माह के मासूम पर आवारा कुत्तों (श्वानों) ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को उपचार के लिए अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

- **कुत्ते बच्चे को नोच रहे थे और अन्य कुत्ते ने बच्चे को मुंह में दबा रखा था**
- **मां ने हिम्मत दिखाते हुए कुत्तों से बच्चे को छुड़ाया, वह खुद बच्चे के ऊपर लेट गई**
- **गंभीर घायल बच्चे को अजमेर के जेएलएन में भर्ती कराया, हालत नाजुक बनी हुई है**

जानकारी के अनुसार कालेसरा निवासी केलम गुरुवार रात झोपड़ी के बाहर खाना बना रही थी, जबकि उसका पति मकरम मजदूरी पर गया हुआ था। झोपड़ी के भीतर उसका डेढ़ माह का बेटा सावरा और तीन वर्षीय बेटा अरविंद सो रहे थे। इसी दौरान अंधेरे का फायदा उठाते हुए कई आवारा कुत्ते झोपड़ी में घुस गये और छोटे बच्चे सावरा पर हमला कर दिया। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर मां जब झोपड़ी में पहुंची तो वहां का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। कुत्ते बच्चे को नोच रहे थे और एक कुत्ते ने उसे मुंह में दबा रखा था। करीब पांच मिनट तक कुत्ते मासूम को घायल करते रहे, जिससे उसकी आंतें तक बाहर आ गई। मां केलम ने हिम्मत दिखाते हुए कुत्तों से संघर्ष किया और बच्चे को उनके चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद वह खुद बच्चे के ऊपर लेट गई, जिससे कुत्ते वहां से भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर पिता मकरम गांव पहुंचे और घायल बच्चे को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल ले जाया गया।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे पी यादव ने बताया कि डॉक्टरों ने रात में ही प्राथमिक सर्जरी कर बच्चे का उपचार शुरू किया। वर्तमान में बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों का एक मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चा कोमा में है और लगातार निगरानी में रखा गया है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ते आवारा कुत्तों के खतरे को लेकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

चेक अनादरण की आरोपी महिला की छह माह की सजा बरकरार

जोधपुर, (कासं)। अपर सेशन न्यायाधीश संख्या 5 जोधपुर महानगर के न्यायाधीश प्रमोद बंसल ने चेक अनादरण की आरोपी महिला पूनम पोहनी उर्फ पूनम लालवानी द्वारा पेश की गई सजा के विरुद्ध अपील खारिज करते हुए छह माह की सजा और 6.93 लाख रुपए का जुर्माना बरकरार रखने के आदेश सुनाए हैं।

- **सेशन न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए महिला की अपील खारिज करने के आदेश दिए एवं मजिस्ट्रेट कोर्ट का फैसला बरकरार रखा**

अपील पर बहस करते हुए प्रत्यार्थी मनीष व्यास के अधिवक्ता जहीर अब्बास व मोहम्मद अल्ताफ ने न्यायालय को बताया कि पूनम पोहनी उर्फ पूनम लालवानी ने मनीष व्यास से साढ़े चार लाख रुपए अपनी आवश्यकता बताते हुए उधार लिए थे और मनीष व्यास को उधार राशि चुकाने के लिए अपनी फर्म न्यू ग्लैमर ब्यूटी पार्लर के छह चेक कुल राशि 4 लाख 50 हज़ार रुपए के दिए। साथ ही एक इकरारनामा भी किया था, जिसे मनीष व्यास द्वारा न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय में अधिवक्ता जहीर अब्बास ने जिरह करते वक्त पूनम से यह स्वीकार कराया कि पूनम ने मनीष व्यास से उधार राशि ले रखी है और चेक बाउंस होने के पश्चात भी पूनम ने मनीष व्यास को पैसा नहीं चुकाया है। इस पर विशिष्ट न्यायालय एनआई प्रकरण मजिस्ट्रेट द्वारा पूनम को छह माह की सजा और 6 लाख 93 हजार रुपए जुर्माना जमा करने के आदेश प्रदान किए गए। इसके विरुद्ध पूनम द्वारा सेशन न्यायालय में अपील की गई थी। अपील पर सेशन न्यायालय द्वारा 20 प्रतिशत राशि जमा करने के आदेश प्रदान कर पूनम को जमानत प्रदान की गई, लेकिन न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए पूनम ने न्यायालय में यह राशि जमा नहीं करवाई और बार-बार न्यायालय के आदेश की अवहेलना की। साथ ही बार-बार अपने पते बदलकर न्यायालय में अनुपस्थित रहकर जमानत आदेश की अवहेलना की गई।

अधिवक्ता जहीर अब्बास ने न्यायालय को बताया कि पूनम चेक अनादरण के कई मामलों में आरोपी है एवं कई मामलों में दोषी करार पाई गई है। उसके उपरांत भी पूनम न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रही है। जिस पर सेशन न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए पूनम की अपील खारिज करने के आदेश दिए एवं मजिस्ट्रेट कोर्ट का फैसला बरकरार रखा।

डूंगरपुर : चार राज्यों में साठ चोरियां करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

डूंगरपुर में हाउसिंग बोर्ड में चार महीने पहले हुई चोरी का खुलासा, तीन आरापियों को पुलिस ने दबोचा

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के ऐसे शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके खिलाफ 4 राज्यों में 60 से ज्यादा चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके साथी को भी पकड़ा है, जिसके खिलाफ उदयपुर जिले के विभिन्न थानों में 12 प्रकरण दर्ज हैं। शहर के हाउसिंग बोर्ड में 4 महीने पहले चोरी की वारदात में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- **चोरी के माल और नकदी को आरोपी अपने नशे और ऐशो-आराम के शौक पूरा करने में खर्च कर देते थे**

कोतवाली थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि 24 दिसम्बर 2025 को हाउसिंग बोर्ड में तुलसी गौड़ के सूने घर में चोरी की वारदात हुई थी। चोर घर से 50 हजार कैश, 2 तोले की सोने की चेन और 25 तोला चांदी के जेवर चुराकर ले गए थे। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए 4 राज्यों में चोरी की 60 चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी जिम्मी उर्फ दीपक निवासी नंदुरबार महाराष्ट्र हाल सूरत गुजरात को दबोचा है। उसके खिलाफ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा के अलग-अलग पुलिस थानों में करीब 60 मुकदमे दर्ज हैं। वह एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और अंतरराज्यीय स्तर पर चोरी की वारदातों में लिप्त है। वहीं उसके साथी रिजवान उर्फ रिज्जू निवासी कृष्णा कॉलोनी सविना उदयपुर के खिलाफ उदयपुर जिले के अलग-अलग थानों में 12 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा पुलिस ने उनके साथ चंदू कुमार सोनी निवासी कृष्णा कॉलोनी सविना उदयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी जिम्मी उर्फ दीपक और रिजवान दोनों शातिर प्रवृत्ति के हैं और बंद मकानों को निशाना बनाकर ताले तोड़कर चोरी करते थे। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से वारदातों को अंजाम देता थे। आरोपी दिल्ली से मुंबई और मुंबई से दिल्ली तक बाइक पर सफर करते थे। रास्ते में आने वाले शहरों और गांवों में बंद मकानों की रेकी कर उनका ताला तोड़कर अंदर घुसते थे। चोरी के माल और नकदी को ये आरोपी अपने नशे और ऐशो-आराम के शौक पूरा करने में खर्च कर देते थे।

नसीराबाद में 2.60 करोड़ का अवैध डोडा-पोस्त जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

ट्रेलर में गेहूं के कट्टों की आड़ में अवैध रूप से डोडा-पोस्त छिपाकर ले जाया जा रहा था

नसीराबाद, (निसं)। अजमेर जिले के नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ इस वर्ष की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपए मूल्य का अवैध डोडा-पोस्त जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त ट्रेलर भी जब्त किया है।

- **ट्रेलर से 677 गेहूं के कट्टों और 86 प्लास्टिक बैग्स में भरा हुआ 17 क्विंटल 27 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया**

पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर दिलवाड़ी पुलिया के पास भीलवाड़ा से जयपुर जाने वाले मार्ग पर विशेष नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान एक ट्रेलर को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान ट्रेलर में गेहूं के कट्टों की आड़ में अवैध रूप से डोडा-पोस्त छिपाकर ले जाया जा रहा था। ट्रेलर से 677 गेहूं के कट्टों और 86 प्लास्टिक बैग्स में भरा हुआ 17 क्विंटल 27 किलो 48 ठाम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी गणेश पुत्र लालाराम और चेतन पुत्र जगदीश, निवासी कनेछन कला जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई अजमेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह और जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अजमेर अभियान के तहत की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (केकड़ी) राजेश कुमार और डीएसपी नसीराबाद कृष्ण कुमार यादव के सुपरविजन में सदर थाना अधिकारी अशोक विशु के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। फिलहाल मामले की जांच श्रीनगर थाना अधिकारी पारूल यादव द्वारा की जा रही है। पुलिस ने संकेत दिए हैं कि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की भी तलाश जारी है। इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती का संदेश गया है और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है।

नाबालिग से गैंगरेप के आरोप में एक युवक गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। जिले में स्कूल जा रही एक 11वीं कक्षा की छात्रा को बोलेरो गाड़ी में अगवा कर तीन युवकों ने गैंगरेप किया, जिनमें से मुख्य आरोपी को अरेस्ट भी कर लिया गया है।

- **अन्य आरोपियों की तलाश जारी, पुलिस ने आरोपी का मोबाइल डाटा रिकॉर्ड में लिया**

अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि आरोपी के मोबाइल से कोई अश्लील वीडियो नहीं मिले हैं, केवल एक नाबालिग का फोटो मिला है, बाकी मामले की और गहन जांच की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल डाटा रिकॉर्ड में लिया है और उसके बाकी साथियों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जब बदमाश उसे स्कूल के रास्ते पर पटककर जाने लगे तो ग्रामीणों ने घेरकर मुख्य आरोपी को दबोच लिया। जबकि दो भाग गए, जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने आरोपियों की बोलेरो गाड़ी को फूंक दिया। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी का गांव घटनास्थल से करीब 2 किमी दूर है। वह पिछले कई दिनों से छात्रा का पीछा और छेड़छाड़ कर रहा था। बुधवार को भी छात्रा का पीछा किया था, लेकिन तब गांव के दूसरे बच्चे साथ थे, तो लौट गया। गुरुवार 24 अप्रैल को भी गांव के अन्य बच्चे थे, मगर वे उससे करीब 200 मीटर आगे चल रहे थे। इसका फायदा उठाकर आरोपियों ने छात्रा को गाड़ी में खींच लिया। उसने शोर मचाया तो गांव के छात्रों ने गांव में खबर दी। इसके बाद घटना का पता चला। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी ब्लैकमेलिंग गैंग का सरगना हो सकता है। एसपी चौधरी ने कहा कि जानकारी में यह भी सामने आया है कि ग्रामीणों ने युवक के साथ जमकर मारपीट भी कर दी थी, इसकी भी जांच की जा रही है।

खड़ी बस में फंदे से लटका मिला ड्राइवर का शव

अटल बंध थाना क्षेत्र के निजी बस स्टैंड की घटना

भरतपुर, (निसं)। शहर के अटलबंध थाना क्षेत्र स्थित हीरादास चौराहे के पास एक निजी बस स्टैंड पर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खड़ी बस के भीतर एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान डीग जिले के सामई खेड़ा गांव निवासी रामवतार के रूप में हुई है, जो पेशे से बस चालक था।

पुलिस के अनुसार बस स्टैंड के कोने में लंबे समय से खराब हालत में एक बस खड़ी थी। कुछ लोग जब उस बस के पास पहुंचे तो अंदर एक व्यक्ति का शव रस्सी के फंदे पर लटका दिखाई दिया। घटना की सूचना मिलते ही अटल बंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अटल बंध थाने में तैनात एएसआई शिवेंद्र पाराशर ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एफएसएल टीम को भी बुलाया। जांच के दौरान मृतक के गले में रस्सी बंधी पाई गई। पुलिस ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया था। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया।

जोधपुर में आधी रात को बदमाशों ने उत्पात मचाया, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा बी रोड पर बद्री पान मर्चेंट की गली में 24 अप्रैल की आधी रात को कुछ बदमाशों ने एक घर पर हथियारों से लैस होकर उत्पात मचाया। पीड़ित परिवार को जान की धमकी देने के साथ ही घर पर पेट्रोल की बोतलें फेंकी गई। एक हमलावर के हाथ में पिस्टल देखी गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। उत्पाती युवक खुलेआम गालियां भी बोलते देखे जा रहे हैं। पीड़ित की रिपोर्ट पर सरदारपुरा पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। मामले में जांच एसआई दीपलाल को सौंपी गई है।

- **बदमाशों ने एक घर पर हथियारों से लैस होकर उत्पात मचाया, सीसीटीवी फुटेज सामने आया**
- **पीड़ित परिवार को जान की धमकी देने के साथ ही घर पर पेट्रोल की बोतलें फेंकी गई**

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि घटना को लेकर बद्री पान की गली, सरदारपुरा बी रोड निवासी मोहनसिंह पुत्र रूप सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि कल रात को विजय, पीयूष, योगेश, जयेश आदि तलवारों, पेट्रोल से भरी बोतलें और पिस्टल लेकर आए। इन लोगों ने उसके घर पर बोतलें फेंकने के साथ परिवार के लोगों को धमकाया। घटना के समय परिवार के सभी लोग घर में ही मौजूद थे। इस घटना से गली में एक बारगी दहशत का माहौल बन गया। एसआई दीपलाल की तरफ से अब जांच की जा रही है। इधर घटना को लेकर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें युवक हाथ में तलवारें, पिस्टल और बोतलें फेंकते देखे जा सकते हैं। पुलिस ने आरंभिक पड़ताल में हमले का कारण आपसी विवाद होना बताया है। फिलहाल आरोपी पुलिस पकड़ से दूर है।

नोखा में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नोखा, (निसं)। क्षेत्र की नागौर रोड पर देर रात एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान चरकड़ा गांव निवासी संपतलाल (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि संपत लाल की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, संपतलाल नोखा क्षेत्र की एक फैक्टरी में काम करता था और शुक्रवार देर रात अपने काम से लौट रहा था। नागौर रोड स्थित रेलवे ट्रैक पार करते समय वह अचानक सामने से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की तेज रफ्तार के कारण उसे संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर अक्सर लोग शॉर्टकट के तौर पर रेलवे लाइन पार करते हैं, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नोखा के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सब इंस्पेक्टर मोहनलाल मीणा ने बताया कि इस संबंध में मर्ग दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत, तीन बच्चे घायल : लूणकरणसर के सुरनाणा गांव में ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन बच्चे घायल हो गए, जिनमें से दो को बीकानेर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार यह घटना करीब पौने पांच बजे सुरनाणा गांव में हुई। बाइक पर सवार सुरनाणा निवासी समीर (13), सलमान (12) और राहुल (13) इस भिड़ंत में घायल हो गए। हादसे के बाद टाइगर फोर्स अध्यक्ष महिपाल सिंह को सूचना मिली। उन्होंने मौके पर पहुंचकर घायलों को एक निजी वाहन से लूणकरणसर अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों ने भी घायलों को राजकीय उप जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया। अस्पताल में सलमान को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

ए.एन.एम. सुसाइड मामले में डॉक्टर गिरफ्तार

आरोपी डॉक्टर ने मृतक एएनएम से अवैध संबंध की बात कबूल की है : डीएसपी राजेन्द्र जैन

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की कानोड़ थाना पुलिस ने डॉक्टर के सरकारी क्वार्टर में एएनएम के सुसाइड मामले में कानोड़ कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर के डॉ. सुरेन्द्र बिजारणिया को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी राजेन्द्र जैन ने बताया कि आरोपी डॉक्टर ने मृतक एएनएम से अवैध संबंध की बात कबूल की है। पूछताछ में डॉक्टर ने बताया कि एएनएम उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी।

जानकारी के अनुसार दिसंबर में डॉक्टर की शादी के बाद से एएनएम नाराज थी। तब से दोनों के बीच कई बार झगड़ा हो चुका था। 15 अप्रैल की रात को सुसाइड से पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद डॉक्टर सुरेन्द्र के पास उनकी पत्नी का कॉल आया, जिसके बाद वह पत्नी से बात करते हुए क्वार्टर से बाहर आ गया। पीछे से एएनएम ने पंखे पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड के बाद जब डॉक्टर क्वार्टर में वापस पहुंचा तो अंदर से दरवाजा बंद था। डॉक्टर ने दरवाजा तोड़ा तो शव पंखे से लटका मिला था। इसके बाद उसने शव को नीचे उतारा। फिर फर्स्ट फ्लोर से शव को घसीटकर नीचे लाया और अपनी कार में रख दिया। इसके बाद डॉक्टर ने एएनएम की सीकर रहने वाली छोटी बहन को सूचना देकर कहा कि तुम्हारी बहन ने सुसाइड कर लिया है। मैं इसकी बॉडी लेकर आ रहा हूं। इतने में छोटी बहन ने तुरंत अपने बड़े भाई को मामला बताया। भाई ने डॉक्टर को कॉल करके बॉडी उसी जगह छोड़ने की बात कही। इतने में डॉक्टर शव भारी होने से वापस फर्स्ट फ्लोर पर नहीं ले जा सका और नीचे सीढ़ियों पर छोड़कर फरार हो गया था।

परिजनों ने तुरंत इसके बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो डॉक्टर बिजारणिया हॉस्पिटल से गायब मिले, जबकि घटना के दिन उसकी हॉस्पिटल में नाइट ड्यूटी थी। पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी कराई। रात करीब एक बजे चित्तौड़गढ़ की मंगलवाड़ थाना पुलिस ने डॉक्टर को पकड़ा और कानोड़ पुलिस को सौंपा था। एएनएम के भाई ने कानोड़ थाने में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ रेप और हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। भाई ने डॉक्टर पर परेशान कर यौन शोषण का आरोप लगाया।

अवैध गांजे के पौधे जब्त, आरोपी को पकड़ा

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई कर घर के आंगन से अवैध गांजे के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर 26.960 किग्रा. गांजे के पौधे बरामद किये। थानाधिकारी पाटीदार ने बताया कि अभियान के मद्देनजर वांछित आरोपी की तलाश के दौरान गांव भवानपुरा में एक घर के आंगन में गीले गांजे के पौधे पड़े हुए नजर आये। मकान के बाहर खड़े व्यक्ति अशोक पुत्र ज्योतिप्रकाश खांट निवासी भवानपुरा से उक्त गांजे के संबध में पूछने पर मकान के पास अपने कब्जे काश्त खेत में उसके द्वारा ही गांजे के पौधे उगाना बताया।

- **घर के आंगन से अवैध गांजे के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर 26.960 किग्रा. गांजे के पौधे बरामद किये**

गांजे के पौधों का वजन किया गया तो 26.960 किग्रा. होना पाया गया। जिस पर खेत में गांजे के पौधे अवैध रूप से उगाने एवं रखने पर अभियुक्त अशोक के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट का अपराध पाये जाने से गांजे के पौधों की वीडियोग्राफी कर जब्त किया गया।

ओम मेटल्स कन्सोर्टियम प्राईवेट लिमिटेड

ए-2, पलेशिया पृथ्वीराज रोड़, सी-स्कीम जयपुर

योजना का शुभारंभ	योजना का नाम - गोवर्धन विहार योजना, शिवदासपुरा, एच-ब्लॉक, गोवर्धन विहार ग्राम नहारियों का बास, तहसील चाकसू, जिला जयपुर	आवेदन की अन्तिम तिथि
27.04.2026		06.05.2026

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-2015 आर्थिक दृष्टि से कमजोर (ई.डब्लू.एस.) फ्लैट्स का विकासकर्त्ता द्वारा लॉटरी से आवंटन की सूचना

1	योजना मे फ्लैट की संख्या	238
2	फ्लैट का क्षेत्रफल	350 वर्गफीट में 400 वर्गफीट
3	आवंटन दर	रूपये 1680 प्रति वर्गफीट
4	आवेदनकर्ताओं की सूची का प्रकाशन	दिनांक 08.05.2026
5	आवेदनकर्ताओं द्वारा वेबसाईट एवं कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि	दिनांक 08.05.2026 से 11.05.2026
6	प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण की अवधि	दिनांक 12.05.2026
7	प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के लिये गये निर्णय का प्रकाशन अवधि	14.05.2026
8	पात्र आवेदकों की लॉटरी तिथि, समय एवं स्थान	15.05.2026, ए-2, पलेशिया पृथ्वीराज रोड़ स्टेच्यू सर्किल के पास, सी-स्कीम, जयपुर
9	परिवार की सकल वार्षिक आय	रूपये 3,00,000/-

योजना से संबधित अधिक जानकारी, नियम, शर्ते आवेदन फार्म इत्यादि बेबसाईट ews.pallacia.com पर देखी जा सकती है या कार्यालय ए-2, पलेशिया पृथ्वीराज रोड़ स्टेच्यू सर्किल के पास, सी-स्कीम, जयपुर से प्राप्त की जा सकती है। विकासकर्त्ता

युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ तहसील के हरपाल पतराम गांव में बकरियां चराने गए एक 28 वर्षीय युवक सोनू की अचानक बेहोश होकर गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन उसे तुरंत राजगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी राय सिंह सुथार ने बताया कि मृतक के चाचा महीपाल पुत्र मोहर सिंह मेघवाल ने हमीरवास थाने में मर्ग रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 23 अप्रैल को सोनू पुत्र प्रेम रोज की तरह बकरियां चराने गया था तथा खेत में कार्य सींव में कार्य करने लगा, तभी खेत में अचानक वह बेहोश होकर गिर पडा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे संभाला और परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर गए।

अवैध ब्लास्ट से मंडोर एसीपी ऑफिस की छत ढही

एक प्लॉट को समतल कराने के लिए अवैध ब्लास्ट किया गया था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में एक प्लॉट को समतल कराने के लिए किए गए अवैध ब्लास्ट से मंडोर सहायक पुलिस उपायुक्त ऑफिस की छत ढह गई। गनीमत रही कि ऑफिस में कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। घटना नागौर रोड पर नौ मील इलाके में शनिवार तड़के करीब ढाई से तीन बजे के बीच की है।

मंडोर थानाधिकारी शेषकरण ने बताया कि एसीपी कार्यालय के पीछे एक प्लॉट को समतल करने का काम करवाया जा रहा था। वहां की जमीन पथरीली होने के कारण ठेकेदार ने बिना उचित सुरक्षा उपायों के माइनिंग में काम आने वाले विस्फोटक से ब्लास्ट करवा दिया। इस दौरान कई बड़े-बड़े पत्थर उछलकर सीधे एसीपी ऑफिस की छत पर जा गिरे, जिससे छत भरभरा कर ढह गई। विस्फोट और हादसे के बाद वहां काम कर रहे मजदूर घबराकर मौके से भाग गए। थानाधिकारी ने बताया कि सुबह जब रीडर मदन सिंह जब वहां पहुंचे तो उन्हें घटना का पता चला। उन्होंने इसको लेकर अधिकारियों को जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटना स्थल से विस्फोटक और अन्य अहम साक्ष्य जुटाए हैं। सुबह जब रीडर और अन्य स्टाफ एसीपी ऑफिस पहुंचा, तो कार्यालय की हालत देखकर दंग रह गए। छत का एक हिस्सा पूरी तरह टूट चुका था और जो हिस्सा बचा है, उसमें भी बड़ी दरारें आ गई हैं, जिनसे खतरे का डर बना हुआ है।

ठगी का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। थाना सेवर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी छगनलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़ित के खाते से 1 लाख 73 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए निकाल लिए थे। पुलिस के अनुसार 16 फरवरी को गांव चितोकरी थाना सेवर निवासी अमरसिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैंक खाते से 1,73,746 रुपए निकाल लिए। इस पर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी सतीश शर्मा के नेतृत्व में जांच के दौरान आरोपी छगनलाल पुत्र ओटाराम माली (35) निवासी जालौर, हाल निवासी मैसूर कर्नाटक को गिरफ्तार किया गया।

भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ता सुनेंगी ''मन की बात''

जयपुर। भाजपा महिला मोर्चा रविवार प्रातः 11 बजे सांगानेर स्थित कैंप ऑफिस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण करेगा।

खोया पाया

संदीप कुमार पुत्र श्रीराम मेघवाल निवासी नांगल उदिया तहसील मुंडावर जिला ख़ैरथल तिजारा यह है कि मेरा प्लॉट खसरा नंबर 72 नांगल उदिया के कागजात रास्ते में कहीं गिर गए है यदि किसी को मिले तो निम्न मोबाइल नंबर पर सूचना देवे- 8107831081

नाम परिवर्तन

मैंने अपना Name Arti Chundawat se Aarti Chundawat कर दिया है भविष्य में मुझे इसी से जाना जाए

मैं आर्मी न. JC-290089A सूबेदार (गनर) देवेद्र कुमार सिंह। यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे माता जी का नाम। अभी राजी सिंह (ABHI RAJI SINGH) और जन्मदिनाँक 01.07.1951 है जो की गलत है। मेरे माता जी का सही नाम अभीरजीया देवी (ABHIRAJIYA DEVI) और जन्मदिनाँक 01-01-1955 है।

I have changed my name from Kavita Brahamwar to Kavita Khanna W/o Pankaj Khanna after marriage R/o E-4, Bank Colony, Ambabari, Jaipur. For all purpose.

I Army no 15149377P Ex NK (DMT) Vikram Singh Yadav resident of village jodhpura post mohanpura tehsil Kotputli district jaipur that i want to change name of my spouse from ARATI DEVI to ARTI YADAV vide affidavit date 22/04/26 before sub divisional majistrate kotputli behror

I army no 2691366M Ex NK Devendra Singh resident of plot no 30 Chand Bihari nagar khatipura Jaipur that i want to change name of my spouse from NITESH KANWAR To NITESH SHEKHAWAT vide affidavit dated 23/4/26 before sub divisional majistrate Jaipur first Jaipur

I km seema devi D/O army no 2870486F Late HAV ashok kumar resident of plot 215 bhartendu nagar khatipura jhotwara jaipur that I want to change my name from KM SEEMA DEVI To SEEMA SHEKHAWAT vide affidavit dated 13,/4/26 before tehsildar office jaipur

राजस्थान यूनिवर्सिटी में 250 में से 197 स्वर्ण पदक छात्राओं के नाम

35वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति और राज्यपाल

जयपुर (कासं)। जयपुर स्थित राजस्थान विश्वविद्यालय का 35वां दीक्षांत समारोह शनिवार को गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवा देश के सच्चे राष्ट्र निर्माता हैं और उन्हें अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को राष्ट्रहित से जोड़ने और रोजगार मांगने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत1947' विजन का उल्लेख करते हुए युवाओं को उद्यिमता और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की कि वर्ष 2024-25 में वितरित 250 गोल्ड मेडल में से 197 महिला विद्यार्थियों ने हासिल किए हैं। उन्होंने इसे बदलते भारत की सकारात्मक तस्वीर बताते हुए कहा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को स्टेट हैंगर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन को दिल्ली प्रस्थान से पहले पुष्प गुच्छ भेंटकर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कि नारी शक्ति देश की नींव है और इसे और सशक्त करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं।समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसानराव बागडे ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए ईमानदारी, नैतिकता और राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए इसे राष्ट्र के लिए खतरा बताया और इससे दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा देश के युवाओं को कमजोर बना रहा है और

■ **युवा राष्ट्र निर्माता, ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण में करें: उपराष्ट्रपति**

इसे रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से भारत को समर्थ और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में योगदान देने का आव्हान किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेम चंद बैरवा ने भीमराव अंबेडकर को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने युवाओं को धैर्य, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राज्यसभा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि इसकी आधारशिला सी. राजगोपालाचारी द्वारा रखी गई थी। कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह में राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को उपाधियां एवं पदक प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऑपरेशन एंटी वेनम : 6 लाख का डोडा-चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार

दूदू थाना पुलिस ने 40 किलो 550 ग्राम अवैध डोडा छिलका के साथ तस्कर को दबोचा।

जयपुर। जयपुर ग्रामीण पुलिस के ऑपरेशन एंटी वेनम अभियान के तहत दूदू थाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कूटी सवार एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध डोडा-छिलका बरामद किया है।

जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद ने बताया कि रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार 1 से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा के सुपरवीजन और थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध स्कूटी को रुकवाया।

तलाशी लेने पर स्कूटी पर रखे दो प्लास्टिक कट्टों में अवैध डोडा-छिलका मिला। वजन करने पर इसकी मात्रा 40 किलो 550 ग्राम पाई गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 6 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी रामवतार (30) निवासी बाना की ढाणी धांधोली (दूदू) को गिरफ्तार कर स्कूटी जब्त कर ली है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर नशा तस्करी के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है, साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि खेप कहां से लाई गई और किसे सप्लाई की जानी थी। इस कार्रवाई में थानाधिकारी मुकेश कुमार, एएसआई बाबूलाल, कांस्टेबल सांवरमल, प्रकाश और महेश की विशेष भूमिका रही।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कल आएंगे राजस्थान

टोंक सहित 7 भाजपा कार्यालयों का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को प्रदेश प्रवास पर रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार प्रदेश आ रहे नितिन नवीन के स्वागत में प्रदेशवासी राजस्थानी परंपरा से स्वागत करेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार प्रातः 10.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट आएंगे। यहां से रवाना होकर 11.15 बजे टोंक पहुचेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन टोंक में 11.30 बजे टोंक भाजपा जिला कार्यालय सहित बूंदी, प्रतापगढ, डूंगरपुर, चूरू, पाली, बाडमेर कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इस दौरान जालोर भाजपा जिला कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह का सीधा लाइव प्रसारण किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कार्यकर्ताओं व आमजन को संबोधित करेंगे।

बगड़ी ने बताया कि टोंक से रवाना होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 2.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पहली बार प्रदेश मुख्यालय पहुंचने पर जयपुर एयरपोर्ट से प्रदेश कार्यालय तक विभिन्न जगहों पर उनका स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। इस दौरान युवा मोर्चा कार्यकर्ता एयरपोर्ट से कार्यालय तक बाइकों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वाहनों की अगुवाई करते हुए जुलुस के साथ चलेंगे। जयपुर एयरपोर्ट के बाद,पत्रिका गेट, डब्ल्यू टीपी, शिक्षा संकुल, कनोडिया कॉलेज गांधी सर्किल, जेडीए सर्किल, रामबाग सर्किल, अंबेडकर सर्किल, बाइस गोदाम सर्किल, राजमहल पैलेस पर स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पहुंचने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का यहां भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक और कोर कमेटी की बैठक होगी। बैठक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

बोत्सवाना के उच्चायुक्त ने जयपुर डेयरी की कार्यप्रणाली को सराहा

जयपुर। बोत्सवाना के उच्चायुक्त गिल्बर्ट शीमाने मंगोल ने शनिवार को जयपुर डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया और सरस डेयरी की कार्यप्रणाली की खुलकर प्रशंसा की। डेयरी की व्यवस्थाओं को देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए और अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे वंडरफुल, ग्रेट, आई एम इम्प्रेस्ड तथा वाइड रेंज ऑफ क्वालिटी मिल्क प्रोडक्ट्स जैसे शब्दों में सराहा।

जयपुर डेयरी को एक आदर्श डेयरी मॉडल बताते हुए उन्होंने कहा कि इस मॉडल को अपने देश बोत्सवाना में भी लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने उन्हें बताया कि जयपुर डेयरी से जुड़े कुल दुग्ध उत्पादकों में आधे से अधिक महिलाएं हैं। यह जानकर उच्चायुक्त ने विशेष आश्चर्य और प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने जयपुर डेयरी द्वारा संचालित मायरा योजना की सराहना करते हुए राज्य में दुग्ध उत्पादकों के सामाजिक एवं आर्थिक

बोत्सवाना के उच्चायुक्त गिल्बर्ट शीमाने मंगोल ने शनिवार को जयपुर डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया।

उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी प्रशंसा की।जयपुर डेयरी के उचाधिकारियों ने उच्चायुक्त एवं आरसीडीएफ की प्रबंध संचालक का स्वागत किया तथा उन्हें जयपुर डेयरी प्लांट, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्लांट, टेट्रा पैक प्लांट एवं डेयरी की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। राजस्थान पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार जयपुर निवासी 24 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज कराया कि नवंबर 2025 में जोधपुर में तैनात एक कांस्टेबल से उसकी शादी की बात चली थी।

इस दौरान आरोपी ने मुलाकात के लिए उसे जयपुर बुलाया और दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हो गई। जनवरी 2026 में आरोपी कांस्टेबल छुट्टी लेकर जयपुर आया और युवती को होटल में मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि वहां आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया।

विरोध करने पर उसने जल्द शादी करने का भरोसा देकर उसे चुप करा दिया। इसके बाद आरोपी ने 2-3 बार और मुलाकात की, लेकिन जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने साफ इनकार कर दिया।

धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने परिजनों को जानकारी देकर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मेडिकल जांच व पर्चा बयान के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

जयपुर बाल्मिकी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर (राज.) रजि. नं. 2511 एल
33, जोशी कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर-302015
पत्र संख्याः JPR/26/291 दिनांकः 25/04/2026

आम सूचना- सर्वे साधारण को सूचित किया जाता है कि समिति कि योजना दधीची नगर स्थित सीकर रोड़ जयपुर में भूखण्ड संख्या A-46 क्षेत्रफल 200 वर्गगज समिति के उपलब्ध रिकॉर्डनुसार श्री सीताराम बलाई पुत्र श्री अणदाराम को दिनांक 19.08.2000 को आवंटित दर्ज है। आवंटित सदस्य द्वारा समिति से जारी मूल दस्तावेज (आवंटन पत्र, रसीद, साइडप्लान) खो जाने बाबत एक गुमशुदगी की रिपोर्ट No-279970062401409/2024 दिनांक 08.07.2024 को दर्ज करवाकर शपथ पत्र व स्व प्रमाणित प्रतियों के माध्यम से उपरोक्त वर्णित भूखण्ड संख्या A-46 के डुप्लीकेट दस्तावेज श्री सीताराम बलाई पुत्र श्री अणदाराम के नाम से जारी करने का निवेदन समिति कार्यालय में किया गया है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेज जारी करने पर यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या अन्य किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो समिति कार्यलय 33, जोशी कॉलोनी टोंक फाटक बरकत नगर जयपुर पर मय दस्तावेज 15 दिवस में सम्पर्क करें अन्यथा 15 दिवस पश्चात नियमनुसार भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेज जारी कर दिये जायेंगे। इस बाबत समिति अथवा समिति के पदाधिकारियों को कोई जवाब दे ही नहीं होगी। सूचित रहें। **जरिये अध्यक्ष/मंत्री**

सैशन सिटी ऑफ आर्टिस्ट्स का आयोजन

जयपुर। कला, संस्कृति और विधि जगत से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। मौका था सी-स्कीम स्थित आईसीए गैलरी में शनिवार को एक विशेष संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के जाने-माने आईपी सलाहकार सफ़िर आनंद ने एक ख़ास सेशन सिटी ऑफ आर्टिस्ट्स को सम्बोधित किया।

जयपुर सहित 7 शहरों में हल्की बारिश

राजसमंद में गिरे ओले, बाड़मेर में पारा 46 डिग्री पहुंचा

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी के बीच अचानक मौसम बदल गया। प्रदेश के सात शहरों में बारिश हुई। प्रदेश के 6 शहरों का पारा 44 डिग्री के पार दर्ज किया गया। बाड़मेर सबसे गर्म रहा, यहां 46 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार दोपहर बाद मौसम पलटा। जयपुर, बीकानेर, पिलानी, सीकर, सवाई माधोपुर और बाड़मेर जिले में शनिवार को बारिश हुई। राजसमंद जिले में बारिश के साथ ओले भी गिरे। बीकानेर के नोखा में दोपहर में अचानक मौसम बदला और बारिश हुई। वहीं सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में दोपहर 3 बजे आधे घंटे तक तेज बरसात हुई। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ में शाम 4 बजे के बाद आधे घंटे तक बारिश हुई। कुछ जगह ओले भी गिरे। सीकर में शाम करीब 4:15 बजे तेज धूप के बीच 5 मिनट तक बारिश हुई। इसके बाद लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। झुंझुनूं में दोपहर बाद आंधी के साथ बारिश हुई।

मौसम विभाग ने 25 और 26 अप्रैल को हीटवेव की चेतावनी दी है। वहीं दो दिन बाद एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) राज्य में सक्रिय होगा।

इसके प्रभाव से 16 जिलों में आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। राज्य में कुछ जगहों पर उष्ण लहर और उष्ण रात्रि दर्ज होने के साथ ही मौसम शुष्क रहा। वर्तमान में अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री दर्ज किया जा रहा हैं जो औसत सामान्य तापमान से अधिक है।

ग्राम का रोड शो आज बैंगलुरु में

जयपुर। राजस्थान को कृषि नवाचार और एग्रीटेक निवेश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसी क्रम में 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026' के तहत 26 अप्रैल रविवार को बेंगलुरु में रोडशो आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा किया जा रहा है। यह रोडशो देश के प्रमुख टेक और स्टार्टअप हब बेंगलुरु में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एग्रीटेक क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना, तकनीकी साझेदारियों को बढ़ावा देना तथा राजस्थान की कृषि क्षमताओं और नीतिगत प्रोत्साहनों को उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ किरोड़ीलाल उपस्थित रहेंगे। वे राज्य में कृषि और एग्रीटेक क्षेत्र के विकास, निवेश-अनुकूल वातावरण और भविष्य की रणनीतियों पर अपने विचार साझा करेंगे।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 167/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री पंकज शर्मा पुत्र श्री कालूराम निवासी ग्राम माहेश्वरी पो. माहेश्वरी जिला रेवाडी हरियाणा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत बाबा जोतराम जी नशा मुक्ति फाउण्डेशन ट्रस्ट पुराना रोड़ तिजारा रोड़, आलमपुर भिवाडी, टपूकडा, जिला खैरथल-तिजारा, राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 21.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 29.06.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

आम सूचना **जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**
रामकिशोर व्यास भवन,
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone 08/2026/D-187

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 287534 दिनांक 15/03/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीज धारक का नाम	भू. सं.	भू. क्षे.	गृ.नि. स.स./ निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Manak Chand Jotwani S/o Late Dularam	श्री मानक चन्द जोटवानी पुत्र स्व0 श्री दुलाराम	172	200.00 SQ. YARD	Cooperative	Sachi walyA Vihar Scheme No-27	Issue of [Lease /Free Hold] Deed (E Patta)	सहकारी समिति की गुम रसीद

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। **उपेंद्र शर्मा**
उपायुक्त, जोन-08 जविप्रा, जयपुर

आम सूचना

मैं रूखसार बानो पुत्री श्री मुन्ना खान मेरे प्लाट बाबा.आर. एन.गौड सहकारी समिति के कागज प्लाट नं. 17A गोविन्द विहार, गोविन्द नगर, सांगानेर, जयपुर का पट्टा, साइड प्लान व रसीद सांगानेर बाजार में गिर गये है। मिलने पर सूचित करें। रूखसार बानो- 7737449816

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रशिक्षण बेहतर प्रशासन के साथ कार्यकुशलता व संवेदनशील निर्णय की आधारशिला : मुख्य सचिव

एचसीएम रीपा में वर्ष 2024 बैच के आई.ए.एस. प्रोबेशनर्स का विदाई सत्र हुआ

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा) में वर्ष 2024 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रोबेशनर्स लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी में होने वाले आगामी 4 माह के अंतिम चरण के प्रशिक्षण को पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ संपन्न करें।

उन्होंने कहा कि अगस्त 2026 में उपखंड मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के रूप में कार्यभार संभालने के दौरान यह प्रशिक्षण उन्हें कार्यकुशलता और संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्य सचिव शुक्रवार को वर्ष-2024 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स के लिए आयोजित विदाई सत्र को संबोधित कर रहे थे।

हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा ने मुख्य सचिव को प्रोबेशनर्स द्वारा प्रस्तुत की गई जिला प्रशिक्षण रिपोर्ट और राज्य सरकार की फ्लैगशिप

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने एचसीएम रीपा में वर्ष 2024 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स को संबोधित किया। इस मौके पर महानिदेशक श्रेया गुहा भी मौजूद थी।

योजनाओं पर आधारित प्रस्तुतियों का अवलोकन करवाया। इस दौरान गुहा ने एचसीएम रीपा संस्थान को देश के अग्रणी राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र बताते हुए यहाँ संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। गुहा ने प्रोबेशनर्स के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें भविष्य में लोक सेवा की उच्चतम मर्यादाओं को बनाए रखने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम के दौरान प्रोबेशनर्स ने अपने जिला प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा करते हुए राज्य की प्रमुख विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और क्षेत्रीय चुनौतियों पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने

■ **अब यह प्रोबेशनर्स मसूरी में 4 माह के अंतिम प्रशिक्षण के लिए रवाना होंगे**

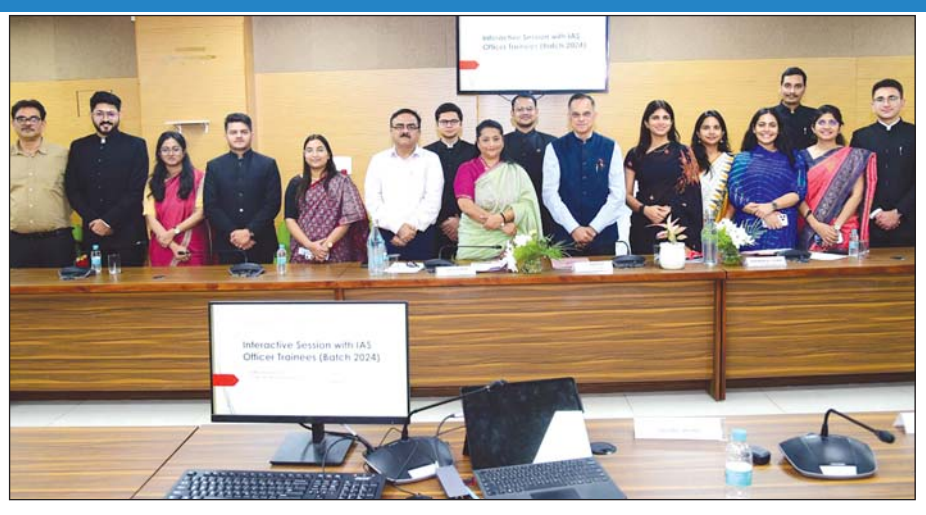

बताया कि क्षेत्रीय प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें धरातल पर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को समझने और आमजन की समस्याओं के निराकरण का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ है। इन प्रस्तुतियों में राज्य के विकास के प्रति प्रोबेशनर्स के नवीन दृष्टिकोण को सराहा गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हेमंत गेरा, अम्बरीष कुमार तथा समित शर्मा ने भी सभी युवा अधिकारियों को उनकी आगामी नई भूमिकाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण के इस महत्वपूर्ण चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात 2024 बैच के यह अधिकारी अब अपने प्रशिक्षण के समापन के लिए मसूरी हेतु प्रस्थान करेंगे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास, खैरथल-तिजारा

क्रमांक-346 **प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए** दिनांक-23/04/2016

लोक सूचना

आवेदक / खातेदार श्री शेरसिंह पुत्र श्री मवासी राम निवासी दयालपुर, किशनगढ़बास श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री नवासी राम निवासी ओदरा, किशनगढ़बास जिला खैरथल तिजारा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले का नाम सहित तहसील	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
किशनगढ़बास खैरथल-तिजारा	दयालपुर हल्का पटवार	79,80,81	1.1800 है (11800 वर्गमीटर)

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज 23/04/2026 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी, नगरपालिका किशनगढ़बास

जब आखिरी 3 ओवरों में 22-25 रन चाहिए थे, तब टीम को अनुभवी गेंदबाजों को मौका देना चाहिए था ताकि मैच आखिरी ओवर तक खिंच सके। - वीरेन्द्र सहवाग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, 'क्रिकबज' पर एक बातचीत के दौरान बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लुगी एनगिडी

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुए आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले से आई तस्वीरों ने फैंस को चिंता में डाल दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी एक कैच लेने के बाद अपने सिर के बल गिरे, जिसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से मैदान से बाहर लेकर जाया गया। हालांकि, एनगिडी जब बाहर गए, तब वह होश में थे और फिजियो से बातचीत कर रहे थे। एनगिडी के चोटिल होने के चलते मैच काफी देर तक रूका रहा। शुरुआत में यह नॉर्मल लगा, लेकिन जब फिजियो आए और उन्हें जांचा तो खिलाड़ियों के चेहरों पर चिंता साफ झलकने लगी।

क्या आप जानते हैं ?... न्यूजीलैंड के पूर्व ओपनर मार्टिन गप्टिल ने 21 मार्च 2015 को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप 2015 के मैच में 163 गेंदों पर नाबाद 237 रन ठोक दिए। यह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी पारी है।

सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान हारा, हैदराबाद पांच विकेट से जीता

अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की फिफ्टी

जयपुर, 25 अप्रैल। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हार का सामना करना पड़ा। 2026 के 36वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए।

229 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही हैदराबाद ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ईशान किशन ने 74 रन और अभिषेक शर्मा ने 57 रन की तेज पारियां खेलीं। नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 और हेनरिक क्लासन ने 29 रन का योगदान दिया। राजस्थान से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। इससे पहले राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 103 रन बनाए। उन्होंने 36 गेंदों में शतक पूरा किया। वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं ध्रुव जुरेल ने 51 रन और डोनोवन फरेरा ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए।

हैदराबाद की ओर से ईशान मलिंगा ने 2 विकेट लिए, जबकि पैट कमिंस, नीतीश रेड्डी, साकिब हुसैन और प्रफुल्ल हिंगे को 1-1 सफलता मिली। हैदराबाद ने लक्ष्य हासिल करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की। अंत में सलील अरोड़ा ने 18.3 ओवर में छक्का जड़कर मैच खत्म किया। इस रनचेज में ईशान किशन ने 31 गेंदों में 74 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। अभिषेक शर्मा ने 57 रन बनाए। उनके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने अहम योगदान देकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी की 36 गेंदों में 103 रन की शानदार सेंचुरी रही, लेकिन खराब फील्डिंग और कैच छोड़ने की वजह से टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। कप्तान रियान पराग ने भी मैच के बाद माना कि टीम ने कई आसान कैच छोड़े, जिसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में भुगतना पड़ा।

ब्रजेश को 18वें ओवर में 2 विकेट

18वें ओवर में सिर्फ 7 रन आए, लेकिन दो बड़े विकेट भी गिर गए। 17.2 ओवर में उन्होंने रेड्डी को सटीक यॉर्कर पर आउट किया। इसके बाद 17.6 ओवर में क्लासन भी फुलटॉस गेंद पर शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग पर कैच दे बैठे।

मौजूदा चैम्पियन कार्लोस अल्काराज कलाई की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी।

स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, "आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।"

अल्काराज़ ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था।

इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे। सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज़ जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा, "टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे।" इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।

ओलंपिक मेडलिस्ट भारतीय हॉकी लीजेंड गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का निधन, खेल जगह में शोक की लहर

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। भारतीय हॉकी के दिग्गज और 1968 ओलंपिक मेडलिस्ट गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का 84 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरबख्श सिंह को हार्ट अटैक आने के कारण उनकी मृत्यु हुई। गुरबख्स सिंह ने 1968 में भारत के लिए ओलंपिक्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, ग्रेवाल ने जीरकपुर में हार्ट अटैक के कारण शुक्रवार को अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, खासकर हॉकी समुदाय में शोक की लह दौड़ गई है। गुरबख्श ने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह से वे उन कुछ भाईयों की जोड़ी में शामिल हैं जो एक साथ ओलंपिक में खेले। गुरबख्श ने अपने खेल करियर के अलावा पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में काम किया, जहां उन्होंने राजस्थान की कई प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें रेलवे हॉकी टीम में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई में सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद वह खेल प्रशासन में सक्रिय रहे। वह मुंबई हॉकी संघ के मानद सचिव भी रहे।

श्रीसंत ने हरभजन सिंह को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम के दो पूर्व खिलाड़ियों, एस श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच 2008 का थप्पड़ कांड फिर चर्चा में है। 16 साल पुराने इस विवाद ने दोनों के रिश्ते खत्म कर दिए हैं। श्रीसंत ने खुलासा किया कि उन्होंने हरभजन सिंह को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया है और अब कोई संबंध नहीं रखना चाहते। केरल के मीडिया हाउस मातृभूमि को दिए इंटरव्यू में श्रीसंत ने कहा, 'मैंने आज तक किसी इंटरव्यू में भज्जी (हरभजन) के बारे में बात नहीं की, यह पहली बार है। कुछ समय पहले तक सब ठीक था, लेकिन उन्होंने उस विवाद पर फिर से एक विज्ञापन बनाया। उन्होंने इसके लिए करीब 80 लाख से 1 करोड़ रुपए लिए। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मैं अपने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को लेकर स्टोरी पोस्ट करूं।' रिपब्लिक डे पर विज्ञापन जारी किया गया था यह विज्ञापन जनवरी 2026 में एक मार्केटिंग ऐप की गणतंत्र दिवस सेल के लिए जारी किया गया था। इसमें हरभजन सिंह को 'चांटा क्लास' के टीचर के रूप में दिखाया गया है, जो लोगों को यह समझाते हैं कि खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान को थप्पड़ मारकर ठीक करने की पुरानी आदत छोड़ें और उसकी जगह एप से नए प्रोडक्ट खरीदें। विज्ञापन में मजाकिया अंदाज में हरभजन कहते हैं, 'सही से थप्पड़ लगाओ, सब ठीक हो जाता है,'।

// पंजाब ने आईपीएल का सबसे बड़ा टारगेट चेट किया //

दिल्ली को 6 विकेट से हराया, काम ना आई राहुल की रिकॉर्ड 152 रन की पारी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में लगातार सातवीं जीत दर्ज की। टीम ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया। दिल्ली ने अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 2 विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 265 रन का लक्ष्य 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। पंजाब 7 मैचों में 7 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। वहीं, दिल्ली की 7 मैचों में यह चौथी हार थी। राहुल आईपीएल में 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय: दिल्ली के केएल राहुल ने नाबाद शतक लगाया। उन्होंने 152 रन बनाए। यह में किसी भारतीय का सबसे बड़ा स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम था। उन्होंने पिछले सीजन पंजाब के खिलाफ 141 रन की पारी खेली थी। दिल्ली की ओर से नीतीश राणा ने 91 रन बनाए। राहुल और राणा के बीच दूसरे विकेट के लिए 220 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस ने नाबाद 71 रन बनाए: 265 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पंजाब के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर और ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने अर्धशतक लगाए। प्रभसिमरन सिंह ने 26 बॉल पर 76 रन। जबकि श्रेयस ने 36 बॉल पर नाबाद 71 रन बनाए। इन दोनों के अलावा प्रियांश आर्या ने 43 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन और प्रियांश के बीच पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी हुई। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। अक्षर पटेल और विप्रज निगम को 1-1 विकेट मिला। एनगिडी को गंभीर चोट: पंजाब की पारी के तीसरे ओवर के दौरान दिल्ली के पेसर लुंगी एनगिडी को चोट लग गई। मेडिकल टीम ने तुरंत पहुंचकर उनका इलाज शुरू किया। एनगिडी को एंबुलेंस से हॉस्पिटल लेकर गए। चोट के चलते खेल रोका गया था, जो करीब 15 मिनट बाद शुरू हुआ। मैनेजमेंट ने ट्वीट कर जानकारी दी कि एनगिडी की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें जल्द डिस्चार्ज किया जाएगा।

52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

राहुल की आतिशी पारी से गोलछा जिमखाना जीता

जयपुर, 25 अप्रैल। क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह ग्राउण्ड पर खेले गये दुसरे दौर के मैच में गोलछा जिमखाना ने राहुल शर्मा 160 रन नाबाद की (91 गेंद 11 चोके 15 छक्के) की नाबाद तुफानी शतकीय पारी आर्यन कुमावत 42 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबादी की बदौलत मैत्री क्रिकेट क्लब को 3 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया। टॉस जीतकर मेत्री क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आयुष आमेरिया 51 मोहम्मद जैद 49 रन मनीष 22 रन नाबाद वरदान शर्मा 18 रन यश यश शर्मा की पारियों के मदद से मंत्री क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवर में 9 विकेट खोकर 219 रन बनाये गेंदबाजी में गोलछा जिमखाने आर्यन कुमावत 42 रन पर 4 विकेट पूरव शर्मा 53 रन पर 2 विकेट तथा रोनक सैनी, सार्थक सैनी व राहुल शर्मा ने 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में गोलछा जिमखाना ने मैत्री क्लब के एकलव्य 42 रन पर 4 विकेट व अनस मंसूरी 16 रन पर 1 विकेट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए गोलछा जिमखाना के 5 विकेट 6.5 ओवर में 45 रन पर ले लिये लेकिन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने उतरे राहुल शर्मा 160 रन नाबाद (91 गेंद 11 चोके 15 छक्के) की बेमिसाल पारी 160 रन की बदौलत गोलछा जिमखाना ने यह लक्ष्य 28.5 ओवर में 7 विकेट पर 223 रन बना कर 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली गेंदबाजी में मैत्री क्लब के एकलव्य 42 रन पर 4 विकेट व अनस मंसूरी 16 रन पर 1 विकेट तथा अयान खान ने 21 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच राहुल शर्मा गोलछा जिमखाना क्लब।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, जड़ा छठा शतक, 19 साल में पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। जब से केएल राहुल ने लखनऊ की कप्तानी छोड़ी है, तब से उनकी बैटिंग का ग्राफ लगातार ऊपर की और गया है। और इसका बड़ा सबूत केएल राहुल ने शनिवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ सुपर से ऊपर अंदाज में दिया। केएल राहुल ने तूफानी शतक जड़ते हुए आईपीएल में अपना छठा शतक जड़ा, तो इसी के सात ही उन्होंने वह कारनामा कर दिखाया, जो टूर्नामेंट के 19 साल के इतिहास में पहले कोई दूसरा बल्लेबाज नहीं ही कर सका।

इतिहास में केएल राहुल पहले बल्लेबाज

केएल राहुल ने पंजाब और खासकर लेफ्टी अर्शदीप की बुरी तरह सुतली खोलते हुए तूफानी शॉटों की झड़ी लगा दी। और वह सिर्फ 67 गेंदों पर 16 चौके और 9 छक्कों से खेली 152 रनों कीनाबाद शतकीय पारी के साथ केएल राहुल आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों के लिए दो शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। दिल्ली कैपिटल्स के अलावा केएल राहुल ने लखनऊ सुपर जॉयंट्स और पंजाब किंग्स के लिए दो-दो शतक बनाए हैं। वहीं, संजू सैमसन और क्विंटन डि कॉक और दो बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अलग-अलग तीन टीमों के लिए मेगा टूर्नामेंट में एक-एक शतक जड़ा है।

पंजाब के लिए बड़ा चैलेंज

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनने के बाद पथुम निसानका (11) के रूप में पहला विकेट जल्द ही गिर गया था, लेकिन उसके बाद तो कप्तान केएल राहुल (नाबाद 152 रन, 67 गेंद, 16 चौके, 9 छक्के) और लेफ्टी नितीश राणा (91 रन, 44 गेंद, 11 चौके, 4 छक्के) ने मिलकर पंजाब के गेंदबाजों का पहले से प्रचंड गर्मी में पसीना छुड़ा दिया। इन दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 रन की साझेदारी की। ये धुनाई करते रहे और पंजाब के गेंदबाज गर्मी में असाय पड़ गए। खासकर राहुल ने स्टेडियम में जमा हजारों दर्शकों के पैसे वसूल करा दिए. और उनकी इस पारी से दिल्ली ने 2 विकेट पर 264 रन बनाए।

उद्घाटन मैच नागणेची क्लब डुडसी ने जीता

जालोर, 25 अप्रैल। जालोर जिले के बागरा कस्बे के आकोली रोड पर स्थित सांवरिया गौशाला के मैदान में शनिवार को सुबह क्षत्रिय राजपूत समाज केपीआर एल एल प्रथम बागरा का शुभारंभ जागनाथ महादेव मंदिर नारणावास के महन्त महेंद्र भारती के सानिध्य में विधी विधान पूर्वक मंत्रोचार के साथ पंडित कमलेश कुमार द्वारा पुजा अर्चना के साथ किया गया। आयोजन समिति के नरपतसिंह राङ्गौड एवं सुरज सिंह ने बताया कि 4 दिवसीय इस प्रतियोगिता में क्षेत्र भर की करीबन 16 टीमें भाग ले रही है पहले दिन शनिवार को 6 मैच खेले जायेंगे प्रतियोगिता का उद्घाटन महन्त महेंद्र भारती ने बल्ले से बाल खेलकर किया उद्घाटन मैच नागणेची क्लब डुडसी व चांदणा की टीम के बीच खेला गया। जिसमें नागणेची क्लब ने पहले बल्लेबाजी कर 156 रन बनाए जबकि चांदणा की टीम 78 रन ही बना सकी इस मैच में नागणेची क्लब की टीम विजय रहीं वहीं दुसरा मैच शांतिनाथ क्रिकेट क्लब बागरा व मानदाता आकोली टीम के साथ खेला गया जिसमें मानदाता आकोली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 79 रन बनाये इसके जबाव में शान्ति नाथ क्रिकेट क्लब बागरा ने 9 विकेट शेष रहते जीत हासिल की वही तीसरा मैच बनाराज टाईटन एवं सिंधल भारमलोत अनूज बागरा के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाराज ने 138 रनों का विशाल स्कोर खडा किया जबाव सिंधल भारमलोत अनूज बागरा ने 70 रन बना पाई। इस मैच में बनाराज टाईटन ने जीत हासिल की चौथा मैच पैरोट किंग बैंगलोर व राजपुताना बैंगलोर के बीच खेला गया।

प्रीत की हैट्रिक से जीता ब्रदर यूनाइटेड फुटबाल क्लब

जयपुर, 25 अप्रैल। राजस्थान फुटबॉल संघ और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सयुंक्त तत्वाधान में जारी आर लीग डिवीज़न फुटबॉल लीग के आज तीन मैच खेले गए। मैचजिंक फुटबाल अकादमी और जयपुर सिटी फुटबाल क्लब के बीच मैच खेला गया। जिसमें जिंक फुटबाल अकादमी ने 4-1 से मैच अपने नाम किया। मैच के 12 मिनट में अभित ने पहला गोल किया दूसरा गोल यश ने 27 मिनट में किया और तीसरा गोल बिस्वाजीत ने 36 मिनट प्लेन्टी में किया व चोथा गोल अभित ने 47 मिनट मे किया। दूसरा मैच जेरठी फुटबाल क्लब और रेहान फुटबाल क्लब के बीच खेला गया। जिसमें जेरठी फुटबाल क्लब ने रेहान फुटबाल क्लब कों 3-1से हराया जिसमें जेरठी फुटबाल क्लब की तरफ से पहला गोल कयूम ने 18 मिनट मे किया और दूसरा गोल अभिषेक ने 55 मिनट मे किया ओर तीसरा गोल विजयपाल ने 70 मिनट मे किये और रेहान फुटबाल क्लब की तरफ से एक गोल युधिष्ठिर ने 37 मिनट मे किया। दिन का अंतिम मैच ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और सनराइज फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने सनराइज फुटबॉल क्लब को 5-1 से हराया ब्रदर की तरफ से प्रीत ने 35, 39,व 75 मिनट मे तीन गोल किये और एक गोल सुरेश ने 43 मिनट मे किया और एक गोल रूपेन्द्र सिंह ने (90 5) मिनट मे किया व सनराइज फुटबॉल क्लब की तरफ से एक गोल आशीष सरकार ने 54 मिनट मे किया संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 20 मार्च से शुरू हुई आर लीग 1 महीने तक चलेगी। कुल 42 मैच खेले जाएंगे। अब तक 39 मैच खेले जा चुके हैं और लास्ट मैच राजस्थान लीग के 28 अप्रैल को खेले जाएंगे।

स्वस्थ होकर भी कपूर कोनोली क्यों नहीं कर रहे गेंदबाजी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। आईपीएल 2026 में 22 वर्षीय ऑलराउंडर कूपर कोनोली पूरी तरह फिट होकर भी गेंदबाजी ना करने के कारण चर्चा में हैं। शनिवार को आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स का मैच खेला गया। एक तरफ दिल्ली के बल्लेबाज चौके-छक्कों की बारिश कर रहे थे। लेकिन पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कूपर कोनोली को गेंद नहीं थमाई।अपने टी20 करियर में कूपल कोनोली 30 विकेट ले चुके हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैचों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने नियमित गेंदबाजी की है। आईपीएल 2026 में उन्होंने अभी तक गेंदबाजी तो नहीं की लेकिन बल्लेबाजी में दम दिखाते हुए उन्होंने 7 पारियों में 233 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी करीब 164 का है और दो अर्धशतकीय पारी खेल चुके हैं। जब खिलाड़ी बढ़िया फॉर्म में हो, तो भी उनके हाथों में गेंद ना थमाने का आखिर क्या कारण है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों की फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऑस्ट्रेलिया को अगले महीनों खूब सारा क्रिकेट खेलना है इसलिए सारे खिलाड़ियों के फिटनेस लेवल का ध्यान रखा जा रहा है। इसलिए आईपीएल में गेंदबाजी करने से पहले खिलाड़ियों को बोर्ड से अनुमति लेनी होती है। कुछ दिन पहले केकेआर के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से अनुमति मिलने के बाद ग्रीन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए गेंदबाजी शुरू कर दी है।

विराट कोहली ने बहुत बड़ी कर दी लकीर, रोहित का आगे निकलना बहुत मुश्किल, वैभव, अभिषेक तोड़ पाएंगे चैलेंज

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। पूर्व कप्तान विराट कोहली की उम्र भले ही बढ़ रही हो, लेकिन उनके बल्ले की जवानी किसी पुरानी शराब की तरह ही फैंस को मदहोश कर रही है। शुक्रवार को विराट ने घरेलू चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात के खिलाफ एक ऐसी ही अलग और उच्चस्तरीय पारी खेली। शुरुआती करीब 3 ओवर तक कोहली शांत रहे, लेकिन इसके बाद उन्होंने गुजराती बॉलरों की खाल में भूसा भर दिया। विराट ने सिर्फ 44 गेंदों पर 8 चौकों और 4 छक्कों से शानदार पारी खेली, जिसने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा। विराट एक और मैच में बने, तो रिकॉर्ड के राजा ने इस मामले में भी एक और बड़ी लकीर खींच दी। मैच दर मैच कोहली हो रहे और विराट ! कोहली मैच दर मैच रन और रिकॉर्ड के मामले में ही नहीं, बल्कि प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार के मामले में भी विराट हो रहे हैं ! वास्तव में कोहली इस मामले में लकीर और बड़ी कर रहे हैं। शुक्रवार को विराट ने आईपीएल में 39वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच का रिकॉर्ड अपनी झोली में डाला। और कहा जा सकत है कि अब यहां से मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का उनसे आगे निकलना खासा मुश्किल हो चला है।

वैभव व अभिषेक मिटा पाएंगे लकीर

वास्तव में विराट की ओर से को लेकर मैच दर मैच और बड़ी हो रही लकीर अभी और ऊंची जाएगी। ऐसे में सवाल यह है कि प्लेयर ऑफ द मैच के मामले में कौन कोहली का रिकॉर्ड तोड़ेगा। एक रोहित हैं, जो उनसे 3 अवार्ड पीछे हैं लेकिन जो वर्तमान में उनकी जगह को लेकर मुंबई इंडियंस के हालात हैं, लगता नहीं कि रोहित अब यहां से विराट से आगे निकल पाएंगे। निश्चित रूप से वर्तमान में स्टार सक्रिय बल्लेबाजों के लिए कोहली के लिए कोहली का यह रिकॉर्ड तोड़ना लगभग असंभव है। ऐसे में फैंस की सारी उम्मीदें युवा स्टार अभिषेक शर्मा और खासतौर पर सुपर किड वैभव सूर्यवंशी पर जा टिकी हैं। इन दोनों को ही आईपीएल में अभी खासी लंबी पारी खेलनी है।

दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 95 भारत के हैं

रियल टाइम ग्लोबल टैम्परेचर रैंकिंग के अनुसार, भारत दुनिया का सबसे ज्यादा गर्म देश है

- महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं।
- भारतीय मौसम विभाग ने अभी और तेज़ गर्म लू चलने की चेतावनी जारी की है और कहा कि आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। भारत वर्तमान में गर्मी की लहर अन्तर्राष्ट्रीय का केन्द्र बना हुआ है। रियल-टाइम ग्लोबल तापमान रैंकिंग के अनुसार, शनिवार को दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर भारत के हैं।

24 अप्रैल शाम 5:00 बजे के डेटा से उपमहाद्वीप के बड़े हिस्सों में जारी हीटवेव की तीव्रता और व्यापकता उजागर होती है।

मध्य भारत से लेकर सिंधु- गंगा मैदानों तक, दर्जनों शहरों में तापमान 40 से. के पार पहुँच गया है, और कई स्थान लगभग 45 से. के निशान के करीब हैं।

इस सूची में सिर्फ बड़े शहर ही नहीं, बल्कि छोटे शहर भी शामिल हैं, जो दर्शाते हैं कि हीटवेव की स्थिति कितनी व्यापक और गहरी हो गई है।

महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, और इन राज्यों के कई शहर ग्लोबल टॉप 100 में प्रमुखता से शामिल हैं।

इतनी विशाल भौगोलिक सीमा में अत्यधिक गर्मी की उपस्थिति वर्तमान मौसम की गंभीरता को उजागर करती है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस गर्मी की वजह कई कारक हैं, जिनमें लगातार शुष्क हवाएँ, साफ आकाश और देर से प्री-मॉनसून गतिविधि शामिल हैं।

अच्छी वर्षा और बादलों की कमी के कारण दिन में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जबकि गर्म रातें किसी भी प्रकार की ठंडक की संभावना को रोक रही हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही कई क्षेत्रों में हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है और बताया है कि यह स्थिति आने वाले दिनों में बनी रह सकती है।

इन तापमानों के लगातार संपर्क में रहने से हीट-संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है, विशेष रूप से वृद्धों, बच्चों और धूप में काम करने वाले कामगारों में।

वर्तमान स्थिति को विशेष रूप से चिंताजनक बनाने वाली बात यह है कि यह गर्मी पूरे देश में एक साथ महसूस हो रही है। स्थानीय गर्मी की घटनाओं के विपरीत, यह लहर कई राज्यों में एक साथ प्रभावी है, जिससे हमारे शहर बड़ी संख्या में वैश्विक अत्यधिक तापमान रैंकिंग में शामिल हो रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के पैटर्न अब प्राय: होने लगे हैं, जो व्यापक जलवायु परिवर्तन और बढ़ते बेसलाइन तापमान की ओर संकेत करते हैं। शहरी हीट आइलैंड प्रभाव, घटता हरा-भरा आवरण और बदलता मौसम तंत्र भी कई क्षेत्रों में इस प्रभाव को बढ़ा रहे हैं।इस निर्मम गर्मी के बावजूद, कुछ राहत की संभावना है। पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में आने वाले कुछ दिनों में बिजली गिरने और तेज़ हवाओं की संभावना है, जो अस्थायी राहत ला सकती है।

लेकिन तापमान में बड़ी और स्थायी गिरावट तब तक नहीं होने की संभावना है, जब तक कि मजबूत प्री-मॉनसून सिस्टम या मॉनसून आगे न बढ़े।

फिलहाल, भारत पृथ्वी पर सबसे गर्म देश है। यह असाधारण तथ्य न केवल वर्तमान हीटवेव की तत्कालता को दर्शाता है, बल्कि गर्म होती दुनिया में चरम मौसम की बढ़ती चुनौती को भी उजागर करता है।

बंगाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेक्टर-15 की निवासी, कहती हैं कि यह स्थिति निवासियों के लिए काफी असुविधाजनक है।

किरन शेरावत, जो कोरोना अपार्टमेंट्स, सेक्टर-37 की निवासी हैं, ने कहा कि उनकी सहायिका चुनाव के लिए कोलकाता गई हैं और उन्हें नहीं पता कि कब वापस आएंगी। अन्य निवासी भी इस असुविधा की पुष्टि करते हैं।वीना गुप्ता, अनंत राज एस्टेट, सेक्टर-63 की निवासी, कहती हैं, ''हमारी घरेलू सहायिका भी बंगाल गई है। उसकी अनुपस्थिति में किसी नई सहायिका को ढूंढना मुश्किल हो गया है। हमें उम्मीद है कि वह चुनाव खत्म होने के बाद जल्दी लौटेगी।'' सैक्टर-40 की दिव्या बताती हैं कि उनकी सहायिका 10 दिन पहले चली गई थी। उन्हें बर्तन धोने, झाड़ू-पोंछा और सफाई करने के लिए कोई नहीं मिला। कुछ लोगों के लिए घर की मदद न होना और भी तनावपूर्ण हो गया है। सुनिता पांचाल, राहेजा अपार्टमेंट्स, सैक्टर-31 की निवासी, कहती हैं कि हमारी सहायिका केवल सफाई के लिए नहीं, बल्कि पूरे घर के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होती हैं। हालांकि निवासियों को पता है कि यह अस्थायी समस्या है, लेकिन इससे उनकी दिनचर्या पर असर पड़ रहा है।कामकाजी पेशेवरों के लिए स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है, क्योंकि अब उन्हें ऑफिस के काम के साथ-साथ घर के सभी काम भी संभालने पड़ रहे हैं।

बार न्यायिक कार्य बहिष्कार पर पुर्नविचार करे, कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं करे- हाई कोर्ट

हाई कोर्ट की लार्जर बैंच ने एक सुनवाई में कहा कि न्यायिक कार्य से दूरी न्याय व्यवस्था के हित में नहीं

- हाई कोर्ट ने कहा कि बार पदाधिकारियों ने 2021 में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष शपथ पत्र में यह आश्वासन दिया था कि वे न्यायिक कार्य का बहिष्कार नहीं करेंगे। लिखित आश्वासन की पालना की जानी चाहिए।

जयपुर, 24 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार एसोसिएशन की ओर से शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने का विरोध करने और न्यायिक कार्य बहिष्कार पर नाराजगी जताई है। वहीं बार पदाधिकारियों को सुझाव दिया है कि वे न्यायिक कार्य बहिष्कार के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें और न्यायालय की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्य से दूरी बनाना न्याय व्यवस्था के हित में नहीं है।

इसके साथ ही, वकीलों को चेतावनी दी कि उन्हें कार्रवाई के लिए बाध्य नहीं किया जाए। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा, जस्टिस भुवन गोयल और जस्टिस समीर जैन की लार्जर बेंच ने यह टिप्पणी शनिवार को एक मुकदमे में सुनवाई के दौरान कही।

सीजे ने कहा कि लार्जर बेंचों को इसलिए बनाया गया था, ताकि लंबित और महत्वपूर्ण मामलों का प्रभावी निस्तारण हो सके, लेकिन हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा न्यायिक कार्य बहिष्कार के कारण अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति रही है।

हम यहां पर केसों की सुनवाई के लिए बैठे हैं, लेकिन न तो पैरवी के लिए महाधिवक्ता, न वरिष्ठ अधिवक्ता और न ही सरकारी अधिवक्ता हैं। जबकि बार पदाधिकारियों ने 2021 में पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष शपथ पत्र दिया था और उसमें यह आश्वासन दिया था कि वे न्यायिक कार्य का बहिष्कार नहीं करेंगे।

जब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लिखित आश्वासन दिया गया है, तब उसका पालन भी किया जाना चाहिए। वीसी से पेश वकील कर रहे हैं कि वे व्यक्तिश: पेश नहीं हो पा रहे हैं। जिससे जाहिर है कि उन्हें रोका जा रहा है। यह कोर्ट की अवमानना है। इसके साथ ही उन्होंने आदेश की कॉपी बीसीआई सहित, बार एसोसिएशन को भी भेजी है। दूसरी ओर वकीलों ने बार-बेंच के बीच गतिरोध बताते हुए एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा के तबादले की मांग करते हुए यहां स्थायी सीजे नियुक्त करने की मांग की है। हाईकोर्ट बार के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि नियमानुसार स्थानीय व्यक्ति को सीजे नहीं बनाया जा सकता।

गौरतलब है कि सीजेआई के जयपुर में रालसा के सेमिनार में शामिल होने के चलते जोधपुर के सभी न्यायाधीशों ने जयपुर बेंच में बैठकर ही मामलों में सुनवाई की थी।

अमेरिका व ईरान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची की इस्लामाबाद यात्रा क्षेत्रीय मुद्दों या व्यापक कूटनीतिक बातचीत के लिए थी। अराघची ने घोषणा की कि वे पाकिस्तान से ओमान और रूस भी जाएंगे।

अराघची की यात्रा महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन यह सच है कि वह वास्तव में ईरान में नीति निर्माता नहीं हैं। जब अराघची ने बिना अनुमति यह घोषणा की कि होर्मुज़ स्ट्रेट सामान्य यातायात के लिए खुला है, तो कट्टर रुख वाले ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के नेताओं ने इस बात को खारिज कर दिया।

इसलिए, इस समय अराघची के साथ कोई निर्णायक वार्ता संभव नहीं है, जब तक कि ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स इसका अनुमोदन न करें। फिर भी, अराघची अपने देश के लिए सबसे अनुभवी और कुशल वार्ताकारों में से एक माने जाते हैं।

अराघची को कम से कम बीस वर्षों का कूटनीतिक अनुभव है और वे राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में बहुराष्ट्रीय परमाणु समझौते (जेसीपीओए) की महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल थे। डोनाल्ड ट्रम्प ने इस समझौते को रद्द कर दिया, जिससे ईरान केवल सहमत सीमा तक यूरेनियम संवर्धन करने की बाध्यता से मुक्त हो गया।

- वार्ता शुरु करने में जितना भी समय लग रहा है वह ईरान को पुनः सेना व सैन्य सामग्री को सुसज्जित करने में सहायक हो रहा है और सैन्य बल मजबूत करने से ईरान की युद्ध की तैयारी पूरी हो रही है।

अब पीछे मुड़कर देखें तो, ट्रम्प का जेसीपीओए को पूरी तरह अस्वीकार करना वर्तमान गतिरोध और टकराव का सबसे महत्वपूर्ण कारण प्रतीत होता है। समझौते के रद्द होने के बाद और जब ईरान अब केवल 3.6 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन के नियम से बंधा नहीं था तो ईरान ने तेजी से समृद्धि कार्यक्रम शुरू किया और विशाल भंडार बना लिया।

अब ट्रम्प की चुनौती यह है कि वह एक बार बोतल से बाहर आ चुके जिन्न को वापस बोतल में कैसे बंद करें। यह बेहद कठिन है, क्योंकि ईरान ने एक स्वतंत्रता का स्वाद चखा है जिसे अब छोड़ना नहीं चाहता।

इसके अलावा, अमेरिकी सशस्त्र हमलों को रोकने में ईरान की बड़ी सफलता और छोटे हथियारों में हासिल लाभ के कारण, ईरान पर ट्रम्प आसानी से नहीं काबू कर सकते।

अमेरिका द्वारा संघर्षविराम को बार-बार बढ़ाने के कारण, ईरान सर्वोत्तम स्थिति में है। वे इस समय का उपयोग मिसाइल और ड्रोन उत्पादन बढ़ाने में कर सकते हैं। अमेरिका दूसरी ओर सख्त समय सीमा के दबाव में है।

अमेरिकियों के लिए दांव ऊंचे हो रहे हैं। घरेलू महंगाई आम जनता के बीच असंतोष बढ़ा रही है। सहयोगियों ने अमेरिका के पक्ष में कदम नहीं रखा और वैश्विक अर्थव्यवस्था गिर रही है, जबकि स्थिर व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप अमेरिका पर है।

एक तरह से, ट्रंप खुद को उस कठिन स्थिति में पाकर फंस गए हैं, जिसमें उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कभी प्रवेश नहीं करने की बात कही थी। उनके उत्साही एमएजीए समर्थक भी उन्हें छोड़ रहे हैं। संक्षेप में, इस एक असावधान कदम के कारण उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल की संभावनाओं को कमज़ोर कर दिया है।

भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ाने और वैकल्पिक विवाद समाधान से मुकदमों का बोझ कम करने में सहायता मिलती है।

राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि आमजन को जागरूक करने एवं सुलभ न्याय पहुंचाने में रालसा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं, लोक अदालतों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अनुभव से मध्यस्थता के जरिए पुराने विवादों का निस्तारण किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान राजस्थान हाईकोर्ट के नवाचार यूनिफॉर्म रजिस्ट्रेशन नंबर सिस्टम को लॉन्च किया गया तथा सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए आर्टिकल्स की संकलित पुस्तक का विमोचन किया गया। साथ ही, विधिक सेवाओं को अधिक सुलभ और सशक्त बनाने के लिए मल्टी यूटिलिटी वाहनों को रवाना किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ट जजेज़ के पदाधिकारीगण, राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विधि विद्यार्थी उपस्थित थे।

बंगाल में दूसरे चरण का चुनाव, 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

- ये नए पुलिस पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से बुलाए गए हैं
- पहले चरण में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बाद भी हिंसा की कुछ घटनाएं हुई थी इसलिए इस बार आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है।

कोलकाता, 25 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। दूसरे चरण में राज्य की 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये सभी 11 नए पुलिस पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से बुलाए गए हैं। इनका मुख्य कार्य दूसरे चरण की चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष बनाना है।

प्रशासन इस बार सुरक्षा में रत्ती भर भी ढि लाई नहीं बरतना चाहता। न्यूज एजेंसी आईएएनएस को एक अधिकारी ने बताया, आयोग का लक्ष्य दूसरे चरण में तनाव की किसी भी संभावना को पूरी तरह समाप्त करना है। यही कारण है कि पुलिस पर्यवेक्षक की संख्या में इजाफा किया गया है। हालांकि 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे, लेकिन फिर भी छिटपुट हिंसा और तनाव की कुछ घटनाएं सामने आई थीं। निर्वाचन आयोग दूसरे चरण में ऐसी किसी भी घटना की पुनरावृत्ति नहीं चाहता।

इन 11 अतिरिक्त अधिकारियों की नियुक्ति के साथ ही, पश्चिम बंगाल में तैनात कुल पुलिस पर्यवेक्षकों की संख्या अब बढ़ कर 95 हो गई है। आयोग ने शुरुआत में इस चुनाव के लिए 84 पर्यवेक्षक तैनात किए थे। अब इस संख्या को और बढ़ा दिया गया है। संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है। वहां अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बाहरी राज्यों से आए इन अधिकारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य पुलिस को सौंपी गई है।

इसके इतर, चुनाव आयोग ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर पुलिस जिले के पांच पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के भी आदेश दिए गए हैं। निलंबित होने वाले अधिकारियों में एक एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और एक सब-डिवीजन पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

जयराम रमेश ने पवन खेड़ा का समर्थन किया

- उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी गुवाहाटी हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगी।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने गुवाहाटी हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है और हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मामले से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रिनिकी भुइयां सरमा पर कई पासपोर्ट रखने और विदेश में संपत्तियां होने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

भाजपा ने अब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन पर आरोप लगाया गया है कि वे उन्हें हाल ही में आवंटित आधिकारिक आवास, 95, लोदी एस्टेट में ''शीश महल-2'' बनाने की योजना बना रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता और दिल्ली लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को ''दिल्ली का रहमान डकैत'' बताया और कहा कि वे ''साधारण आदमी की छवि दिखाकर, विलासिता भरी जिंदगी जी रहे हैं।'' वर्मा ने 95, लोदी एस्टेट की एक ''आधुनिक ट्रांजिश्नल डिज़ाइन'' की रूपरेखा साझा की, जिसमें फॉयर, लिविंग रूम, लाउंज, बैठक कक्ष और कस्टम फर्नीचर व सजावट के सामान शामिल हैं। आप ने तुरंत इन आरोपों को नकारा और वर्मा के खिलाफ 95, लोदी एस्टेट की झूठी जानकारी और तस्वीरें प्रचारित करने के लिए मानहानि का केस दायर करने की धमकी दी।

इस बीच, पंजाब भाजपा , आप के विभाजन से उत्साहित है। राज्य भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि सांसदों का पार्टी छोड़ना केजरीवाल की तानाशाही प्रवृत्तियों का परिणाम है और सत्तारुढ़ पार्टी पर आरोप लगाया कि वह ''उधार के नेताओं'' की ताकत पर टिकी है। हाल ही में हुए उपचुनावों में, आप ने ऐसे उम्मीदवार उतारे, जिन्होंने अन्य पार्टियों से आकर, आप जॉइन की थी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने भी केजरीवाल पर हमला बोला और कहा कि बहुत से नेताओं ने आप छोड़ दी थी, जिनमें अशुतोष, शाज़िया इल्मी, किरण बेदी और कुमार विश्वास जैसे नाम शामिल हैं। चुघ ने कहा: ''पंजाब के लोग पहले ही अपना मन बना चुके हैं। अलविदा केजरीवाल, अलविदा मान।''

- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ के अनुसार, पंजाब की जनता ने मन बना लिया है और कह रही है ''गुडबाय केजरीवाल, गुडबॉय मान''
- इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री मान राष्ट्रपति मुर्मू से मिले हैं, सांसदों को ''डिस्क्वालिफाय'' करने हेतु अपना केस प्रस्तुत करने के लिए।

एक ही दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने चड्ढा की छवि एक सुलभ और आम जनता को समर्पित नेता के रूप में बनाई।

राज्यसभा में जैन ज़ैड केन्द्रित मुद्दों पर उनका फोकस पारंपरिक राजनीति और युवा आकांक्षाओं के बीच पुल बनाने में मददगार साबित हुआ।?

उन्हें एक अलग तरह के नेता के रूप में देखा गया। यहाँ तक कि जब चड्ढा को आप में उप नेता के पद से हटाया गया, तब भी उन्हें भारी समर्थन मिला। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के पति, राघव चड्ढा ने एक इंस्टाग्राम रील साझा की, जिसमें कई यूज़र्स द्वारा सुझाव दिया गया कि चड्ढा को अपनी खुद की ''जैन ज़ैड पार्टी'' बनानी चाहिये। रिहान नामक एक यूज़र ने भविष्यवाणी की थी।

चार दिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके। केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि केदारनाथ के कपाट खुले हुए आज चौथा दिन है और आज भगवान भैरवनाथ जी के कपाट भी खुल गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में केदारनाथ धाम में व्यवस्थाएं बिल्कुल ठीक हैं। प्रत्येक श्रद्धालु को दर्शन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कुछ अराजक तत्व द्वारा धाम को बदनाम किया जाना बेहद निंदनीय है।

ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बैठक के कुछ दृश्य दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें विदेश मंत्री इसाक दर और सेना प्रमुख आसिम मुनिर भी शामिल थे। वस्तुत: क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा के अस्पष्ट संदर्भ के अलावा, एजेंडे को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी।

तीन माह में चार छात्रों की मौत, एनआईटी कुरुक्षेत्र पर जाँच का शिकंजा कसा

16 फरवरी से 16 अप्रैल के बीच हुई इन चार घटनाओं से छात्रों, अभिभावकों व जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है

- पहली आत्महत्या 16 फरवरी को तेलंगाना के छात्र ने की थी, दूसरी घटना में 31 मार्च को हरियाणा ने नूह का छात्र, तीसरी घटना में 8 अप्रैल को सिरसा का तृतीय वर्ष का छात्र तथा 16 अप्रैल को बिहार की एक छात्रा मृत पाई गई थी।
- हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने घटना पर स्वत संज्ञान लेकर रिपोर्ट तलब की है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एआईसीटीई के चेयरमैन प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे के नेतृत्व में जाँच दल गठित किया है।
- पीड़ितों के परिजनों ने संस्थान के प्रशासन की कार्यशैली, होस्टल प्रबंध और छात्र कल्याण व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाए।
- एनआईटी में 4 मई तक अवकाश घोषित कर दिया है और भारी प्रशासनिक फेरबदल भी किया गया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी-(नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी अर्थात एनआईटी), कुरुक्षेत्र, पिछले दो महीनों में चार छात्रों की आत्महत्या और एक अन्य छात्र के 18 अप्रैल को होस्टल में कथित आत्महत्या के प्रयास के बाद, गहन जांच के घेरे में आ गया है। इस घटनाक्रम ने परिसर में आक्रोश पैदा कर दिया और इसके बाद कई आधिकारिक जांचें शुरू करवाई गईं।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने स्वेच्छा से मामले को संज्ञान में लिया और एनआईटी निदेशक, कुरुक्षेत्र के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से विस्तृत स्थिति रिपोर्ट मांगी। आयोग ने निर्देश दिया है कि यह रिपोर्ट अगली सुनवाई से कम से कम एक हफ्ता पहले प्रस्तुत की जाए, अगली सुनवाई की तारीख 1 मई निर्धारित की गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, कुछ पीड़ितों के माता-पिता और परिवार ने संदिग्ध गतिविधियों का आरोप लगाया और संस्थान प्रशासन, होस्टल प्रबंधन और छात्र कल्याण प्रणाली की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

मृतकों की श्रृंखला 16 फरवरी से शुरू हुई, जब तेलंगाना के एक प्रथम-सेमेस्टर कंप्यूटर साइंस के छात्र को होस्टल कमरे में मृत पाया गया। दूसरा छात्र, जो हरियाणा के नूह का था, 31 मार्च को मृत पाया गया तथा 8 अप्रैल को सिरसा के तृतीय वर्ष के एक सिविल इंजीनियरिंग छात्र की मौत हुई, और नवीनतम घटना 16 अप्रैल को हुई, जब बिहार की द्वितीय वर्ष की एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस छात्रा को उसके होस्टल कमरे में मृत पाया गया। 18 अप्रैल को आत्महत्या का प्रयास ने चिंता को और बढ़ा दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

बढ़ते आक्रोश और चिंता के बीच, संस्थान ने सभी अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट और पीएचडी छात्रों को 19 अप्रैल तक होस्टल खाली करने का आदेश दिया और 4 मई तक अस्थायी शैक्षिक अवकाश घोषित किया। अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय छात्रों को घर जाने, परिवार के साथ समय बिताने और ताजगी भरे मनोबल के साथ पढ़ाई फिर से शुरू करने की सुविधा देने के लिए लिया गया।

हालांकि सैद्धांतिक परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगी, कुछ प्रायोगिक परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जा सकती हैं।

एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल में, एनआईटी प्रशासन ने अकादमिक, फैकल्टी वेलफेयर और रिसर्च एवं कंसल्टेंसी के डीन को बदल दिया है। होस्टल वॉर्डन और मुख्य वॉर्डन को भी बदला गया है। यह कदम छात्रों और माता-पिता की व्यापक आलोचना के बाद विश्वास बहाल करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

एनआईटी के वरिष्ठतम प्रोफेसर ब्रह्मजीत सिंह, जो निदेशक की अनुपस्थिति में एग्ज़ीग्यूटीव हैड हैं, ने कहा कि संस्थान संकट को गंभीरता से ले रहा है और तीन-स्तरीय सहायता संरचना लागू की है। उन्होंने कहा कि वार्डन रोजाना होस्टलों का दौरा करेंगे, प्रत्येक फैकल्टी मैंटॉर को 20-25 छात्रों का समूह सौंपा जाएगा, और हर होस्टल के लिए दो फैकल्टी मेंबर नियमित बातचीत और निगरानी के लिए जुड़े रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अब हर छात्र को सीधे संवाद के लिए एक फैकल्टी मैंटॉर से जोड़ा गया है, जबकि विभागाध्यक्षों को अकादमिक या व्यक्तिगत शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। सिंह ने इन आरोपों को खारिज किया कि प्रोफेसरों ने छात्रों को धमकाया। उन्होंने कहा कि संस्थान संवाद के लिए खुला है।

इस बीच, केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी हस्तक्षेप किया है। इस सप्ताह दो अलग-अलग केन्द्रीय टीमों ने परिसर का दौरा किया। एक जांच पैनल, जो पूर्व एआईसीटीई अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे के नेतृत्व में था, ने छात्रों और फैकल्टी से मुलाकात की और मौतों के हालात की समीक्षा की। दूसरी केन्द्रीय टीम ने संस्थान में व्यापक प्रशासनिक मुद्दों की जांच की।

आयोग ने एनआईटी से कहा है कि वह प्रत्येक मृत्यु और आत्महत्या के प्रयास के पीछे की परिस्थितियों, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाओं की उपलब्धता और कार्यप्रणाली, तनाव या आर्थिक कठिनाई में छात्रों की पहचान का तंत्र, मेंटर-मेंटी प्रोग्राम का कार्यान्वयन, होस्टल सुरक्षा प्रोटोकॉल, अब तक उठाए गए निवारक कदम और अचानक होस्टलों को बंद करने और फैकल्टी को स्थानांतरित करने के कारणों की व्याख्या करे।

जिला प्रशासन और पुलिस से भी प्रत्येक मामले में जांच की रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि क्या किसी संस्थागत चूक या लापरवाही का इन घटनाओं में योगदान हो सकता है। इन घटनाओं ने मानसिक स्वास्थ्य, दबाव, अकादमिक तनाव, वित्तीय कठिनाई, होस्टल की स्थिति और भारत के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में शिकायत निवारण तंत्र पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को फिर से उभारा है।

ईरान में डिजिटल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी। नेटब्लॉक्स के आंकड़ों के मुताबिक, यह व्यवधान अब 1,344 घंटों की अवधि को पार कर चुका है। इससे पहले जनवरी 2026 में भी सरकार ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान इसी तरह की पाबंदी लगाई थी, जिससे आंतरिक अशांति की खबरें बाहर न जा सकें। इंटरनेट की इस लंबी अनुपस्थिति ने ईरान के आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन व्यापार और परिवहन नेटवर्क पूरी तरह ठप पड़े हैं।विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस शटडाउन से ईरानी अर्थव्यवस्था को अब तक 2.5 बिलियन डॉलर यानी23,570 करोड़ का कुल नुकसानहो चुका है। प्रतिदिन लगभग 370 करोड़ का राजस्व प्रभावित हो रहा है।

तेलंगाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था। इसके बाद उन्होंने एमएलसी पद और बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था।बीआरएस से अलग होने के सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है, जिसके साथ उनके पिता ने कभी तेलंगाना राज्य आंदोलन की शुरुआत की थी। इस नाम के चयन को राजनीतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक माना जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908